दिनमान | तापमान
सूर्योदय 5.36 सूर्यास्त 5.48 | अधिकतम 30° न्यूनतम 21°

वर्ष 18, अंक 276 पृष्ठ 12
कोलकाता, सोमवार, 23 मार्च 2026
चैत्र, शुक्लपक्ष, पंचमी, वि.सं. 2083
मूल्य: ₹3

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

कोलकाता संस्करण www.yuvashaktinews.com

पंचम स्कन्दमाता

सिंहासनगता नित्यं पद्माश्रितकरद्वया.
शुभदास्तु सदा देवी स्कन्दमाता यशस्विनी..

मां दुर्गा के पांचवें स्वरूप को स्कन्दमाता कहा जाता है. ये भगवान स्कन्द 'कुमार कार्तिकेय' के नाम से भी जाने जाते हैं. इन्हीं भगवान स्कन्द अर्थात कार्तिकेय की माता होने के कारण मां दुर्गा के इस पांचवें स्वरूप को स्कन्दमाता के नाम से जाना जाता है. इनकी उपासना नवरात्रि पूजा के पांचवें दिन की जाती है इस दिन साधक का मन विशुद्ध चक्र में स्थित रहता है. इनका वर्ण शुभ्र है. ये कमल के आसन पर विराजमान हैं. इसलिए इन्हें पद्मासन देवी भी कहा जाता है. इनका वाहन भी सिंह है. नवरात्रि पूजन के पांचवें दिन का शास्त्रों में पुष्कल महत्व बताया गया है. इस चक्र में अवस्थित रहने वाले साधक की समस्त बाह्य क्रियाएं एवं चित्र वृत्तियों का लोप हो जाता है.

पश्चिम एशिया संकट पर पीएम मोदी की अहम बैठक

तेल, गैस व उर्वरक की आपूर्ति सुनिश्चित करने पर हुई चर्चा

अमित शाह व पेट्रोलियम मंत्री भी शामिल ■ सरकार वैश्विक हालात पर रखे हुए है नजर

नई दिल्ली: पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने ऊर्जा सुरक्षा को लेकर उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की. बैठक में तेल, गैस और उर्वरक की आपूर्ति सुनिश्चित करने पर चर्चा हुई.

सरकार वैश्विक हालात पर नजर रखे हुए है. पीएम मोदी ने इससे पहले ईरान के राष्ट्रपति से भी बातचीत की थी. क्षेत्रीय स्थिरता, सुरक्षित सप्लाई चेन और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा पर जोर दिया था. एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सरकार ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने और पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के लिए सक्रिय कदम उठा रही है. उपभोक्ता और उद्योग हितों की रक्षा के लिए सरकार वैश्विक घटनाक्रमों पर लगातार नजर रख रही है.

पीएम मोदी ने शनिवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर चर्चा करने और द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के लिए बातचीत की. दोनों नेताओं ने आशा व्यक्त की कि यह त्योहारी मौसम पश्चिम एशियाई क्षेत्र के लिए शांति, स्थिरता और समृद्धि का दौर लेकर आएगा. प्रधानमंत्री मोदी ने क्षेत्र में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हुए हालिया हमलों की निंदा करते हुए कहा था कि इस तरह की कार्रवाई क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा हैं और महत्वपूर्ण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करती हैं.

प्रधानमंत्री ने नौवहन की स्वतंत्रता की रक्षा करने और अंतरराष्ट्रीय जहाजरानी मार्गों को खुला और सुरक्षित रखने के महत्व को दोहराया. उन्होंने देश में रहने वाले भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में ईरान के निरंतर समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बनाया नया रिकार्ड

सीएम व पीएम की कुर्सी पर अब तक 8931 दिन

शासक के तौर पर सबसे लंबी पारी खेलने वाले राजनेता बने

सोशल मीडिया पर दुनिया में सबसे ज्यादा फॉलोअर्स

2025 में इंदिरा का रिकॉर्ड तोड़ा, पर नेहरू से अब भी पीछे

नयी दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले निर्वाचित सरकार प्रमुख का नया रिकॉर्ड बनाया है. मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में कुल 8,931 दिन पूरे कर उन्होंने सिक्किम के पूर्व सीएम पवन कुमार चामलिंग को पीछे छोड़ दिया है.

उन्होंने मुख्यमंत्री (गुजरात) और प्रधानमंत्री दोनों पदों को मिलाकर कुल 8,931 दिन पूरे कर लिए हैं. नरेंद्र मोदी ने 7 अक्टूबर, 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभाला था. इस पद पर वह 21 मई 2014 तक पर बने रहे, यानी उन्होंने 13 वर्षों से ज्यादा समय तक वे मुख्यमंत्री रहे थे. इसके बाद उन्होंने 26 मई 2014 को उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी. तब से उन्होंने 2014, 2019 और 2024 में लगातार तीन लोकसभा चुनावों के माध्यम से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार का नेतृत्व किया है. मोदी गुजरात के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्री हैं और ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिनके पास किसी राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में सबसे अधिक पूर्व अनुभव है.

साल 2026 की शुरुआत में पीएम मोदी ने इंस्टाग्राम पर 100 मिलियन (10 करोड़) फॉलोअर्स का आंकड़ा पार कर लिया था. इसके साथ ही वह इस प्लेटफॉर्म पर यह उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के पहले नेता बन गए. प्रधानमंत्री मोदी 2014 में इंस्टाग्राम से जुड़े थे. पिछले 10 सालों में उनका अकाउंट दुनियाभर के नेताओं के बीच सबसे अधिक एक्टिव रहा है. मौजूदा समय में इंस्टाग्राम पर उनके 101 मिलियन से अधिक और एक्सम (पहले ट्विटर) पर 106 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स हैं.प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस रिकॉर्ड पर सभी नेता उन्हें बधाई दे रहे हैं. गृहमंत्री अमित शाह ने भी उन्हें बधाई देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्सि पर लिखा कि सेवा, मेहनत और समर्पण की मिसाल पेश करते हुए नरेंद्र मोदी भारत में सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले सरकार प्रमुख बन गए हैं. 17 सितंबर को जन्मे नरेंद्र मोदी 6 साल की उम्र में ही कांग्रेस की ओर से महागुजरात आंदोलन का हिस्सा बने. फिर 8 साल की उम्र में आरएसएस से जुड़ गए थे. 7 अक्टूबर 2001 को 51 साल की उम्र में बिना विधायक बने ही मोदी गुजरात के 14वें मुख्यमंत्री बने.

नरेंद्र मोदी भारत के लगातार सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने वाले दूसरे पीएम भी हैं.वे पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के 4077 दिनों (24 जनवरी 1966 से 24 मार्च 1977) का रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं. 22 मार्च 2026 तक बतौर प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी 4318 पूरे कर चुके हैं. हालांकि सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड जवाहरलाल नेहरू के नाम है. वे 15 अगस्त 1947 से 27 मई 1964 तक यानी लगातार कुल 6126 दिन तक इस पद पर रहे. पीएम मोदी नेहरू के रिकॉर्ड से 1812 दिन पीछे हैं.

नंदीग्राम में भगवान राम की मूर्ति का सिर काटकर ले गए

बंगाल में गरमाया राजनीतिक माहौल ■ भाजपा ने ममता पर साधा निशाना

नंदीग्राम: शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने दावा किया कि टीएमसी सरकार हिंदुओं के खिलाफ है और वोट बैंक की राजनीति के लिए गुंडों को बचा रही है. अधिकारी ने इसे जिहादियों की ओर से की गई कार्रवाई बताया. पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम में भगवान राम की प्रतिमा के साथ तोड़फोड़ की घटना सामने आई है, जिसे लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है. विधानसभा में विपक्ष के नेता और भाजपा के प्रमुख चेहरे शुभेंदु अधिकारी ने इसकी कड़ी निंदा की है.

उन्होंने आरोप लगाया कि राम नवमी के उत्सव से ठीक पहले रात के अंधेरे में अज्ञात लोगों ने वेटुरिया बस स्टैंड पर लगभग तैयार हो चुकी भगवान राम की मूर्ति का सिर काटकर ले गए. यह घटना पूर्वी मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम के बूथ नंबर 122, ब्लॉक-2 में हुई है. अधिकारी ने इसे हिंदू आस्था पर हमला करार देते हुए कहा कि राज्य में ऐसे कृत्य अब आम हो गए हैं. उन्होंने दावा किया कि टीएमसी सरकार हिंदुओं के खिलाफ है और वोट बैंक की राजनीति के लिए गुंडों को बचा रही है. उन्होंने सनातनियों से एकजुट होकर इस सरकार को विदा करने का आह्वान किया, क्योंकि ऐसी घटनाएं हिंदू त्योहारों से पहले स्थिति को बिगाड़ रही हैं. यह घटना पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भी अहम है, जहां शुभेंदु अधिकारी नंदीग्राम और भवानीपुर दोनों सीटों से चुनाव लड़ रहे हैं. नंदीग्राम वह स्थान है जहां 2021 में उन्होंने ममता बनर्जी को हराकर बड़ा उलटफेर किया था. अधिकारी ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार हिंदू देवी-देवताओं और मंदिरों पर हमलों को रोकने में नाकाम है. उन्होंने पुलिस और प्रशासन की निष्क्रियता पर भी सवाल उठाए और कहा कि ऐसी घटनाएं चुनावी माहौल को प्रभावित कर रही हैं.

ममता बनर्जी ने कार्यकर्ताओं को दिया कड़ा संदेश

क्षेत्र में बाहरी लोगों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने का निर्देश

कोलकाता : ममता बनर्जी ने तृणमूल नेताओं और कार्यकर्ताओं को मतदान अवधि के दौरान क्षेत्र में बाहरी लोगों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया है. यदि क्षेत्र में बाहरी लोगों की संख्या में वृद्धि होती है, तो पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को सूचित किया जाए. मुख्यमंत्री ने आवश्यकता पड़ने पर पुलिस और प्रशासन से संपर्क करने की भी सलाह दी.

उन्होंने रविवार को अपने गृह क्षेत्र भाबानीपुर से विधानसभा चुनाव प्रचार की शुरुआत करते हुए ऐसे कई संदेश दिए.रविवार शाम ममता बनर्जी ने भवानीपुर के अहिंद्रा मंच पर आयोजित एक विशेष कार्यकर्ता बैठक में भाग लिया. इस बैठक में उन्होंने एक ओर पार्टी कार्यकर्ताओं को आगामी राजनीतिक लड़ाई की रणनीति समझाई, वहीं दूसरी ओर अपने विशिष्ट अंदाज में भाजपा और चुनाव आयोग पर तीखे हमले भी किए. तृणमूल नेता ने बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को स्पष्ट संदेश दिया कि यह लड़ाई राजनीतिक रूप से ही लड़नी होगी. उन्होंने चुनावों में धन के इस्तेमाल को लेकर विपक्ष पर जमकर निशाना साधा. खाना पकाने की गैस की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर केंद्र की सत्ताधारी पार्टी पर कटाक्ष करते

हुए ममता ने कहा, जो लोग आम जनता को गैस मुहैया नहीं करा पा रहे हैं, वे चुनाव से पहले पैसे बांटकर वोट खरीदने की कोशिश कर रहे हैं. उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को इस संबंध में हमेशा सतर्क रहने का निर्देश दिया.

चुनाव की घोषणा के बाद, चुनाव आयोग ने राज्य प्रशासन में कई फेरबदल किए हैं.

इस मुद्दे को उठाते हुए, तृणमूल नेता ने आयोग और मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला. उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के 50 से अधिक पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों का मात्र तीन दिनों में तबादला कर दिया गया है. इस एकतरफा कदम का कड़ा विरोध करते हुए ममता बनर्जी ने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि इन अधिकारियों के तबादलों के बाद राज्य में कोई अप्रिय घटना घटती है या कानून-व्यवस्था बिगड़ती है, तो चुनाव आयोग और मोदी सरकार को इसकी पूरी जिम्मेदारी लेनी होगी. उन्होंने आज स्पष्ट किया कि किसी भी तरह से यह जिम्मेदारी तृणमूल कांग्रेस या राज्य सरकार के कंधों पर नहीं डाली जा सकती.मता बनर्जी ने मतदाताओं की सूची को लेकर कार्यकर्ताओं को विशेष निर्देश भी दिए. उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग सोमवार को पहली पूरक सूची या अतिरिक्त मतदाता सूची प्रकाशित करेगा. तृणमूल कार्यकर्ताओं को उन लोगों के साथ खड़ा होना होगा.

बंगाल में फ़र्ज़ी सर्टिफ़िकेट पर नौकरी को लेकर विवाद

पिता-बेटे की उम्र में सिर्फ़ 9 साल का फ़र्क!

पाथरप्रतिमा, 22 मार्च. एसआईआर की फ़ाइनल वोटर लिस्ट के अनुसार, पिता और बेटे की उम्र में कुल 9 साल का फ़र्क है. सरकारी वोटर लिस्ट और नौकरी के डॉक्युमेंट्स में हैरान करने वाली गड़बड़ियों के आरोप हैं. मामला सामने आते ही फ़ॉरेस्ट डिपार्टमेंट के पूर्व कर्मचारी अनिल कुमार घोरी सवालों के घेरे में आ गए हैं. यह घटना साउथ 24 परगना के पाथरप्रतिमा ब्लॉक में रामगंगा ग्राम पंचायत के राजराजेश्वरपुर इलाके में हुई.परिवार के सूत्रों के मुताबिक, अनिलकुमार गोरी ने लंबे समय तक फॉरेस्ट डिपार्टमेंट में टेम्पररी वर्कर के तौर पर काम किया. फिर 1996 में वे परमानेंट वर्कर बन गए. उस समय वोटर लिस्ट के मुताबिक उनकी उम्र करीब 51 साल थी. आरोप है कि नौकरी के डॉक्यूमेंट्स में उनकी उम्र सिर्फ 34 साल दिखाई गई थी. आरोप है कि नौकरी बनाए रखने के लिए उनकी उम्र में 17 साल का अंतर किया गया.

बाद में, 2002 की वोटर लिस्ट में अनिलकुमार गोरी की उम्र 57 साल और उनके बड़े बेटे स्वप्नकुमार गोरी की उम्र 33 साल थी. इस बीच, 28 फरवरी को डखठ के बाद फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश हुई. इसमें अनिलकुमार गोरी की उम्र 63 साल दिखाई गई है. वहीं, उनके बड़े बेटे स्वपनकुमार घोरी की उम्र 54 साल है. यानी पिता और बेटे की उम्र में सिर्फ़ 9 साल का फ़र्क है, जो स्थानीय लोगों के हिसाब से आम हालात में नामुमकिन है.

ईरान ने इजराइल पर 4 मिसाइलें दागीं, 300 लोग घायल

ट्रम्प का होर्मुज खोलने के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम

दुश्मन नहीं, सिर्फ दोस्तों के लिए खुलेगा होर्मुज : ईरान

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी: ईरान ने इजराइल पर रविवार सुबह से 4 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं. टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, इन हमलों में 300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं. इजराइली विदेश मंत्रालय और स्वास्थ्य सेवाओं के अनुसार, घायलों में बच्चे भी शामिल हैं. इससे पहले ईरान ने शनिवार रात भी इजराइल के डिमोना और अराद शहरों पर हमला किया था. यहां इजराइल का बड़ा न्यूक्लियर प्लांट है. ईरान की ओर से यह हमले ट्रम्प की धमकी के बाद बढ़े हैं. दरअसल, ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर धमकी देते हुए लिखा- अगर 48 घंटे के भीतर होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह नहीं खोला गया, तो अमेरिका ईरान के पावर प्लांट पर हमला करेगा. शुरुआत सबसे बड़े प्लांट से होगी.

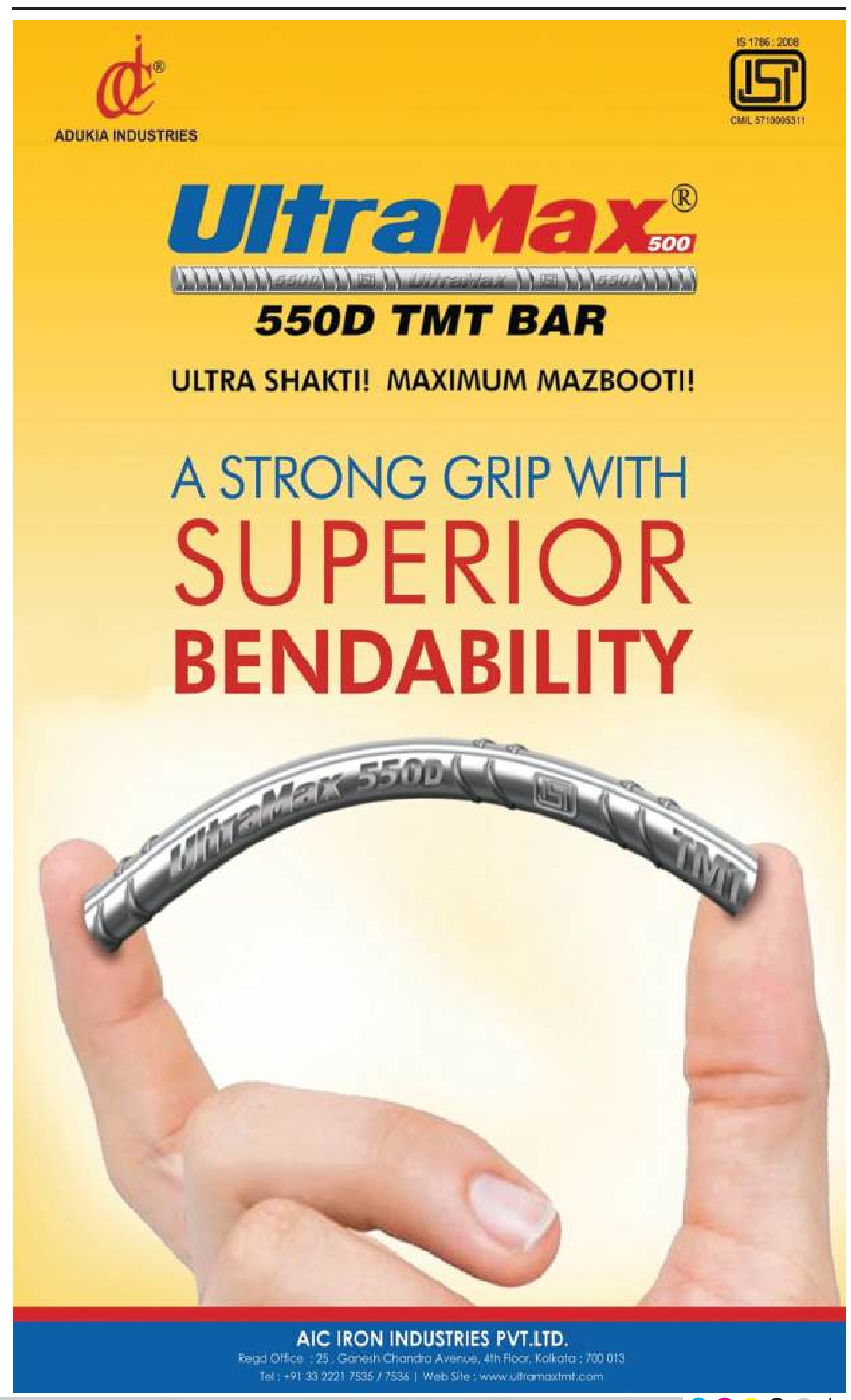

बंगाल में जनता से जुड़ने की आस में उम्मीदवार रोटियां बेल रहे, गा रहे कीर्तन

बाली में बजरंगबली के दर पर दिखा अनोखा भाईचारा

कोलकाता: पश्चिम बंगाल में इन दिनों विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान उम्मीदवार परंपरागत भाषणों या नारों से आगे बढ़कर जनता से सीधे जुड़ने का प्रयास करते हुए घर में रोटियां बेलते, दुकान में दाढ़ी बनाते और भजन गाते भी नजर आ रहे हैं. हुगली की रसोई से लेकर बीरभूम के सड़क किनारे नाई की दुकान और झाड़ग्राम के कीर्तन सभाओं तक, विभिन्न दलों के उम्मीदवार पारंपरिक रैली मंच से हटकर सीधे लोगों के रोजमर्रा के जीवन से जुड़ रहे हैं.

हुगली के पुरसुराह में, तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार पार्थ हजारी को हाल ही में एक मतदाता के घर की रसोई में देखा गया, जहां गैस खत्म होने की जानकारी मिलने पर उन्होंने पारंपरिक मिट्टी के चूल्हे पर रोटियां बनाईं. इस तरह जनता से जुड़ने के साथ ही उन्होंने राजनीतिक संदेश भी दिया कि लोगों को रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत का भी सामना करना पड़ रहा है. पार्थ हजारी ने मुस्कुराते हुए कहा, मैंने पहले भी रोटियां बनाई हैं, इसलिए मुझे थोड़ी बहुत जानकारी है. गैस सिलेंडर न मिलने के कारण कई परिवार मुश्किल में हैं. मैंने तो बस मदद करने की कोशिश की. वोट मांगते हुए रोटियां बेलने की उम्मीदवार की तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई.बीरभूम में भाजपा के एक उम्मीदवार को नाई की दुकान पर दाढ़ी बनाते देखा गया. दुबराजपुर में, मौजूदा विधायक अनूप साहा ने चुनाव प्रचार के दौरान सड़क किनारे एक नाई को काम करते हुए देखकर कुछ देर के लिए प्रचार से विराम ले लिया. कुछ ही देर बाद, भाजपा उम्मीदवार हाथ में रेजर लिए एक आदमी की दाढ़ी बनाते नजर आये. उनका यह कदम जनता से सीधे जुड़ने का प्रयास रहा.

झाड़ग्राम में गोपीबल्लभपुर सीट से भाजपा के उम्मीदवार राजेश महतो ने जनता से जुड़ने का एक अलग तरीका अपनाया. 'हरि नाम संकीर्तन' के साथ अपने प्रचार अभियान की शुरुआत करते हुए, महतो ने ग्रामीणों के साथ भक्तिमय भजनों में भाग लिया और सभा के दौरान गुलाल भी खेला, जिसके बाद वे घर-घर जाकर प्रचार करने निकले. यहां तक कि वामपंथी दल भी सार्वजनिक भागीदारी के इस नए प्रारूप के अनुकूल ढलते नजर आ रहे हैं.

पानीहाटी में, माकपा के युवा उम्मीदवार कल्टन दासगुप्ता ने चैतन्य महाप्रभु को समर्पित महोत्सवतला घाट मंदिर में प्रार्थना के साथ अपना प्रचार अभियान शुरू किया. यह एक ऐसा दृश्य है जिसकी कल्पना वाम मोर्चे के उस तीन दशक के शासनकाल के दौरान लगभग असंभव होती, जब वामपंथियों ने एक कठोर धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक पहचान को प्रदर्शित किया था.

हावड़ा के बाली विधानसभा क्षेत्र में एक दुर्लभ नजारा दिखा. चुनाव प्रचार के दौरान बजरंग बली मंदिर परिसर में टीएमसी प्रत्याशी कैलाश मिश्रा और भाजपा प्रत्याशी संजय सिंह का आमना-सामना हो गया. कड़वाहट की बजाय यहां शिष्टाचार दिखा. कैलाश मिश्रा ने बड़े भाई की तरह संजय सिंह को झुककर प्रणाम किया, तो भाजपा प्रत्याशी ने उन्हें गले लगा लिया. दोनों ने कुछ देर बातचीत की और मुस्कराते हुए अपने-अपने रास्ते निकल गये.

भाजपा उम्मीदवार ने मछली लेकर किया प्रचार

कोलकाता: भाजपा के एक उम्मीदवार ने रविवार को मछली साथ में लेकर अपना प्रचार किया, जो बंगाली आहार का एक नियमित हिस्सा है. उनका मकसद राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के इस दावे का खंडन करना था कि पश्चिम बंगाल में सत्ता में आने पर भाजपा मांसाहारी भोजन पर प्रतिबंध लगा देगी. बिधाननगर सीट से उम्मीदवार डॉ. शरदवत मुखोपाध्याय का अनोखा प्रचार अभियान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया. वह बिधाननगर में मतदाताओं से बातचीत के दौरान एक बड़ी 'कतला' मछली लिए दिखे.मुखोपाध्याय ने तृणमूल कांग्रेस के दावे को दुष्प्रचार कहकर खारिज किया. उन्होंने कहा, हमारे खिलाफ झूठ फैलाया जा रहा है. हम अपनी पसंद के अनुसार मछली, मटन और चिकन खाएंगे. मैं आज यह मछली लेकर आया हूँ, जो बंगाली शादी के दिन दुल्हन के घर से दूल्हे के घर उपहार के रूप में भेजी जाती है.मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समेत कई तृणमूल नेता लगातार आरोप लगाते रहे हैं कि भाजपा सत्ता में आने पर बंगाल की आहार संस्कृति में दखलंदाजी करने का इरादा रखती है. वे बिहार और गुजरात जैसे राजग शासित कुछ राज्यों में, विशेष रूप से कुछ त्योहारों के दौरान, मछली और मांस की बिक्री को लेकर गई कार्रवाई का हवाला देते हैं.

दिलीप घोष का दावा : भाजपा ही रोक सकती है घुसपैठ

खड़गपुर : दिलीप घोष ने रविवार को खड़गपुर में स्वामी प्रणवानंद के 131वें पुण्य आविर्भाव के अवसर पर भारत सेवाश्रम संघ द्वारा आयोजित वार्षिक महोत्सव में शिरकत कर जनसभा को संबोधित किया. इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की उपस्थिति देखी गई, जहां घोष ने अपने संबोधन में राज्य में मुख्य मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया.
सुबह से ही खड़गपुर में सभा को संबोधित करते हुए घोष ने राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के उस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'घुसपैठिया' कहा. घोष ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि पिछले दो दशकों में अवैध वोट बैंक तैयार कर राजनीति की गई है,जबकि आम जनता के अधिकार, सुरक्षा और भविष्य की अनदेखी की गई.उन्होंने आरोप लगाया कि केवल वोट बढ़ाने की राजनीति के कारण राज्य की स्थिति प्रभावित हुई है.
घोष ने कहा कि बंगाल की जनता अब सब समझ रही है और परिवर्तन के पक्ष में खड़ी है.
उन्होंने दावा किया कि भाजपा ही घुसपैठ रोककर राज्य की सुरक्षा और हितों की रक्षा कर सकती है.

उम्मीदवार बदलने की मांग पर आदिवासी चाय मजदूरों का सड़क जाम

सिलीगुड़ी : सिलीगुड़ी महकमा के फांसीदेवा विधानसभा क्षेत्र में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार को बदलने की मांग को लेकर आदिवासी चाय मजदूरों ने जोरदार प्रदर्शन किया. गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने रविवार को सिलीगुड़ी-कोलकाता को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-27 को जाम कर दिया, जिससे यातायात प्रभावित हुआ.दरअसल, तृणमूल ने इस सीट से रीना टोप्पो एक्का को उम्मीदवार बनाया है, जो वर्तमान में पंचायत समिति की अध्यक्ष है. लेकिन स्थानीय आदिवासी चाय मजदूरों की मांग है कि उनकी जगह महकमा परिषद की सह-सभाधिपति रोमा रेशमी एक्का को उम्मीदवार बनाया जाए.प्रदर्शन कर रहे मजदूरों का कहना है कि वे तृणमूल का समर्थन करते है, लेकिन उनके क्षेत्र में रोमा रेशमी एक्का ने जमीनी स्तर पर काम किया है और लोगों के बीच उनकी पहचान है.वहीं, रीना टोप्पो एक्का को इलाके में ज्यादा लोग नहीं जानते है. मजदूरों ने चेतावनी दी कि अगर जल्द उम्मीदवार नहीं बदला गया, तो वे चुनाव में दूसरे विकल्प पर विचार करेंगे.वहीं, इस मुद्दे पर तृणमूल के फांसीदेवा विधानसभा कोऑर्डिनेटर काजल घोष ने कहा कि पार्टी ने सोच-समझकर उम्मीदवार का चयन किया है और सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी के फैसले का सम्मान करना चाहिए. उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग पार्टी हितों के खिलाफ जाकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं.

टिकट विवाद से पांशकुड़ा में सियासी हलचल, सौमेंन महापात्र की नाराज़गी सामने आई

पूर्व मेदिनीपुर : पांशकुड़ा में विधानसभा चुनाव से पहले टिकट नहीं मिलने पर तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री सौमेंन महापात्र ने खुलकर नाराज़गी जताई. उन्होंने कहा कि अब वे खुद को लगभग पूर्व विधायक मान रहे हैं और उनका परिवार भी अब पूर्व जनप्रतिनिधियों की सूची में आ रहा है.रविवार सुबह सौमेंन महापात्र ने मीडिया से बातचीत में कहा कि अगर पार्टी उन्हें बुलाती है तो वे प्रचार के लिए तैयार हैं, लेकिन अभी तक उन्हें कोई बुलावा नहीं आया है. उन्होंने संकेत दिया कि बिना बुलाए मैदान में उतरने पर परिणाम खराब होने की जिम्मेदारी उन पर आ सकती है.इसी बीच, पार्टी के पश्चिम पांशकुड़ा से उम्मीदवार सिराज खान ने स्थिति को संभालने के लिए पहल की. वे खुद सौमेंन महापात्र के घर पहुंचे और उनसे मुलाकात कर चुनाव प्रचार में सहयोग करने की अपील की.सौमेंन के बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में सवाल उठने लगा है कि क्या तृणमूल के भीतर असंतोष बढ़ रहा है और क्या इसका असर पांशकुड़ा और तमलुक इलाके के चुनावी समीकरणों पर पड़ सकता है.अब सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि क्या सौमेंन महापात्र अपनी नाराज़गी दूर कर पार्टी के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे या यह दूरी चुनावी रणनीति को नया मोड़ देगी.

न्यूज कॉर्नर

मालदा में चुनावी सरगर्मी के बीच पूर्व कांग्रेस विधायक की गाड़ी से पिस्तौल बरामद

मालदा:पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मालदा जिले में एक बड़ी घटना सामने आई है. पुलिस ने नाका चेकिंग के दौरान पूर्व कांग्रेस विधायक मुस्ताकिन आलम के रिश्तेदारों की गाड़ी से एक 7 एमएम (7ाा) पिस्तौल बरामद की है. इस मामले में पुलिस ने गाड़ी में सवार छह युवकों को गिरफ्तार किया है, जिससे इलाके में राजनीतिक तनाव बढ़ गया है.नाका चेकिंग के दौरान हुई कार्रवाईशनिवार शाम को पुराना मालदा के 12 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चेंचु मोड़ के पास मालदा थाना पुलिस नियमित नाका चेकिंग कर रही थी. इसी दौरान एक स्कॉर्पियो गाड़ी को रोककर तलाशी ली गई, तो गाड़ी की अगली डिक्की से लोडेड पिस्तौल बरामद हुई. पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए गाड़ी को जब्त कर लिया और उसमें सवार छह लोगों को हिरासत में ले लिया. गिरफ्तार युवक इंग्लिश बाजार के फूलबाड़ी और कमलाबाड़ी इलाके के रहने वाले बताए जा रहे हैं.कांग्रेस की सफाई: अनजाने में हुई गलतीइस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस के जिला कार्यकारी सदस्य मान्तु घोष ने कहा:बरामद हथियार पूरी तरह से वैध और लाइसेंसी है. यह पूर्व विधायक मुस्ताकिन आलम की निजी सुरक्षा के लिए है. ईद की व्यस्तता के कारण गलती से वह गाड़ी में ही छूट गया था. बाद में जब उनके रिश्तेदार गाड़ी लेकर निकले, तो उन्हें इस बारे में पता नहीं था. इसके पीछे कोई गलत मंशा नहीं है, इसे बेवजह राजनीतिक रंग दिया जा रहा है.टीएमसी ने उठाए सवालदूसरी ओर, सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस ने इस दलील को सिरे से खारिज कर दिया है. पुराना मालदा नगर पालिका के चेयरमैन विभूति घोष ने कहा:चुनाव के समय इस तरह हथियार का मिलना गंभीर सवाल खड़े करता है. यदि हथियार लाइसेंसी भी है, तो पूर्व विधायक की अनुपस्थिति में वह गाड़ी में क्या कर रहा था? यह नियमों का उल्लंघन है. पुलिस को इसकी निष्पक्ष जांच करनी चाहिए ताकि सच सामने आ सके.कानूनी प्रक्रिया जारीपुलिस प्रशासन ने बताया कि गिरफ्तार किए गए सभी छह आरोपियों को मालदा जिला अदालत में पेश किया गया है. पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि चुनाव आचार संहिता लागू होने के बावजूद हथियार को जमा क्यों नहीं कराया गया था और उसे सार्वजनिक रूप से ले जाने के पीछे वास्तविक उद्देश्य क्या था.

आसनसोल दक्षिण में माकपा को बड़ा झटका

आसनसोल :2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तारीखें जैसे-जैसे करीब आ रही हैं, दलबदल की राजनीति ने जोर पकड़ लिया है. इस बीच, आसनसोल दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के लिए एक बड़ी उत्साहजनक खबर सामने आई है. चुनाव प्रचार के दौरान माकपा (उझखच्) के कई सक्रिय कार्यकर्ताओं ने वामपंथी विचारधारा छोड़ भगवा झंडा थाम लिया है.अग्निमित्रा पॉल की मौजूदगी में हुआ दलबदलयह घटना उस समय हुई जब भाजपा उम्मीदवार अगमित्रा पॉल वार्ड नंबर 38 और 39 में सघन जनसंपर्क अभियान चला रही थीं. इसी दौरान, माकपा के पूर्व पार्षद और पूर्व बोरो चेयरमैन मतीष डोम के बेटे गोपाल बाद्य ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ अग्निमित्रा पॉल के हाथों भाजपा का झंडा थामा.भाजपा खेमे में उत्साह की लहरगोपाल बाद्यकर जैसे जमीनी पकड़ वाले युवा नेता के भाजपा में आने से पार्टी कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा गया. इस अवसर पर अग्निमित्रा पॉल ने कहा:लोग अब समझ चुके हैं कि बंगाल का विकास केवल भाजपा ही कर सकती है. माकपा के पुराने और निष्ठावान परिवारों का हमारे साथ जुड़ना इस बात का प्रमाण है कि जनता परिवर्तन के लिए तैयार है.राजनीतिक समीकरणों पर प्रभावराजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि एक स्थापित वामपंथी पृष्ठभूमि वाले परिवार का भाजपा में शामिल होना स्थानीय स्तर पर माकपा के वोट बैंक में बड़ी सेंध लगा सकता है. विशेष रूप से वार्ड 38 और 39 में भाजपा की स्थिति अब पहले से कहीं अधिक मजबूत नजर आ रही है.विपक्ष की चिंता बढ़ीचुनाव प्रचार के बीच हुए इस अचानक घटनाक्रम ने विपक्षी खेमे में हलचल तेज कर दी है. गोपाल बाद्यकर का कहना है कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास कार्यों और अग्निमित्रा पॉल के नेतृत्व से प्रभावित होकर इस दल में शामिल हुए हैं.

बानरहाट में तेंदुए का हमला, युवक घायल

जलपाईगुड़ी :जिले के बानरहाट इलाके में तेंदुए के हमले में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया. यह घटना कारबाला टी गार्डन के डिविजन लाइन इलाके में शनिवार रात हुई. घायल युवक की पहचान छोटू उरांव के रूप में हुई है.
स्थानीय सूत्रों के अनुसार, वह बागान के 14-एफ सेक्शन में मवेशी चरा रहा था. इसी दौरान झाड़ियों में छिपे तेंदुए ने अचानक उस पर हमला कर दिया. हमले में युवक के सिर और गर्दन पर गहरे घाव हुए है. उसकी चीख सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उसे तुरंत बागान अस्पताल ले जाया गया.
वन विभाग ने बताया कि सरकारी नियमों के तहत घायल युवक के इलाज का पूरा खर्च विभाग उठाएगा.

रिषड़ा में दीवार लेखन को लेकर भाजपा-तृणमूल कार्यकर्ताओं में झड़प

हुगली :हुगली जिले के रिषड़ा में रविवार को दीवार लेखन को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई, जिससे इलाके में कुछ देर के लिए तनाव का माहौल बन गया.
घटना रिषड़ा के 19 नंबर वार्ड के ताड़ बागान इलाके की है, जहां एक दीवार पर कब्जे को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए.तृणमूल युवा कांग्रेस के नेता विशाल सिंह ने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी ने दीवार के मालिक से अनुमति लेकर उस पर सफेदी कराई थी और तृणमूल उम्मीदवार तन्मय घोष के प्रचार के लिए दीवार लेखन की तैयारी चल रही थी. इसी दौरान भाजपा के कुछ कार्यकर्ता वहां पहुंचे और दीवार पर भाजपा लिखने लगे.उन्होंने कहा कि जब तृणमूल के वार्ड सचिव हरेंद्र तिवारी और उन्होंने इसका विरोध किया, तो भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ तीखी बहस हो गई, जो बाद में धक्का-मुक्की में बदल गई.विशाल सिंह का आरोप है कि इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता सत्येंद्र सिंह ने उनके साथ मारपीट की.हालांकि, स्थानीय लोगों की मध्यस्थता के बाद स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया.सूचना मिलने पर श्रीरामपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया.
पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है.
इस संबंध में भाजपा के आरोपित नेता का पक्ष जानने के लिए उनसे संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनका जवाब नहीं मिल सका.

जमीन विवाद में महिला की पीट-पीटकर हत्या का आरोप, इलाके में सनसनी

मुर्शिदाबाद : जिले के डोमकल इलाके में जमीन विवाद को लेकर एक महिला की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दिए जाने का मामला सामने आया है, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई है. मृत महिला की पहचान पारविना खातून के रूप में हुई है, जो जलंगी के फरिदपुर की रहने वाली थी. वह डोमकल निवासी होबी मंडल की तीसरी पत्नी थी.बताया गया है कि करीब दो साल पहले दोनों की शादी हुई थी और शादी की शर्त के तौर पर पारविना के नाम दो कट्ठा जमीन लिखी गई थी.मृत महिला के परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से ही पति और ससुराल वाले उस जमीन को वापस लेने के लिए दबाव बना रहे थे. जमीन लौटाने से इनकार करने पर पारविना को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था.परिजनों का आरोप है कि इसी विवाद के चलते रविवार को पारविना की बेरहमी से पिटाई की गई, जिससे उसकी मौत हो गई.
मृत महिला की भाभी रोजिना बीबी ने बताया कि जमीन को लेकर उस पर लंबे समय से अत्याचार हो रहा था. वहीं, मृत महिला के भाई बापी मंडल ने कहा कि पारविना ने फोन पर उन्हें प्रताड़ना की जानकारी दी थी और ईद के बाद इस मामले को सुलझाने की योजना थी.
दूसरी ओर, आरोपित होबी मंडल ने दावा किया है कि उसके मानसिक रूप से अस्वस्थ बेटे यामिन मंडल ने लकड़ी के डंडे से हमला कर दिया, जिससे पारविना की मौत हुई.पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है और पूरे मामले की जांच जारी है.घोड़ामार पंचायत के प्रधान प्रतिनिधि सौरभ हुसैन ने बताया कि आरोपित युवक मानसिक रूप से अस्थिर है और पहले भी कई बार आक्रामक व्यवहार कर चुका है. उन्होंने कहा कि घटना के समय पारविना नमाज अदा कर रही थीं, तभी अचानक उस पर हमला किया गया.
बाद में ग्रामीणों ने आरोपित को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया.पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है.

मुर्शिदाबाद: चुनाव से पहले लालगोला में कांग्रेस को बड़ा झटका

लालग़ोला (मुर्शिदाबाद) :पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले मुर्शिदाबाद जिले के लालगोला में राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं. रविवार को कांग्रेस को एक बड़ा झटका देते हुए पंचायत समिति के कई प्रमुख पदाधिकारियों और प्रभावशाली नेताओं ने 'हाथ' का साथ छोड़कर तृणमूल कांग्रेस का दामन थाम लिया. इस सामूहिक दलबदल से क्षेत्र की राजनीति में खलबली मच गई है.पंचायत समिति के दिग्गजों ने बदला पालारविवार को लालगोला में आयोजित एक विशेष सांगठनिक कार्यक्रम के दौरान आधिकारिक रूप से तृणमूल कांग्रेस का झंडा थामने वालों में प्रमुख नाम शामिल हैं:लक्ष्मी सरकार: अध्यक्ष, लालगोला पंचायत समिति.हुमायूँ कबीर: शिक्षा कर्माध्यक्ष (पंचायत समिति). अजीनूर बीबी एवं नज़रूल इस्लाम: कर्माध्यक्ष.शुकतारा बीबी एवं एलिजा बीबी: पंचायत समिति सदस्य.इनके साथ ही कांग्रेस के कई जमीनी कार्यकर्ता भी औपचारिक रूप से सत्तारूढ़ दल में शामिल हो गए.सांसद और विधायक ने किया स्वागतजंगीपुर के सांसद खलीलुर रहमान ने नए सदस्यों को पार्टी का झंडा सौंपकर उनका स्वागत किया. इस अवसर पर जंगीपुर के विधायक जाकिर हुसैन और लालगोला विधानसभा क्षेत्र से टीएमसी उम्मीदवार डॉ. अब्दुल अजीज भी उपस्थित थे. पार्टी नेतृत्व ने भरोसा जताया कि इन अनुभवी नेताओं के आने से लालगोला में तृणमूल कांग्रेस का संगठन और अधिक मजबूत होगा. विकास की राजनीति से हुए प्रेरितपार्टी में शामिल होने के बाद नए सदस्यों ने कहा कि वे मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की जनहितकारी योजनाओं और राज्य में हो रहे विकास कार्यों से प्रभावित होकर यह कदम उठा रहे हैं. उनका मानना है कि इलाके की वास्तविक उन्नति और लोगों की सेवा केवल तृणमूल कांग्रेस के साथ रहकर ही संभव है.राजनीतिक प्रभावराजनीतिक जानकारों का मानना है कि पंचायत समिति के शीर्ष नेतृत्व का इस तरह जाना कांग्रेस के लिए मुर्शिदाबाद के इस गढ़ में बड़ी क्षति है.
चुनाव के ठीक पहले हुए इस फेरबदल का असर आने वाले मतदान के परिणामों पर स्पष्ट रूप से देखने को मिल सकता है.

मालदा में बीएलओ की असामयिक मौत, इलाके में शोक

मालदा : जिले में एक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की अचानक मौत हो गई. मृतक की पहचान उत्पल थोकदार (54) के रूप में हुई है, जो पेशे से शिक्षक थे. जानकारी के अनुसार, वह चांचल-2 ब्लॉक के चंद्रपाड़ा ग्राम पंचायत के नदापाड़ा इलाके के 93 नंबर बूथ में बीएलओ के रूप में कार्यरत थे.सूत्रों के अनुसार, शनिवार रात उत्पल थोकदार को अचानक सीने में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें चंचल सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां देर रात मौत हो गई.मृतक की पत्नी शुभ्रा थोकदार ने आरोप लगाया उन्होंने सरकार से आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग की है. उनकी असामयिक मृत्यु से पूरे इलाके में शोक का माहौल है,

बूथ जाम और वोट रिगिंग बर्दाश्त नहीं : भांगड़ थाने में पुलिस को कोलकाता पुलिस आयुक्त के निर्देश

हुगली : आगामी चुनाव को लेकर तैयारियों के बीच कोलकाता पुलिस आयुक्त अजय नन्द ने स्पष्ट किया है कि बूथ जाम, वोट रिगिंग या कैप्चरिंग की किसी भी शिकायत को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.
रविवार को भांगड़ थाने के निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुलिस कर्मियों के साथ बैठक कर चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि सभी अधिकारियों और कर्मियों को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करना होगा.पत्रकारों से बातचीत में अजय नन्द ने कहा कि शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए कोलकाता पुलिस पूरी तरह तैयार है. विभिन्न इलाकों में नाकाबंदी और तलाशी अभियान चलाया जा रहा है तथा केंद्रीय बलों के साथ संयुक्त गश्त भी जारी है. उन्होंने बताया कि चुनाव से पहले और केंद्रीय बलों की तैनाती की जाएगी.इसी क्रम में प्रेसिडेंसी रेंज के डीआईजी कंकर प्रसाद बारुई ने भी दक्षिणी उपनगरों के तीन थानों-नरेंद्रपुर, सोनारपुर और बारुईपुर-का दौरा कर तैयारियों की समीक्षा की. उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा व्यवस्था और चुनावी तैयारियों का जायजा लिया.इन क्षेत्रों में ग्रामीण इलाकों के कई मतदान केंद्र होने के कारण सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष योजना बनाई जा रही है. पुलिस अधिकारियों ने बूथों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे इंतजामों की विस्तृत जानकारी दी.कंकर प्रसाद बारुई ने कहा कि चुनाव की घोषणा के बाद से सभी तैयारियों की समीक्षा की जा रही है और मतदान प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए आवश्यक कदमों पर चर्चा हुई है. उन्होंने अधिकारियों से लेकर होमगार्ड तक सभी को पूरी तरह तैयार रहने का निर्देश दिया.उन्होंने कहा कि उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि चुनाव पूरी तरह निष्पक्ष, स्वतंत्र और भयमुक्त वातावरण में संपन्न हो तथा चुनाव आयोग के सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाए.

पारिवारिक विवाद में पति ने पत्नी की हत्या की, बचाने आई भाभी पर हमला

नदिया : जिले के शिमुराली इलाके में रविवार को पारिवारिक विवाद के चलते एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी पत्नी की धारदार हथियार से हत्या कर दी. इस दौरान बीच-बचाव करने आई अपनी भाभी पर भी उसने हमला कर दिया. पुलिस ने आरोपित को हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है.मृत महिला की पहचान तितु विश्वास (27) के रूप में हुई है, जिनकी शादी करीब दस साल पहले शिमुराली निवासी अहींद्र विश्वास से हुई थी. दंपति की एक आठ-नौ साल की बेटी भी है.मिली जानकारी के अनुसार, अहींद्र पेशे से झोलाछाप चिकित्सक है और पति-पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था. रविवार सुबह यह विवाद अचानक बढ़ गया. आरोपित बाजार से लौटने के बाद फिर से पत्नी के साथ झगड़े में उलझ गया, जिसके बाद उसने कथित तौर पर इस वारदात को अंजाम दिया.मृत महिला की मां असीमा सरकार ने आरोप लगाया कि उनके दामाद ने उनकी बेटी की हत्या की है और वे इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराएंगी.
वहीं, मृत महिला के पिता ने भी कहा कि दामाद उनकी बेटी को परिवार से बात करने नहीं देता था और इसी को लेकर अक्सर झगड़े होते थे.आरोपित की भाभी अर्पणा विश्वास ने बताया कि चीख सुनकर जब वह मौके पर पहुंचीं तो आरोपित ने उन पर भी धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गईं.घटना के बाद आरोपित फरार हो गया था, लेकिन पुलिस ने तलाशी अभियान चलाकर उसे पकड़ लिया. पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है.

उत्तरपाड़ा में तृणमूल के कर्मी सम्मेलन में नामों को लेकर विवाद, पार्षद ने जताई नाराजगी

हुगली : जिले के उत्तरपाड़ा में तृणमूल कांग्रेस के एक कर्मी सम्मेलन के दौरान मंच से कुछ नेताओं के नाम नहीं लिए जाने को लेकर रविवार को विवाद खड़ा हो गया, जिससे पार्टी के अंदरूनी मतभेद उजागर हो गए.रविवार को उत्तरपाड़ा के बलाका मैदान में तृणमूल उम्मीदवार शीर्षण्य बनर्जी के समर्थन में आयोजित इस सम्मेलन में स्थानीय कार्यकर्ताओं और जिला नेतृत्व को आमंत्रित किया गया था. कार्यक्रम में श्रीरामपुर के सांसद कल्याण बनर्जी भी मौजूद थे.उत्तरपाड़ा नगरपालिका के तृणमूल पार्षद तापस मुखर्जी ने आरोप लगाया कि सम्मेलन में चुनिंदा नेताओं के नाम ही मंच से लिए गए, जबकि कई महत्वपूर्ण पदाधिकारियों को नजरअंदाज कर दिया गया.उन्होंने कहा कि युवा तृणमूल कांग्रेस के राज्य सचिव शुभदीप मुखर्जी कार्यक्रम में मौजूद थे, लेकिन उन्हें मंच पर नहीं बुलाया गया और उनका नाम भी नहीं लिया गया. इसी तरह तृणमूल छात्र परिषद के अध्यक्ष को भी मंच पर नहीं बुलाया गया.पार्षद ने आरोप लगाया कि भले ही पार्टी नेतृत्व एकजुटता का संदेश देता है, लेकिन व्यवहार में इसका पालन नहीं किया जा रहा है.तापस मुखर्जी ने कहा कि यह बेहद आपत्तिजनक है. जिस इलाके में सम्मेलन होता है, वहां के स्थानीय प्रतिनिधियों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए. पार्षदों के नाम नहीं लेना एक बात है, लेकिन पदाधिकारियों के नाम तक नहीं लेना स्वीकार्य नहीं है. जब कुछ नेताओं को बोलने का मौका दिया गया, तो बाकी को भी दिया जाना चाहिए था.इस घटना के बाद स्थानीय स्तर पर तृणमूल कांग्रेस के भीतर असंतोष की चर्चा तेज हो गई है.

लालगोला पंचायत पर तृणमूल का कब्जा, कांग्रेस को झटका

मुर्शिदाबाद : जिले के लालगोला में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है. कांग्रेस संचालित पंचायत समिति के कई सदस्य पार्टी छोड़कर तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए हैं. सोमवार को दो और सदस्यों के तृणमूल में शामिल होने की संभावना है. इसके चलते पंचायत बोर्ड कांग्रेस के हाथ से निकल गया.रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम में लालगोला पंचायत समिति की अध्यक्ष लक्ष्मी सरकार ने तृणमूल का दामन थाम लिया. उनके साथ पंचायत समिति के तीन कार्याध्यक्ष हुमायूं कबीर, आजिनुर बीबी और नजरुल इस्लाम ने भी पार्टी बदली. इसके अलावा समिति की सदस्य शुक्तारा बीबी, एलिजा बीबी समेत कुल छह नेता और कार्यकर्ता कांग्रेस छोड़कर तृणमूल में शामिल हुए.लालगोला पंचायत समिति में कुल 36 सीटें हैं. इनमें 22 सीटें कांग्रेस, 12 तृणमूल, एक भाजपा और एक निर्दलीय के पास थीं. अब रविवार को तृणमूल की सीटें बढ़कर 18 हो गईं, जबकि कांग्रेस घटकर 16 पर आ गई. इस बदलाव के साथ ही पंचायत समिति पर तृणमूल का नियंत्रण स्थापित हो गया.

सिलीगुड़ी में भाजपा-तृणमूल आमने-सामने, चुनावी प्रचार के दौरान तीखी बहस

सिलीगुड़ी : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे है, उत्तर बंगाल में राजनीतिक तापमान तेजी से बढ़ता जा रहा है. इसी कड़ी में सिलीगुड़ी नगर निगम के वार्ड नंबर 44 के दशरथपल्ली इलाके में चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा उम्मीदवार शिखा चटर्जी और तृणमूल कांग्रेस की पार्षद व बोरो चेयरमैन प्रीतिकणा विश्वास के बीच तीखी बहस हो गई. शुरुआत भले ही सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई, लेकिन बातचीत जल्द ही देशभक्ति, सीमा सुरक्षा और हिंदुत्व जैसे मुद्दों पर गरमा गई.प्रचार के दौरान शिखा चटर्जी ने कहा कि देश सबसे पहले है. बांग्लादेश सीमा से खतरा बना हुआ है. वहां कुछ जगहों पर जमात की जीत हुई है, जिससे देश में घुसपैठ और अत्याचार की आशंका है.इस पर पलटवार करते हुए प्रीतिकणा विश्वास ने कहा कि सीमा की सुरक्षा केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है. यह काम आपका है, लेकिन आप राज्य सरकार और ममता बनर्जी पर आरोप लगा रही है.कांटेदार तार (फेंसिंग) को लेकर भी विवाद बढ़ गया.भाजपा समर्थकों का आरोप था कि केंद्र सरकार फंड दे रही है, लेकिन राज्य सरकार जमीन उपलब्ध नहीं करा रही, जिससे काम अटका हुआ है. वहीं तृणमूल का कहना था कि सीमा सुरक्षा पूरी तरह केंद्र का विषय है.
बहस के दौरान हिंदुत्व और रोहिंग्या मुद्दा भी सामने आया. शिखा ने देश बचाने की लड़ाई की बात कही, तो प्रीतिकणा ने जवाब देते हुए कहा कि हिंदुत्व के नाम पर लोगों को गुमराह किया जा रहा है.स्थानीय लोगों ने इस पूरे घटनाक्रम को दो नेताओं के बीच जोरदार टक्कर के रूप में देखा.तृणमूल की ओर से दावा किया गया कि ममता बनर्जी, गौतम देव और रंजन शीलशर्मा भारी मतों से जीत दर्ज करेंगे. वहीं भाजपा उम्मीदवार शिखा चटर्जी ने इसे देश को बचाने की लड़ाई बताया.

ममता के गढ़ भवानीपुर में सियासी घमासान

पोस्टर फाड़े जाने पर बवाल, टीएमसी-बीजेपी आमने-सामने

कालीघाट पुलिस स्टेशन में परस्पर शिकायतें दर्ज की गईं

कोलकाता: बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्वाचन क्षेत्र व राज्य की सबसे हाईप्रोफाइल सीट भवानीपुर में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी भाजपा के बीच पोस्टर वार शुरू हो गया है. पोस्टर फाड़े जाने के आरोपों को लेकर तृणमूल और भाजपा दोनों ने कालीघाट पुलिस स्टेशन में एक दूसरे के खिलाफ शिकायतें दर्ज कराई हैं. भवानीपुर में शनिवार को तृणमूल कांग्रेस के पोस्टर फाड़े जाने के आरोपों को लेकर तनाव का माहौल छा गया. सत्ताधारी पार्टी ने इस घटना के पीछे भाजपा का हाथ होने का आरोप लगाया है. हालांकि, भाजपा ने कहा कि यह घटना तृणमूल कांग्रेस के भीतर की गुटबाजी का नतीजा है. इस घटना के संबंध में दोनों दलों ने थाने में अलग-अलग शिकायतें दर्ज कराई हैं. पुलिस के अनुसार, विधानसभा चुनाव की तैयारियों के तहत भवानीपुर के विभिन्न इलाकों में तृणमूल कांग्रेस के पोस्टर लगाए गए थे. हालांकि, शनिवार दोपहर को चक्रबेरिया रोड के पास इन पोस्टरों को फाड़ने के आरोप भाजपा पर लगे. इसके बाद, कोलकाता नगर निगम (केएमसी) पार्षद असीम बसु के नेतृत्व में स्थानीय तृणमूल कार्यकर्ताओं ने भवानीपुर पुलिस स्टेशन के सामने विरोध प्रदर्शन किया. बाद में, उन्होंने कई भाजपा कार्यकर्ताओं के नाम लेकर लिखित शिकायत दर्ज कराई. असीम बसु ने कहा कि हमने सभी आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने के बाद ये बैनर और पोस्टर लगाए थे. बाद में हमें पता चला कि कुछ लोगों ने इन्हें फाड़ दिया है. हमने तुरंत पुलिस को सूचना दी. पुलिस हमसे पहले ही घटनास्थल पर पहुंच गई.

उनके अनुसार, जब हम मौके पर पहुंचे, तो हमने पाया कि न केवल 'भाजपा का बहिष्कार करो' वाले पोस्टर फाड़े गए थे, बल्कि उन्होंने मुख्यमंत्री की जीत सुनिश्चित करने के लिए लगाए गए होर्डिंग्स और बैनर भी नष्ट कर दिए थे. इससे पहले शनिवार सुबह भाजपा ने भी इसी तरह का आरोप लगाया था. भाजपा का दावा है कि तृणमूल समर्थकों ने विपक्ष के नेता व भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी की तस्वीरें वाले बैनर और पोस्टर फाड़ दिए थे. हालांकि तृणमूल ने आरोपों को खारिज किया. बताते चलें कि भवानीपुर इस बार राज्य की सबसे हाट सीट बन गई है. भाजपा ने नंदीग्राम के अलावा इस बार भवानीपुर से भी विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी को अपना उम्मीदवार बनाया है. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी सोमवार को भवानीपुर से ही अपना चुनाव प्रचार शुरू करेंगी. अब देखना यह है कि इस निर्वाचन क्षेत्र में राजनीतिक मुकाबला किस तरह आगे बढ़ता है.

मतदान में बूथ जाम व धांधली नहीं होगी बर्दाश्त: पुलिस कमिश्नर

कोलकाता: महानगर कोलकाता के नए पुलिस कमिश्नर अजय नंदा ने रविवार को कई थानों का निरीक्षण किया व कहा कि मतदान के दौरान बूथ जाम, धांधली और कब्जा करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी. भांगड़ पुलिस थाने के दौरे के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ऐसे किसी भी आरोपों पर सख्ती से निपटा जाएगा और सभी पुलिस कर्मियों को चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित दिशा निर्देशों का पालन करना होगा. चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद सुरक्षा तैयारियों को और सख्त करते हुए पुलिस कमिश्नर के इस दौरे को काफी अहम माना जा रहा है.पुलिस अधिकारियों के अनुसार, चुनाव आयोग राज्य भर में कानून व्यवस्था की स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है, जिसके चलते वरिष्ठ पुलिस अधिकारी पुलिस थानों का निरीक्षण कर रहे हैं और सुरक्षा उपायों की समीक्षा कर रहे हैं. बाद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुलिस कमिश्नर अजय नंदा ने कहा कि कोलकाता पुलिस शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार है. उन्होंने बताया कि कई इलाकों में चेकपॉइंट और वाहनों की तलाशी ली जा रही है और केंद्रीय बलों के साथ संयुक्त गश्त बढ़ा दी गई है. उन्होंने यह भी पुष्टि की कि मतदान से पहले राज्य में अतिरिक्त केंद्रीय बलों के पहुंचने की उम्मीद है. इसी बीच, प्रेसिडेंसी रेंज के डीआईजी कंकर प्रसाद बरुई ने चुनाव तैयारियों की समीक्षा के लिए दक्षिणी उपनगरों के कई पुलिस थानों का दौरा किया. उन्होंने दक्षिण 24 परगना के नरेंद्रपुर, सोनारपुर और बरुईपुर पुलिस थानों का निरीक्षण किया और सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों के साथ बैठकें कीं. बरुई ने कहा कि निरीक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर होम गार्ड तक सभी अधिकारी पूरी तरह तैयार रहें ताकि चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार निष्पक्ष और भयमुक्त तरीके से चुनाव कराए जा सकें.

पुलिस कल्याण समिति पर पाबंदी व कार्यालय सील करने की मांग

बैनर के जरिये डीए की किश्त देने के फैसले का प्रचार का आरोप

कोलकाता: भाजपा नेता शिशिर बजोरिया ने पश्चिम बंगाल में निर्वाचन आयोग के सीईओ को पत्र लिखकर सरकारी घोषणा के प्रचार के लिए पुलिस कल्याण समिति के बैनर के उपयोग पर आपत्ति जतायी है. पत्र में पश्चिम बंगाल पुलिस कल्याण समिति के एक बैनर में सीएम ममता द्वारा हाल ही में महंगाई भत्ते के बकाये की किश्त देने का प्रचार किया जा रहा है. प्रसारित किया जा रहा यह बैनर एक पुलिस कल्याण समिति के नाम और मंच का उपयोग करके सरकारी निर्णय की प्रशंसा और उसका प्रचार करता है. यह पुलिस बल और उससे जुड़े संगठनों की तटस्थता और गैर-पक्षपाती चरित्र पर गंभीर सवाल खड़े करता है. पत्र में सीईओ का ध्यान 9 मार्च को भारत निर्वाचन आयोग की पूर्ण पीठ के समक्ष हमारी पार्टी द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रतिवेदन की ओर दिलाया गया है. पत्र में मांग की गयी है कि पश्चिम बंगाल पुलिस कल्याण संगठन पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए और इसके सभी कार्यालयों/ कार्य क्षेत्रों को सील किया जाना चाहिए. यह संगठन तृणमूल कांग्रेस का एक अग्रगामी संगठन है जो अवैध आदेश जारी करता है और पुलिस कर्मियों को अपने मतपत्र इन अधिकारियों को सौंपने के लिए मजबूर करता है.

मेडिकल कॉलेजों में बदहाली के खिलाफ एबीवीपी का हल्ला बोल

आरजी कर कांड और प्रशासनिक लापरवाही पर जोरदार विरोध प्रदर्शन

एबीवीपी की प्रमुख मांगें

आरजी कर घटना की निष्पक्ष जांच: दोषी अधिकारियों और स्थानीय नेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए.

अस्पतालों में सुरक्षा: मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित हो.

प्रशासनिक जवाबदेही: राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों में पारदर्शिता और बेहतर प्रबंधन लागू किया जाए.

भ्रष्टाचार मुक्त स्वास्थ्य सेवा: रेफरल सिंडिकेट और दवाओं की कालाबाजारी पर तुरंत लगाम लगे.

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के स्वास्थ्य ढांचे और मेडिकल कॉलेजों की कथित बदहाली के खिलाफ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने रविवार को राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किया. मुख्य रूप से आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में हुई हालिया घटना और वहां की प्रशासनिक विफलता को लेकर कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की और स्वास्थ्य विभाग का पुतला फूंका. आरजी कर कांड ने सुलगाई विरोध की चिंगारीआरजी कर मेडिकल कॉलेज में मरीज की मौत और उसके बाद सामने आई कथित प्रशासनिक लापरवाही को मुद्दा बनाते हुए एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने अस्पताल परिसर और स्वास्थ्य भवन के बाहर धरना दिया. प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि आरजी कर अस्पताल अब भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन का अड्डा बन चुका है, जहाँ आम आदमी को इलाज के बजाय केवल परेशानी मिल रही है.प्रशासनिक लापरवाही पर तीखा प्रहारप्रदर्शन के दौरान -इतझ के प्रदेश नेतृत्व ने राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग पर हमला बोलते हुए कहा:आरजी कर की घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि बंगाल के हर मेडिकल कॉलेज की यही कहानी है. बुनियादी सुविधाओं का अभाव, डॉक्टरों की कमी और तृणमूल समर्थित सिंडिकेट राज ने राज्य की चिकित्सा व्यवस्था को आईसीयू में पहुँचा दिया है. हम छात्रों और मरीजों के अधिकारों के लिए यह लड़ाई जारी रखेंगे. कोलकाता और जिला मुख्यालयों में हुए इन प्रदर्शनों के दौरान कई जगहों पर पुलिस और एबीवीपी कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की भी हुई. पुलिस ने सुरक्षा के लिहाज से कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया, लेकिन कार्यकर्ताओं का कहना है कि जब तक स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार नहीं होता, उनका आंदोलन नहीं थमेगा. इस विरोध प्रदर्शन ने राज्य के स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर गंभीर सवालिया निशान लगा दिए हैं.

छह साल के लंबे इंतजार के बाद कलकत्ता विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह होगा आयोजित

कोलकाता: छह साल के लंबे अंतराल के बाद कलकत्ता विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह का माहौल फिर से जीवंत होने जा रहा है. विश्वविद्यालय सूत्रों के अनुसार, राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर आचार संहिता जारी होने के बावजूद, चुनाव आयोग से विशेष अनुमति प्राप्त कर ली गई है. परिणामस्वरूप, यह बहुप्रतीक्षित समारोह आयोजित किया जाएगा. दीक्षांत समारोह आज, सोमवार, 23 मार्च को विश्वविद्यालय के कॉलेज स्ट्रीट परिसर के शताब्दी हॉल में आयोजित किया जाएगा. पहले समारोह दोपहर 12:30 बजे शुरू होने वाला था. हालांकि, बाद में कार्यक्रम में कुछ बदलाव किए गए. अब यह तय किया गया है कि दीक्षांत समारोह सुबह 11 बजे शुरू होगा. इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति आशुतोष घोष ने कहा कि दीक्षांत समारोह निर्धारित दिन पर ही आयोजित किया जा रहा है. चुनाव आयोग से अनुमति मांगी गई थी और उन्होंने सहमति दे दी है. कुलपति के अनुसार, इस बार समारोह का प्रारंभ थोड़ा पहले कर दिया गया है क्योंकि कुलाधिपति और राज्यपाल छात्रों को पुरस्कार प्रदान करने के लिए उपस्थित रहेंगे. इस बार दीक्षांत समारोह में कुल 1106 शोधकर्ताओं को पीएचडी प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे. इसके अतिरिक्त, एक को डीएससी और दो को डीएल की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा. विश्वविद्यालय सूत्रों के अनुसार, इस बार दीक्षांत भाषण प्रोफेसर सुमन चक्रवर्ती देंगे. वे आईआईटी खड़गपुर के निदेशक हैं. इस वर्ष का डीएससी पुरस्कार प्रख्यात वैज्ञानिक और नालंदा विश्वविद्यालय के आचार्य विजय पांडुरंगा भक्तकर को दिया जा रहा है. वहीं, कवि रणजीत दास और शिक्षाविद फादर थॉमस को डी.एल. पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है. इसके अलावा दीक्षांत समारोह में कई पुरस्कार भी प्रदान किये जायेंगे. इनमें भुवनमोहिनी दासी पुरस्कार, जगततारिणी पुरस्कार और प्रफुल्ल चंद्र रॉय, रवीन्द्र टैगोर, स्वामी विवेकानन्द, आशुतोष मुखर्जी, सरोजिनी बोस और सर देबप्रसाद सरजाधारी के नाम पर स्थापित पुरस्कार शामिल हैं. मतदान की तारीख घोषित होते ही छात्रों में यह संदेह पैदा हो गया कि दीक्षांत समारोह होगा भी या नहीं. कई छात्रों को आशंका थी कि पिछले कुछ वर्षों की तरह इस बार भी दीक्षांत समारोह नहीं होगा. हालांकि, अंततः आयोग से अनुमति मिल गई. और इसलिए दीक्षांत समारोह हो रहा है. कुल मिलाकर, लंबे अंतराल के बाद, दीक्षांत समारोह को लेकर विश्वविद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल छा गया है! क्योंकि दीक्षांत समारोह के साथ परंपरा की वापसी हो रही है, उत्सव का वातावरण लौट रहा है.

आर जी कर लिफ्ट हादसा : जांचकर्ता सुरक्षा चूक समेत अन्य खामियों की जांच में जुटे

कोलकाता: पश्चिम बंगाल के आर जी कर अस्पताल की लिफ्ट में फंसकर एक व्यक्ति की मौत होने के मामले की पड़ताल कर रहे जांचकर्ता संभावित सुरक्षा चूक और मानवीय त्रुटि की जांच कर रहे हैं, जबकि रिकॉर्ड से पता चलता है कि लिफ्ट हाल ही में नियमित निरीक्षण में ठीक पायी गई थी. एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी. जांचकर्ता कई पहलुओं की जांच कर रहे हैं, जिनमें यह भी शामिल है कि क्या सुरक्षा प्रोटोकॉल के पालन में कोई चूक हुई, लिफ्ट रखरखाव एजेंसी को सूचित करने में कोई देरी हुई और क्या शुक्रवार की घटना के समय किसी ने लिफ्ट के 'मशीन रूम' में प्रवेश किया था? अधिकारी ने कहा, शुरुआती जांच से पता चलता है कि लिफ्ट इस महीने की शुरुआत में हुए निरीक्षण में ठीक पाई गई थी. हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या रखरखाव, निगरानी या प्रतिक्रिया में कोई चूक हुई थी जिसके कारण यह दुर्घटना हुई? उन्होंने कहा कि इस स्तर पर किसी भी आशंका को खारिज नहीं किया जा सकता है. अस्पताल के सूत्रों के अनुसार, हाल में लिफ्ट की 25 . 30 दिनों के निरीक्षण चक्र के हिस्से के रूप में एक मानक जांच की गई थी और कोई बड़ी खराबी नहीं पाई गई थी. यह घटना शुक्रवार तड़के घटी, जब अरूप बनर्जी अपने नाबालिग बेटे के इलाज के लिए आर जी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल आए थे और अपनी पत्नी और बच्चे के साथ लिफ्ट में दाखिल हुए थे. बताया जाता है कि लिफ्ट ऊपर की ओर चलने लगी और फिर अपने आप एक अंधेरे बेसमेंट की ओर गई. पुलिस ने बताया, दरवाजे खुलने के बाद परिवार ने बाहर निकलने की कोशिश की, लेकिन बाहरी ग्रिल दरवाजा बंद पाया. अरूप बनर्जी की पत्नी और बच्चा तो निकलने में कामयाब हो गए लेकिन बनर्जी लिफ्ट के दरवाजे में फंस गए. पुलिस को दिए अपने बयान में महिला ने आरोप लगाया कि लिफ्ट के दोबारा चलने पर उनके पति बाहर की एक दीवार से रगड़ खाते हुए लिफ्ट के साथ ऊपर की ओर खिंचते चले गए. उन्होंने दावा किया कि बार-बार गुहार लगाने के बावजूद कोई मदद नहीं मिली और दरवाजा नहीं खुला. कोलकाता स्थित सरकारी आरजी कर अस्पताल में हुई मौत के इस मामले में पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है जिसमें तीन लिफ्ट संचालक और दो सुरक्षाकर्मी शामिल हैं.

तृणमूल कांग्रेस ने असम विधानसभा चुनाव के लिये उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की

गुवाहाटी/कोलकाता: तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने रविवार को असम विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की अपनी दूसरी सूची की घोषणा की, जिसमें कांग्रेस विधायक शेरमन अली अहमद को मांडिया निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया गया है, जबकि पार्टी की राज्य इकाई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डुलू अहमद की उम्मीदवारी वापस ले ली गई. नवीनतम सूची में पार्टी के सात उम्मीदवारों के नाम हैं, जबकि पहली सूची में 11 उम्मीदवार थे. चमारिया निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार डुलू अहमद की उम्मीदवारी वापस लेने के बाद, टीएमसी ने अब तक 17 सीट के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा की है. शेरमन अली अहमद, जो पार्टी अनुशासन का बार-बार उल्लंघन करने के कारण विधायक के रूप में अपने वर्तमान कार्यकाल के अधिकांश समय तक कांग्रेस से निलंबित रहे, इस महीने की शुरुआत में एक अन्य विपक्षी पार्टी, रायजोर दल में शामिल हो गए थे. चूंकि, रायजोर दल अब कांग्रेस सहित छह दलों के विपक्षी गठबंधन का हिस्सा है, इसलिये शनिवार देर रात प्रकाशित अपनी अंतिम सूची में उसने अहमद को टिकट देने से इनकार कर दिया, जिसके बाद तीन बार के विधायक अहमद टीएमसी में शामिल हो गए और उन्हें मांडिया से तृणमूल कांग्रेस का उम्मीदवार बनाया गया है. दूसरी सूची में घोषित अन्य उम्मीदवारों में हाजो-सुआलकुची से रोजी अहमद, गुवाहाटी सेंट्रल से अभिजीत मजूमदार, चाबुआ-लाहोवाल से इनुस कुमार कंदन, मरियानी से परेश बोरा, करीमगंज उत्तर से परिमल रंजन रॉय और करीमगंज दक्षिण से अजीज अहमद खान शामिल हैं. दूसरी सूची में कहा गया है, पहली सूची (क्रम संख्या छह) में संशोधन - चमारिया विधानसभा क्षेत्र (एलएसी संख्या 27) से उम्मीदवारी वापस ले ली गई है. पहली सूची में घोषित पार्टी उम्मीदवारों में उदंगश्री नरज़ारी (कोकराझार), मोमिनुर इस्लाम (बिलासीपारा), कौशिक रंजन दास (अभयपुरी), कल्याणी कलिता (बजाली), राजन चौहान (गोरेश्वर), हरे कृष्ण डेका (मंगलदाई), फजीउर रहमान लस्कर (काटीगोरा) और शाहजहां लस्कर (सोनाई) शामिल हैं. असम विधानसभा की 126 सीट के लिए चुनाव नौ अप्रैल को होंगे. मतगणना चार मई को होगी.

श्री मैढ़ क्षत्रिय सभा की महिला समिति द्वारा गणगौर के पावन अवसर पर भव्य सिंधारा उत्सव का सफल आयोजन

युवा शक्ति न्यूज/कोलकाता : श्री मैढ़ क्षत्रिय सभा की महिला समिति द्वारा गणगौर के पावन अवसर पर समाज की समस्त बहू-बेटियों के लिए भव्य सिंधारा उत्सव का सफल आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ माँ गवरजा एवं भगवान शिवजी की पूजा-अर्चना के साथ अत्यंत श्रद्धा एवं भक्ति भाव से हुआ. इस पावन गणगौर महोत्सव में आपकी गरिमामयी उपस्थिति अत्यंत सराहनीय एवं प्रेरणादायक रही. कार्यक्रम के दौरान महिलाओं द्वारा प्रस्तुत मनमोहक राजस्थानी गीत एवं नृत्य ने सभी का मन मोह लिया. इस शुभ अवसर पर महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर ईसर-गौरा की प्रतिमाओं के साथ भाग लेकर परंपरा को जीवंत किया. उत्कृष्ट नृत्य प्रस्तुतियों हेतु श्री मैढ़ क्षत्रिय सभा, कोलकाता की ओर से चाँदी के सिक्के भेंट स्वरूप प्रदान किए गए. स्वर्णकार समाज, कोलकाता की महिलाओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने कार्यक्रम की शोभा को और भी बढ़ा दिया. आप सभी की उपस्थिति एवं सहभागिता हमारे लिए अत्यंत सौभाग्य का विषय है. हम आशा करते हैं कि आप भविष्य में भी इसी प्रकार सपरिवार समाज के प्रत्येक कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाकर कार्यक्रमों की शोभा बढ़ाते रहेंगे. श्री मैढ़ क्षत्रिय महिला समिति (अंतर्गत: श्री मैढ़ क्षत्रिय सभा, कोलकाता) संयोजक समिति :- सरोज सोनालिया, आशा सुगन्ध, सुनिता सुनालिया, पुनम सोनी, अध्यक्ष मीनाक्षी भामा, सचिवमंजू कुल्थिया, कोषाध्यक्ष बबीता बराडिया.

शशि पांजा का 'डोर-टू-डोर' जनसंपर्क, रविवार की सुबह गलियों में उतरीं टीएमसी नेत्री, सुनीं जनता की समस्याएं

कोलकाता: आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कोलकाता के श्यामपुकुर क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है. तृणमूल कांग्रेस की कद्दावर नेता और इस क्षेत्र की प्रत्याशी शशि पांजा ने रविवार की छुट्टी का उपयोग सघन जनसंपर्क के लिए किया. उन्होंने सुबह से ही इलाके की विभिन्न बस्तियों और मोहल्लों में घर-घर जाकर मतदाताओं से सीधा संवाद किया. शशि पांजा ने श्यामपुकुर की तंग गलियों से लेकर मुख्य रिहायशी इलाकों तक का पैदल दौरा किया. इस दौरान उन्होंने स्थानीय निवासियों के साथ बैठकर उनकी रोजमर्रा की समस्याओं को सुना. उन्होंने विशेष रूप से ड्रेनेज, पेयजल आपूर्ति और स्ट्रीट लाइट जैसी सुविधाओं पर फीडबैक लिया. पिछले कार्यकाल में हुए विकास कार्यों पर जनता की प्रतिक्रिया जानी एवं स्थानीय लोगों ने क्षेत्र के सौंदर्यीकरण और स्वास्थ्य सेवाओं में और सुधार की मांग उनके सामने रखी. अपनों के बीच शशि पांजा का एक घरेलू अंदाज देखने को मिला. उन्होंने बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया और महिलाओं के साथ क्षेत्र की बेहतरी पर चर्चा की. पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जनसंपर्क हमारे लिए केवल चुनाव प्रचार नहीं, बल्कि जनता के साथ अपने जुड़ाव को और मजबूत करने का जरिया है. श्यामपुकुर के लोग मेरे परिवार की तरह हैं, और उनकी समस्याओं का समाधान करना ही मेरी प्राथमिकता है. रविवार का दिन होने के कारण बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की भारी उपस्थिति रही, जिसका लाभ उठाते हुए टीएमसी कार्यकर्ताओं ने मा-माटी-मानुष के नारों के साथ माहौल को जोश से भर दिया. शशि पांजा के इस सक्रिय अभियान ने विरोधियों के खेमे में भी हलचल तेज कर दी है.

एसआईआर ने पश्चिम बंगाल में स्थानीय स्तर पर सत्ता विरोधी लहर को खत्म कर दिया : सागरिका घोष

कोलकाता: तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य सागरिका घोष ने कहा कि पश्चिम बंगाल में स्थानीय स्तर पर जो सत्ता-विरोधी लहर थी, वह एसआईआर प्रक्रिया के प्रभाव से काफी हद तक दब गयी है, जिससे आगामी विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस की स्थिति स्पष्ट रूप से भाजपा से बेहतर है. पत्रकार से नेता बनी घोष को चुनाव के लिए तृणमूल कांग्रेस का स्टार प्रचारक बनाया गया है. उन्होंने कहा कि नेता के रूप में ममता बनर्जी के खिलाफ उनके समर्थकों में कोई असंतोष नहीं है. उन्होंने कहा कि असंतोष कुछ स्थानीय नेताओं के खिलाफ हो सकता है, जिन्हें इस बार टिकट नहीं दिया गया. बनर्जी ने 17 मार्च को जारी 291 उम्मीदवारों की सूची में 74 मौजूदा विधायकों के टिकट काट दिए हैं जो सत्ता विरोधी लहर को खत्म करने के लिए पार्टी की एक सोची-समझी रणनीति का संकेत है. घोष ने एक साक्षात्कार में कहा, भाजपा का एजेंडा एसआईआर प्रक्रिया का इस्तेमाल कर ममता बनर्जी को हराने और किसी भी तरह पश्चिम बंगाल पर कब्जा करने का था, क्योंकि वह पिछले 15 वर्षों से लगातार भाजपा को हराती रही हैं. उन्होंने कहा, लेकिन यह कदम उल्टा पड़ गया और तृणमूल को फायदा मिला. अगर कहीं स्थानीय स्तर पर सत्ता-विरोधी लहर थी भी, तो वह एसआईआर के कारण पूरी तरह दब गई. यह भाजपा की बड़ी गलती थी. वे जितने नाम हटाना चाहें, हटा लें, हम फिर भी जीतेंगे. तृणमूल सांसद ने कहा कि जल्दबाजी में लागू विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया ने राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ माहौल बना दिया है. एसआईआर में आम लोगों के साथ ही नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन, पूर्व मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती, मंत्री शशि पांजा और क्रिकेटर ऋचा घोष जैसे लोगों की नागरिकता पर भी सवाल खड़े किए. उन्होंने कहा, वे घुसपैठिए कहां हैं, जिनकी बात भाजपा बार-बार करती थी? घोष ने कहा कि तृणमूल प्रमुख के जमीनी जुड़ाव और उनके शासन रिकॉर्ड पर लोगों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलेगा, जिसे मीडिया में पर्याप्त महत्व नहीं मिला. उन्होंने कहा, वह 24 घंटे जनता से जुड़ी रहने वाली नेता हैं. तीन कार्यकाल के बाद स्थानीय स्तर पर कुछ सत्ता विरोधी लहर होना स्वाभाविक है, लेकिन मुख्यमंत्री के रूप में उनके खिलाफ ऐसा कोई भाव नहीं है. राज्य में वह ही अंतिम सहारा हैं. लोग जानते हैं कि मुश्किल में वे उनके पास जा सकते हैं. घोष ने बनर्जी को दक्षिण एशिया में अद्वितीय राजनीतिक व्यक्तित्व बताते हुए कहा कि उन्होंने बिना किसी राजनीतिक विरासत या मार्गदर्शक के पुरुष प्रधान राजनीति में एक मजबूत पार्टी खड़ी की है. घोष कहा, उन्होंने (बनर्जी ने) तृणमूल में महिला नेताओं को जितना स्थान दिया है, उतना किसी अन्य पार्टी ने नहीं दिया. हम महिला-प्रथम पार्टी हैं और महिलाओं के खिलाफ अपराध बर्दाश्त नहीं करेंगे. चुनाव में चुनौतियों पर घोष ने कहा कि झूठे प्रचार, अफवाहों और दुष्प्रचार से निपटना पार्टी के लिए बड़ी चुनौती है.

माता रानी शेरावाली का जागरण सम्पन्न

युवा शक्ति न्यूज/कोलकाता : उत्तर कोलकाता में अहिरीटोला रेलवे फाटक के सामने एक बड़ा बरगद का पेड़, भोले बाबा का बहुत प्राचीन मंदिर, शिव और गौरी मंदिर, शिव लिंग और हनुमान मंदिर है. माता रानी सेराबाली की मां की पूजा, पूजन, होम-यज्ञ बड़ी धूमधाम से किया गया. इस नवरात्रि के अवसर पर शेरावाली की मां का एक बड़ा जागरण और शेरावाली की मां के भक्ति गीत और एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में वार्ड क्रमांक 19 की पार्षद श्रीमती शिखा साहा, वार्ड क्रमांक 19 की अध्यक्ष श्री मानुषी चटर्जी उपस्थित थीं. रविवार को गोधूलि बेला में अहिरीटोला गंगा घाट पर, सन्निकट के पास यह नवरात्रि पूजा बड़ी धूमधाम से की गई. रविवार की शाम को सभी भक्तों में मां सेराबाली का महाप्रसाद वितरित किया गया. इस मां सेराबाली की पूजा, और अनुष्ठान, और भक्ति गीत इसलिए सांस्कृतिक कार्यक्रम बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया इस नवरात्रि पूजा की कहानी, खबर, जानकारी और तस्वीरें अनुजाई ने लिखी हैं. महान समाजसेवी मनोज शंकर, संगीता देवी शंकर, रीता दास, रितिक शंकर, शाहिल शंकर, आशीष दास, (छट्टू) रीता दास, भोला नाथ पाल, राज सिंह, अभिषेक पश्यन, गोपी, प्रिंस सिंह, दीप दे, अर्जुन सिंह आदि उपस्थित थे.

आपकी वेदना, हमारी संवेदना

युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना का विज्ञापन मात्र 1500 रुपये में प्रकाशित करता है

(साइज 12x8)

सम्पर्क :

मो. : 9831572125, 9831494084

www.yuvashakti.news.com

email: yuvashakti@hotmail.com

बिहार दिवस कार्यक्रम गांधी मैदान में जीविका पवेलियन का हुआ उद्घाटन

ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने किया उद्घाटन

युवाशक्ति न्यूज
पटना: बिहार राज्य के 114 वें स्थापना दिवस के तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ नीतीश कुमार , मुख्यमंत्री ,बिहार सरकार ने रविवार 22 मार्च को गाँधी मैदान, पटना में किया श्रउन्नत बिहार, उज्जवल बिहार के थीम पर आधारित बिहार दिवस के आयोजन के अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा गाँधी मैदान में उनके द्वारा चलाई जा रही लोक कल्याणकारी योजनाओं को प्रदर्शित किया जा रहा है.इस अवसर पर बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति,जीविका का भी पवेलियन सुसज्जित है.आयोजन राज्य के विकास,शिक्षा और समृद्धि को प्रदर्शित करने हेतु आयोजित है. राज्य के विकास में अहम् योगदान दे रही जीविका और उसकी गतिविधियों पर आधारित जीविका पवेलियन का उद्घाटन रविवार को श्रवण कुमार , मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, बिहार सरकार ने फीता काटकर किया. तत्पश्चात मंत्री , ग्रामीण विकास विभाग ने जीविका की गतिविधियों पर आधारित स्टॉल का अवलोकन किया.स्टॉल का अवलोकन करने के बाद मुख्य मंच पर दीप प्रज्वलित कर बिहार पवेलियन का विधिवत उद्घाटन माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग

ने किया. इससे पूर्व आगत अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ एवं अंग वस्त्र देकर किया गया. अपने स्वागत संबोधन में हिमांशु शर्मा ,मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जीविका ने कहा कि जीविका द्वारा चलाई जा रही गतिविधियों ने महिलाओं की आत्मनिर्भरता बढ़ाई है.सतत जीविकोपार्जन योजना एवं मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना गरीबी उन्मूलन एवं महिला स्वावलंबन में कारगर साबित हो रही है.मंच पर उपस्थित पंकज कुमार,प्रधान सचिव, ग्रामीण विकास विभाग ने अपने संबोधन में कहा कि बिहार का इतिहास काफी समृद्धशाली रहा है.वर्तमान समय में ग्रामीण विकास विभाग राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में तत्परता से कार्य कर रही है.उन्होंने कहा कि जीविका के माध्यम से महिलाएं आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त एवं स्वावलंबी हो रही हैं. अपने मंचीय उद्बोधन में श्रवण कुमार, मंत्री , ग्रामीण विकास विभाग, बिहार सरकार ने सभी को बिहार दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बिहार की गौरवशाली परंपरा रही है. बिहार की गाथा दूर देश तक गई एवं सुनाई जाती है. बिहार निरंतर प्रगति पथ पर बढ़ रहा है. राज्य के विकास में जीविका दीदियाँ भी अहम् योगदान दे रही हैं .हर घर की एक महिला को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की शुरुआत कर रही हैं,

इससे लाभान्वित होकर महिलाएं स्वरोजगार कर रही हैं.

अब शेष 20 लाख रुपये देने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है. इस अवसर पर मंत्री ग्रामीण विकास विभाग,बिहार सरकार ने गंगा स्वच्छता रथ को भी हरा झंडी देकर रवाना किया. उद्घाटन समारोह के अंत में मंचासीन अतिथियों को जीविका दीदियों ने स्मृति चिन्ह प्रदान किया. इस अवसर पर मंच पर राम निरंजन सिंह, निदेशक जीविका, राम कुमार पोद्दार, उप निदेशक , जल जीवन हरियाली अभियान, विनय कुमार, निदेशक, उद्यम, जीविका, राजेश कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे. धन्यवाद ज्ञापन राम निरंजन सिंह, निदेशक, जीविका ने किया. मंच संचालन रौशन कुमार , प्रबंधक, संचार , जीविका एवं नाज़िश बानो, राज्य परियोजना प्रबंधक,जीविका ने किया.

न्यूज कॉर्नर

पुलिस आयुक्त प्रणब कुमार ने विभिन्न पुलिस थानों का दौरा किया

कुल्टी : आसनसोल दुर्गापुर कमिश्नरेट के पुलिस आयुक्त प्रणब कुमार चुनाव से पहले क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने के लिए विभिन्न पुलिस थानों का दौरा कर रहे हैं.और पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे हैं. इसी क्रम में, आज रविवार को पुलिस आयुक्त प्रणब कुमार ने कुल्टी थाना का दौरा किया. वहां मौजूद पुलिस अधिकारियों से बात करने के बाद उन्होंने कुल्टी क्षेत्र की कानून व्यवस्था की स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की.इसके अलावा, अन्य राज्यों से किसी भी प्रकार के अवैध हथियार,नकदी या अवैध सामान की घुसपैठ को रोकने के लिए, कुल्टी में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर दिबुदिह चेक पोस्ट सहित सभी एडीपीसी चेक पोस्टों पर विशेष निगरानी रखने का आदेश जारी किया है, और वहां सख्त नाका चेकिंग की जा रही है.वही उन्हों ने आगे कहा कि चुनाव आयोग के तरफ से आदेश जारी किया गया है,की किसी तरह की भी हिंसा,जनता को भय,या डराना धमकाना,बूथ कैप्चरिंग,बूथ पर भीड़ इस तरह की कोई भी स्थिति ना हो.इस दिन पुलिस आयुक्त के साथ डीसी वेस्ट मोहम्मद सना अख्तर, एसीपी जावेद हुसैन, कुल्टी थाना प्रभारी पार्थ सारथी घोष और अन्य पुलिस अधिकारीगण मौजूद थे.

ईद मिलन का आयोजन हुआ

कुल्टी : कुल्टी वार्ड नंबर 62 अंतर्गत न्यू कॉलोनी में ईद के मौके पर टीपू ब्रदर्स क्लब के तरफ से ईद मिलन का प्रोग्राम आयोजन किया गया.जिसमें मुख रूप से उपस्थित थे कुल्टी टीएमसी प्रत्याशी अभिजीत घटक,कुल्टी के पूर्व विधायक उज्वल चटर्जी,पार्षद प्रतिनिधि सुदाई मंडल, अमित यादव,बबन मुखर्जी,सहित काफी सारे नेतागण और कार्यकर्ता.वही टीपू ब्रदर्स के सदस्यों ने अतिथियों को फूलों का हार और बैच पहना कर उनका स्वागत किया.स्थानीय लोगों की भी काफी भीड़ देखी गई.इस मौके पर अभिजीत घटक ने कहा कि ईद का तहवार खुशियों का तहवार है, हमारे पश्चिम बंगाल में और खास कर कुल्टी में हर धर्म के लोग ईद मिलजुलकर मनाते हैं,और आपसी भाईचारे का संदेश देते हैं,वही उन्हों ने आगे कहा कि चुनाव भी करीब है, जिसे लेकर वह चुनाव प्रचार में भी पूरा समय दे रहे हैं,कुल्टी की जनता उनके साथ है,और हर जगह उनका स्वागत किया जा रहा है,कुल्टी के तरक्की के लिए जरूरी है,की मा माटी मानुष की सरकार बने,कुल्टी में टीएमसी की जीत हो,यहां के लोगों की समस्याओं को दूर किया जा सके.वही इस मौके पर टीपू ब्रदर्स क्लब के सेक्रेट्री टीपू हक,जियाउल हक,बोलजीत रॉय,मोहम्मद मुर्शीद,मुस्लिम,नदीम अख्तर,मोहम्मद दानिश,सहित और भी क्लब के सदस्यगण उपस्थित थे.

मुझे अलग से 'भूमिपुत्र' कहने की जरूरत नहीं : मतिउर रहमान

सिउड़ी : आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सिउड़ी विधानसभा क्षेत्र में 'भूमिपुत्र' का मुद्दा गरमाता जा रहा है. इसी बीच वाम मोर्चा के उम्मीदवार मतिउर रहमान ने इस मुद्दे पर अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए विरोधियों पर तीखा हमला बोला है. रविवार को पत्रकारों से मुखातिब होते हुए उन्होंने कहा कि जनता के बीच उनकी पहचान किसी विशेष 'तगमे' की मोहताज नहीं है.संवाददाताओं से बातचीत के दौरान मतिउर रहमान ने साफ लहजे में कहा:मुझे अलग से 'भूमिपुत्र' कहलाने की कोई आवश्यकता नहीं है. मैं इसी मिट्टी का इंसान हूँ, लंबे समय से लोगों के बीच रहा हूँ और उनके सुख-दुख का साथी बना हूँ. जनता खुद तय करेगी कि उनका अपना कौन है.उन्होंने आगे कहा कि राजनीति में केवल 'भूमिपुत्र' होने का टैग लगा लेने से लोगों का दिल नहीं जीता जा सकता. असली बात यह है कि आप लोगों के संकट में उनके साथ खड़े हैं या नहीं.इस दौरान मतिउर रहमान ने सिउड़ी विधानसभा क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया. इन मुद्दों पर बात करते हुए उन्होंने दावा किया कि वर्षो से इन समस्याओं को नजरअंदाज किया गया है

जदयू कार्यालय में बिहार स्थापना दिवस केक काटकर मनाया गया

युवा शक्ति न्यूज
गयाजी : शहर के बिसार तलाब स्थित जदयू जिला कार्यालय में जदयू जिलाध्यक्ष ई0 अजय कुशवाहा के नेतृत्व में रविवार को कार्यकर्ताओं ने केक काटकर बिहार का 114 वा स्थापना दिवस धूम धाम से मनाया.इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अजय कुशवाहा जिला प्रवक्ता अवध बिहारी पटेल सहित सभी नेताओं ने सभी कार्यकर्ताओं एवं जिले वासियों को बिहार दिवस की हार्दिक बधाई दी.वक्ताओं ने कहा की बिहार भगवान बुद्ध, चाणक्य, सम्राट अशोक, आर्यभट, राष्ट्र कवि रामधारी सिंह, दिनकर, देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद की धरती है बिहार ने पूरे विश्व को ज्ञान देने का काम किया है. सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार का विरासत को आगे बढ़ाने का काम किया है, बिहार की तरक्की के लिए

लगातार काम कर रहे हैं,जल्द ही बिहार विकसित राज्य की श्रेणी में शामिल होगा.आज बिहारी कहलाने में गर्व महसूस होता है.साथ ही 20 मार्च को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का समृद्धि यात्रा के शानदार सफलता के लिए सभी नेता, कार्यकर्ता को बधाई दी.अजय कुशवाहा ने कहा की भारी संख्या में कार्यकर्त्ता मुख्यमंत्री को सुनने के लिए सभा स्थल पहुंचे और कार्यकर्ता काफी उत्साहित थे.जिला प्रवक्ता अवध बिहारी पटेल ने कहा अजय कुशवाहा का अध्यक्ष बनने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का जिला में पहला सभा था, अजय कुशवाहा का काफी अच्छा मैनेजमेंट था जिससे कार्यक्रम शानदार हुआ.श्री पटेल ने कहा जिला अध्यक्ष अजय कुशवाहा सहित सभी नेताओं सभी कार्यकर्ताओं एवं भरी संख्या में महिलाएं समृद्धि यात्रा में मुख्यमंत्री को सुनने आए , सभी को बहुत बहुत बधाई, धन्यवाद.इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेता शौकत अली, कुंडल वर्मा, अरविंद सिंह, धनंजय शर्मा, ज्योति दांगी, विनोद कुमार, बबन चंद्रवंशी, राकेश पांडे, मितम्बरा लोहड़े, रिंकू कुमारी, विनोद यादव, प्रकाश पटवा, कमलेश दिवाकर, विजय कुमार, अजीत शर्मा, गीता वर्मा, प्रभात राउत, दयानंद विश्वकर्मा, पिंकी देवी, शंकर चौधरी, पप्पू दांगी, लालजी प्रसाद, अमर नाथ, नीरज वर्मा, राजू कसेरा, नरेश कुशवाहा, लक्ष्मी कुशवाहा, संजीव कुमार, जितेंद्र प्रसाद सहित सैकड़ों नेता कार्यकर्ता शामिल थे.

श्री सत् चंडी महायज्ञ में अरणी लकड़ी मंथन से हुआ अग्नि प्रज्वलित

बरौनी/बेगूसराय (युवा शक्ति) : नौ दिवसीय सत् चंडी महायज्ञ सह श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन गढ़हारा ठाकुरवाड़ी में काशी से पधारे आचार्यों के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार से अरणी मंथन से प्रकट हुई यज्ञ अग्नि. वेद, उपनिषद मंत्रों के द्वारा देवी देवताओं का आह्वान किया.इस दौरान यज्ञ मंडप परिक्रमा में हजारों की संख्या महिलाएं एवं पुरुषों ने भाग लिया,पुरे दिन वैदिक मंत्रोचार से गुंजायमान रहा गढ़हारा गांव, क्षेत्र में शांति, समृद्धि एवं उन्नति का आह्वान किया. अंतरराष्ट्रीय योग गुरु संतोषानंद जी महाराज प्रातःकालीन दैनिक योग और प्राणायाम से शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य लाभ दे रहे है. इस सत्र में आकर अधिक से अधिक लोग स्वस्थ लाभ ले सकते है, वृंदावन से पधारे कथावाचक प्रेमाचार्य पीताम्बर जी महाराज श्रीमद्भागवत कथा का अमृत स्वर से ज्ञान यज्ञ का प्रवाह कर रहे है. आयोजक समिति के अध्यक्ष महंत चन्द्रशेखर, उपाध्यक्ष पंकज मिश्र, मिडिया प्रभारी कन्हैया सिंह, समिति के सदस्य कुंदन सहनी, चंद्रचूड़ साह,अमरेश सिन्हा उर्फ टून सर,प्रिंस कुमार, संजीव सिंह, मिंटु, राजीव, सौरव,नरेश राय, अभिषेक सहित दर्जनों कार्यकर्ता विधि- व्यवस्था कायम करने के तैनात है, वहीं प्रशासन थानाध्यक्ष जितेंद्र कुमार राम के नेतृत्व में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सजग पुलिस बल तैनात है.

बिहार दिवस पर टावर चौक से गांधी मैदान तक मैराथन फ़ॉर बिहार का आयोजन किया गया

युवा शक्ति न्यूज
गयाजी : बिहार का 114वां स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को सर्वप्रथम पूर्वाहन 7:00 बजे टावर चौक से गांधी मैदान तक मैराथन फ़ॉर बिहार का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ एडीएम परितोष कुमार, डीडीसी शैलेश कुमार सहित वरीय पदाधिकारी एवं जिला स्तरीय पदाधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया.मैराथन फ़ॉर बिहार कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाकर टावर चौक से रवाना किया गया, जो गांधी मैदान के स्टेडियम में जाकर समाप्त हुआ.इस कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी विद्यालयों के छात्र-छात्राएं की अच्छी भागीदारी देखी गयी.गांधी मैदान में एडीएम परितोष कुमार ने उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं छात्र छात्राओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि बिहार दिवस के अवसर पर लोगों को संदेश दिया जा रहा है कि बिहार के गौरवशाली इतिहास को बनाए रखते हुए संकल्प ले कि सभी प्रकार से गया जिला को पूरे बिहार में अव्वल रखें.उन्होंने कहा कि पूरे बिहार में संरचनाओं का विकास हो रहा है.उन्होंने कहा कि बिहार अपने ऐतिहासिक, आध्यात्मिक एवं मोक्ष प्रदाता के रूप में जाना जाता है.इस राज्य ने सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक समन्वय स्थापित कर मानवता को प्रकाशित किया है.जिलेवासियों से अपील किया कि बिहार की गरिमा को बरकरार रखना है तथा विकास के पथ पर अग्रसर हेतु सहयोग देने की अपेक्षा की है.कार्यक्रम में सदर एसडीओ, डीईओ, जिला जन संपर्क पदाधिकारी, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी सुरभि बाला, एसडीसी नेहा, अमृता एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी, स्वतंत्रता सेनानी, समाजसेवी जितेंद्र कुमार, धर्मेंद्र कुमार शामिल हुए.

आज का बिहार तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर : डॉ मिश्रा

युवा शक्ति न्यूज
गयाजी : 114वी बिहार दिवस के शुभ अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के नेता डॉ. मनीष पंकज मिश्रा, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य राजेंद्र प्रसाद, अधिवक्ता संतोष ठाकुर, भाजपा नेता राणा रणजीत सिंह एवं विजय प्रसाद गुप्ता उर्फ काला नाग ने प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं.इस अवसर पर डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने कहा कि बिहार का इतिहास गौरवशाली, समृद्ध और प्रेरणादायक रहा है, जिसने न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व को ज्ञान, संस्कृति और सभ्यता का मार्ग दिखाया है. उन्होंने कहा कि प्राचीन काल से ही बिहार शिक्षा, आध्यात्म और सामाजिक समरसता का केंद्र रहा है, जहां से

महान विद्वानों, संतों और विचारकों ने जन्म लेकर समाज को दिशा दी.डॉ. मिश्रा ने आगे कहा कि आज का बिहार तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है और यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि हम इस महान भूमि के निवासी हैं.उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे बिहार की समृद्ध विरासत को संजोए रखने के साथ-साथ इसके विकास में सक्रिय भागीदारी निभाएं.उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में और राज्य सरकार के सहयोग से बिहार में बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार के क्षेत्र में निरंतर प्रगति हो रही है. भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता में कहा कि बिहार दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि अपनी पहचान, संस्कृति और गौरव को याद करने का भी अवसर है.उन्होंने प्रदेश के युवाओं से अपील की कि वे अपने ज्ञान, परिश्रम और समर्पण से बिहार को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएं.अंत में सभी नेताओं ने बिहार के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए प्रदेशवासियों को पुनः बिहार दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं.

मुर्शिदाबाद में चुनावी सुरक्षा चाक-चौबंद

मुर्शिदाबाद :.मुर्शिदाबाद जिले में आगामी शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है. जिला पुलिस अधीक्षक (डझ) सचिन मक्कर ने स्वयं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए क्षेत्र का दौरा शुरू कर दिया है. उन्होंने बहरामपुर से इस निरीक्षण अभियान की शुरुआत की. सुरक्षा तैयारियों की जानकारी देते हुए एसपी सचिन मक्कर ने बताया कि जिले में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं:वर्तमान में जिले में 20 कंपनी केंद्रीय बल (उ-झत्र) तैनात हैं.इलाकों में लगातार गश्त कर रही हैं.

पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश का बोधगया आगमन पर हुआ भव्य स्वागत

युवा शक्ति न्यूज
गयाजी : बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश का बोधगया स्थित द बोधी पैलेस रिसॉर्ट में आगमन हुआ, आगमन के उपरांत जिलाध्यक्ष महानगर जदयू राजकुमार प्रसाद उर्फ राजू बरनवाल व स्थानीय जदयू नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया.इस दौरान श्री बरनवाल ने उन्हें अंग वस्त्र (शॉल) व बुके भेंट कर सम्मानित कियें.
मंत्री दीपक प्रकाश ने बताया कि पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने, आगामी पंचायती चुनावों को बेहतर ढंग से संपन्न कराने और युवाओं के लिए रोजगार सृजन जैसे सभी बिंदुओं पर विभाग द्वारा कार्य किया जा रहा है.

जनशताब्दी एक्सप्रेस के पहिए में लगी आग

युवा शक्ति न्यूज
गया : पटना-रांची जनशताब्दी एक्सप्रेस में रविवार सुबह हड़कंप मच गया.बंधुआ स्टेशन के पास ट्रेन के एक कोच के पहिए से आग और धुआं निकलने लगा.यह नजारा देखते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई.कई यात्री डर के मारे कोच छोड़ बाहर भागने लगे.घटना सुबह करीब 10 बजे की है

एक साल से फरार बदमाश अनिल शर्मा गिरफ्तार

युवा शक्ति न्यूज
गयाजी : शहर के सिविल लाइन थाना पुलिस ने एक कार्रवाई करते हुए शनिवार को एक साल से फरार बदमाश अनिल शर्मा को गिरफ्तार किया है.वह लंबे समय से अपनी लोकेशन बदलकर पुलिस से बच रहा था.पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अनिल शर्मा के खिलाफ सिविल लाइन थाना में कांड संख्या 192/25 दर्ज है.उस पर फर्जी दस्तावेज बनाकर जमीन हड़पने की कोशिश का आरोप है.जब जमीन मालिकों ने इसका विरोध किया, तो अनिल शर्मा ने अपने साथियों के साथ मिलकर उनके साथ मारपीट की थी.मारपीट की घटना के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था.मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी.पुलिस ने उसके कई संभावित ठिकानों पर छापेमारी भी की, लेकिन वह हर बार पुलिस को चकमा देकर भाग निकलता था.आखिरकार, सिविल लाइन थाना की पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली.इसी सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी अनिल शर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया.सिविल लाइन थानाध्यक्ष शमीम अंसारी ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है.इस मामले में शामिल अन्य लोगों की पहचान भी की जा रही है.पुलिस के अनुसार, अनिल शर्मा कटारी हिल बलजोरी बीघा का निवासी है.स्थानीय लोगों का कहना है कि वह लंबे समय से जमीन से जुड़े विवादों में शामिल रहा है.

.114 मोमबत्तियां जलाकर बिहार स्थापना दिवस मनाया गया

युवा शक्ति न्यूज
गयाजी : बिहार का 114वां स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को संध्या समाहरणालय परिसर में 114 मोमबत्तियां जलाकर बिहार स्थापना दिवस मनाया गया, इसके पश्चात नगर आयुक्त अभिषेक पलासिया, अपर समाहर्ता परितोष कुमार, अपर समाहर्ता आपदा, अपर समाहर्ता विधि व्यवस्था, सदर एसडीओ ज़िला जन सम्पर्क पदाधिकारी, सहित वरीय पदाधिकारी एवं जिला स्तरीय पदाधिकारियों द्वारा केक काट कर बिहार स्थापना दिवस मनाया गया.इस अवसर पर स्वतन्त्रता सेनानी राजेंद्र, सामाजिक कार्य कर्ता जितेन्द्र, धर्मेंद्र, विनोद, रामप्रसाद पटवा एव अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे.

विश्व वानिकी दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

युवा शक्ति न्यूज
गया : विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर शनिवार को पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, बिहार के तत्वावधान में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया.इस अवसर पर गया वन प्रमंडल के वन प्रमंडल पदाधिकारी, वन क्षेत्र पदाधिकारी, वनपाल, वनरक्षी एवं स्थानीय लोगों की उपस्थिति में कुसाबीजा पौधशाला बाराचट्टी, ब्रह्म वन पार्क, कोसडिहरा, गया तथा गुरपा वन प्रक्षेत्र अंतर्गत नवागढ़ पौधशाला एवं वन प्रक्षेत्र कार्यालय में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया. स्थानीय लोग एवं वनकर्मीयों ने मिलकर 200 से अधिक पौधे लगाए एवं इनके संरक्षण की भी जिम्मेदारी ली.कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को वन के महत्व, निरंतर घटते वनावरण, और इसके संरक्षण के प्रति जागरूक करना था.वन प्रमंडल पदाधिकारी ने कार्यक्रम के दौरान वन संरक्षण से संबंधित ऐतिहासिक और वैज्ञानिक तथ्यों पर प्रकाश डाला.उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरणीय असंतुलन अपने चरम पर है.जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में वृद्धि, अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति ने मानव जीवन को संकटग्रस्त कर दिया है. इन परिस्थितियों में वन एक ऐसे प्राकृतिक तंत्र के रूप में सामने आते हैं, जो पृथ्वी के संतुलन को बनाए रखने में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं.वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर वैश्विक तापवृद्धि को नियंत्रित करते हैं, जल चक्र को संतुलित रखते हैं और मृदा अपरदन को रोकते हैं.इसके बावजूद, विडंबना यह है कि मानव अपनी तात्कालिक आवश्यकताओं और आर्थिक विकास की अंधी दौड़ में वनों का अंधाधुंध दोहन कर रहा है.यही कारण है कि आज वानिकी दिवस जैसे आयोजनों की आवश्यकता केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक जागरण के रूप में महसूस की जा रही है.वनों की उपयोगिता का दायरा केवल पर्यावरणीय संतुलन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आर्थिक और सामाजिक जीवन से भी गहराई से जुड़ा हुआ है. 2026 में प्रस्तावित वनों और अर्थव्यवस्था थीम इस तथ्य को रेखांकित करती है कि वन सतत आर्थिक विकास के आधार हैं.लाखों लोगों की आजीविका सीधे तौर पर वनों पर निर्भर है.लघु वनोपज, औषधीय पौधे, रेजिन, गोंद, शहद और बांस जैसे उत्पाद न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाते हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं.इसके साथ ही, इको-टूरिज्म के माध्यम से भी रोजगार के नए अवसर उत्पन्न हो रहे हैं.

इस प्रकार वन एक ऐसे आर्थिक संसाधन के रूप में सामने आते हैं, जो विकास और संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित कर सकते हैं.अंततः वन महोत्सव और अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस हमें यह संदेश देते हैं कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना ही मानव सभ्यता की स्थिरता का आधार है. आज आवश्यकता इस बात की है कि हम वनों को केवल संसाधन के रूप में न देखें, बल्कि उन्हें अपने जीवन का अभिन्न अंग मानें.जब तक यह दृष्टिकोण विकसित नहीं होगा, तब तक पर्यावरणीय संकटों का समाधान संभव नहीं है.यदि हम सचमुच अपने भविष्य को सुरक्षित रखना चाहते हैं, तो हमें वनों की रक्षा को अपनी प्राथमिकता बनाना होगा.यही वन महोत्सव की वास्तविक सार्थकता है और यही अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस का मूल संदेश भी.

विहंगम योग के वर्तमान सदगुरुदेव आचार्य स्वतंत्रदेव जी महाराज स्व.कमला देवी दिव्यांग स्कूल का किया शिलान्यास

युवाशक्ति न्यूज
पटना:दिनांक 22 मार्च 2026 रविवार को पटना के चक - बैरिया स्थित विहंगम योग के महर्षि सदाफल देव आश्रम में विहंगम योग के वर्तमान सदगुरुदेव आचार्य स्वतन्त्रदेव जी महाराज ने स्वर्गीय कमला देवी दिव्यांग स्कूल का शिलान्यास किया. इस अवसर पर आई.जी.सी.आई.एस.एफ प्रबोध चंद्रा मुख्य अतिथि रहे. बिहार दिवस के अवसर पर समस्त विश्व एवं बिहार के कल्याण के लिए हवन यज्ञ भी हुआ.कार्यक्रम में सीताराम सिंह,प्रो.महेश चौहान, इंजीनियर सुनील कुमार,संजय सिन्हा, राकेश रंजन, मधुप्रिया जी, रंजय चौधरी, डॉ. सच्चिदानंद प्रसाद, सुबेलाल यादव सहित सैकड़ों गुरुभाई एवं गुरुबहन शामिल थे.

न्यूज कॉर्नर

विश्व जल दिवस पर जल सरंक्षण को लेकर ली गई संकल्प

पाकुड़:जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार दिवाकर पांडेय के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार सचिव रूपा बंदना किरो की अध्यक्षता में डालसा सभागार में विश्व जल दिवस कार्यक्रम मनाया गया. उक्त कार्यक्रम में सचिव रूपा बंदना किरो ने बताया कि हर साल हम सब 22 मार्च को विश्व जल दिवस के रूप में मनाते है इस दिवस के मानने का उद्देश्य जल संबंधित चुनौतियों का समाधान करने पानी के जिम्मेदार उपयोग और अपशिष्ट को कम करने का प्रोत्साहित करने एवं सभी के लिए स्वस्छ जल और स्वच्छता सुनिश्चित करना है. जल स्रोतों तालाबों नदियों और झीलों में बढ़ता प्रदूषण, चाहे वह शहरी कचरे से हो या कृषि से निकलने वाले रासायनिक बहाव से पानी की गुणवत्ता को भी प्रभावित कर रहा है.पानी का संकट किसी एक देश, राज्य या समुदाय तक सीमित नहीं है. यह एक साझा चुनौती है, और इसका समाधान भी साझा ज़िम्मेदारी में ही छुपा है, इस दौरान जल सरंक्षण के हित में कई महत्वपूर्ण बिंदु पर जागरूक किया गया. साथ ही जल के दुरुपयोग से बचाव पर विस्तृत जानकारी साझा की गई. लीगल एड डिफेंस कॉन्सिल सिस्टम के चीफसुबोध कुमार दफादार एवं डिप्टी चीफ मो नुकुमुद्दीन शेख ने संयुक्त रूप से जल सरंक्षण को लेकर कई बिंदु पर जागरूक किया. साथ ही बताया गया कि नल का खुला न रखें, जल स्रोत में कचड़ा को नहीं फेंके, जल को दूषित करने से बचाना अत्यंत जरूरी है. जल संचय को लेकर वृक्षों का अधिक से अधिक संख्या में लगाने जल को बर्बाद नहीं करने से जल स्तर पर कमी लाया जा सकता है . इसके लिए छोटी-छोटी आदतें, जैसे पानी का सोच-समझकर इस्तेमाल, स्थानीय जल स्रोतों की देखभाल और प्रदूषण को कम करने की कोशिश, बड़े बदलाव की शुरुआत बन सकती हैं. पानी का संकट केवल एक क्षेत्र या समस्या तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक बहु-स्तरीय चुनौती है.

श्री जमवाय माता का महामंगल पाठ, भजनों की अमृत वर्षा से सभी भाव – विभोर

कोलकाता : श्री जमवाय माता भक्त मण्डल, कोलकाता का 25वां रजत जयंती महोत्सव आस्था भक्ति भाव से मनाया गया . हवाओ की खुशबु से संदेश आ गया, माँ का नवरात्र आ गया, मना रहे हैं सभी रजत जयंती उत्सव.... भक्तिमय वातावरण में श्री जमवाय माता महामंगल पाठ में सभी श्रद्धालु भक्त भाव विभोर हो गये . मंगलपाठ वाचक सौरभ मधुकर, भजन गायक श्याम अग्रवाल, राधा श्री, लता सिंह राजपूत, परविंदर पलक ने जमवाय माता पर आधारित नृत्य नाटिका सहित भजनों की अमृत वर्षा से मन मोह लिया . नन्द किशोर सोंथलिया ने बताया जमवाय माता के अलौकिक दरबार - श्रृंगार से भाव विभोर भक्त मेहंदी उत्सव, चुनरी एवम् गजरा उत्सव तथा निशान उत्सव में सपरिवार शामिल हुए एवम् पूजा - अर्चना की . सपरिवार उपस्थित भक्तों का स्वागत आत्माराम सोंथलिया, राजेश, नन्द किशोर, ज्योति वर्धन, रमेश, सुभाष, अनिल, अमित सोंथलिया, अनूप परसरामका, दिनेश मोदी, श्याम सुन्दर सिंगड़ोदिया, प्रदीप संघई, दीपक संघई, रमाकांत मित्तल एवम् कार्यकर्ता सक्रिय रहे .

विश्व हिंदू परिषद की जिला स्तरीय बैठक में संगठन मजबूती पर चर्चा

उधवा : प्रखंड क्षेत्र के पूर्वी उधवा पंचायत अंतर्गत आर्य समाज मंदिर में रविवार को विश्व हिंदू परिषद की जिला स्तरीय एक बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश आर्य ने किया. इस दौरान बैठक में संगठन मजबूती को लेकर विचार-विमर्श किया गया. इसके अलावा बैठक में रामोत्सव मनाने पर चर्चा हुई. विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश आर्य ने बताया कि 19 मार्च से 2 अप्रैल के बीच पूरे जिलेभर में 121 स्थानों पर रामोत्सव मनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. मौके पर विश्व हिंदू परिषद जिला मंत्री गोपाल चंद्र साहा,संघ के पदाधिकारी वेद प्रकाश आर्य सहित अन्य थे.

व्रतियों ने पारंपरिक विधि से कद्दू-भात और चना दाल ग्रहण कर व्रत की शुरुआत

साहिबगंज : लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व चैती छठ का शुभारंभ रविवार को नहाय-खाय के साथ हुआ. प्रखंड मुख्यालय क्षेत्र सहित अन्य प्रखंडों में व्रतियों ने पारंपरिक विधि से कद्दू-भात और चना दाल ग्रहण कर व्रत की शुरुआत की. व्रतियों ने गंगा नदी में स्नान कर शुद्धता के साथ भगवान सूर्य की उपासना का संकल्प लिया. इसके बाद घरों में विधिपूर्वक कद्दू-भात और चना दाल बनाकर प्रसाद स्वरूप ग्रहण किया गया. इस दौरान पूरे क्षेत्र में छठ पर्व की तैयारी को लेकर उत्साह नजर आया. बदले मौसम ने भी श्रद्धालुओं को राहत दी है. यह अनुकूल मौसम आगामी छठ पर्व के अन्य अनुष्ठानों- खरना, संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य के दौरान व्रतियों के लिए सहायक साबित होगा. प्रशासन की ओर से भी घाटों पर व्यवस्थाओं को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो. घाटों की सफाई, बिजली और पानी की व्यवस्था की जा रही है. व्रतियों ने बताया कि वे अपने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए छठ पर्व मनाते हैं. वे भगवान सूर्य की उपासना कर अपने परिवार के लिए आशीर्वाद मांगते हैं. चैती छठ पर्व के अन्य अनुष्ठान इस प्रकार हैं. वही सोमवार को खरना (व्रतियों द्वारा गुड़ और चावल का प्रसाद ग्रहण करना), मंगलवार को संध्या अर्घ्य (व्रतियों द्वारा सूर्य को अर्घ्य देना), बुधवार को उषा अर्घ्य (व्रतियों द्वारा सूर्य को अर्घ्य देना और व्रत का पारण कर पर्व का समापन.

भाईचारे की नींव मजबूत करना युवाओं का दायित्व : डॉ. चन्दन यादव

युवा शक्ति न्यूज

गयाजी : राष्ट्रीय लोक मोर्चा, बिहार के युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष के निजी आवास पर बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश भव्य स्वागत एवं अभिनंदन हुआ, ईद के पावन मौके पर पहुँचे मंत्री ने उपस्थित अल्पसंख्यक साथियों के साथ गले मिल कर ईद का मुबारकबाद और शुभकामनाएं दिया.स्वागत समारोह में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. चन्दन यादव ने मंत्री को अभिनंदन करते हुए कहा कि दीपक प्रकाश को जब से जिम्मेदारी मिली है युवाओं में एक अलग उत्साह है,

बेमौसम बारिश ने किसानों के अरमानों पर फेरा पानी, आशा किरण अब भी

पाकुड़:अभी गर्मी ने अपना पांव पसारना शुरू ही की थी कि मार्च के महीने में शुक्रवार और शनिवार को देर रात तक जिले भर में बूंदा बूंदी के बाद हुई झमाझम बे मौसम बारिश ने किसानों के अरमानों और उसके मेहनतों पर पानी फेरने को आपदा है.

लोग ठंड का एहसास करने लगे. अधिकतम तापमान 9 से 10 डिग्री हो गया. इससे आम नागरिकों को तो राहत मिली किंतु 30 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चली हवा और पानी ने किसानों के अरमानों और उसके मेहनतों पर पानी फेर दिया है. नुकसान का आकलन भले ही नहीं हुआ हो किंतु किसान आहत हैं. कई जगह पोल और पेड़ गिरे हैं. गेहूं - दलहन और तिलहन के फसलों को नुकसान पहुंचा है. आम के मंजर के परागकण प्रभावित हुए हैं. इसके अलावा सरसों चुनाव मटर जीरा टमाटर आलू को भी नुकसान पहुंचाने की संभावना है.

धूप खिली किसानों ने ली राहत की सांस:रविवार को सुबह में जैसी ही धूप खिली किसानों ने राहत की सांस ली है. धूप और रह रह कर छा रहे बादल से किसान अब भी चिंतित है. उनका मानना है कि अब अगर पुनः पानी पड़ती है तो गेहूं और तिलहन जैसे फसलों को काफी नुकसान होगा. दाने काले हो जाएंगे और बाजार में उसका कोई मूल्य नहीं मिलेगा. इसके अलावा सब्जियों पर भी इसका विपरीत प्रभाव पड़ेगा.

नदी तालाब कुआं में जल स्तर में हुई वृद्धि: शुक्रवार और शनिवार को हुई बारिश यह पहली बारिश मार्च की नहीं थी इसके पूर्व भी बारिश हुई है.

फल स्वरुप सूख चुके कुएं तालाब नदी एवं बोरिंग में हल्की ही सही पर जलस्तर में वृद्धि हुई है. पाकुड़ जैसे ड्रायजॉन इलाके में पानी की भारी किल्लत है. ऐसे में शुक्रवार और शनिवार की हुई बारिश से कुएं तालाब नदी आदि में जान डाल दी हैं.

नाका जांच में पूर्व विधायक की गाड़ी से हथियार बरामद, छह गिरफ्तार

मालदह : जिले में नाका जांच के दौरान पूर्व विधायक की गाड़ी से कथित तौर पर एक आग्नेयास्त्र बरामद होने के बाद पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है. इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है.रविवार को पुलिस की ओर से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने शनिवार रात मालदह थाने की टीम ने 12 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग पर ओल्ड मालदह के चेचुमोड़ इलाके में नाका प्वाइंट बनाकर वाहनों की तलाशी अभियान चलाया था. इसी दौरान मानिकचक के पूर्व विधायक और जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष मोत्ताकिन आलम की गाड़ी वहां से गुजर रही थी, जिसमें छह युवक सवार थे. पुलिस ने गाड़ी को रोककर तलाशी ली,

विधायक ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व पुलिस बैरक का लोकार्पण किया

उधवा : रविवार को उधवा में नवनिर्मित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण राजमहल विधायक मो ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा द्वारा किया गया. जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी. इस केंद्र के शुरू होने से स्थानीय लोगों को अब इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा एवं प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा.लोकार्पण के उपरांत विधायक ने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से अपग्रेड कर अब उधवा में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनाया गया है. मरीज से जुड़ी सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है. स्थाई प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी भी हैं. दियारा क्षेत्र एवं आदिवासी क्षेत्र के साथ-साथ पूरे प्रखंड क्षेत्र के लोग स्वास्थ्य सेवा से लाभान्वित हो सकेंगे. उन्होंने स्थानीय रैयत को पंचायत जनप्रतिनिधि के माध्यम से अस्पताल को मुख्य सड़क से जोड़ने के लिए एक वैकल्पिक सीधा रास्ता के लिए आग्रह किए. जिस पर रैयतो अपने सहमति दी. उन्होंने विभागीय पदाधिकारी को कहा कि आउटसोर्सिंग से जो भी कर्मी की नियुक्ति होगी उसमें रैयत को प्राथमिकता देना है. राधानगर थाना के समीप पुलिस बैरक का भी लोकार्पण किया गया.

विधायक ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था की बागडोर पुलिस के पास होती है इसलिए समुचित सुविधा एवं संसाधन पुलिस के लिए भी आवश्यक है. उनके माध्यम से यह पहल की गई थी और आज पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल के लिए बैरक बनाकर समर्पित किया गया है.वहीं आदिवासी क्षेत्र ग्राम सलठी पोखर में धूमकुडिया भवन का शिलान्यास किया गया ताकि आदिवासी क्षेत्र में भी सार्वजनिक कार्यक्रम में भवन के आवश्यकता की पूर्ति हो सके.तीन स्वास्थ्य उपकेंद्र का हुआ शिलान्यास. राजमहल विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने राजमहल प्रखंड के नारायणपुर स्वास्थ्य उप केंद्र,उधवा प्रखंड के स्वास्थ्य उपकेंद्र प्यारपुर एवं स्वास्थ्य उप केंद्र पश्चिम उधवा का शिलान्यास किए. उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में भी स्वास्थ्य व्यवस्था कैसे दुरुस्त हो इसके लिए लगातार कार्य किया जा रहा है

भवन निर्माण भी उसी का हिस्सा है ताकि स्वास्थ्य कर्मी नियमित बैठकर क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधा से लोगों को लाभान्वित कर सकें. मौके पर कार्यपालक अभियंता रमाकांत,विधायक प्रतिनिधि सह नपं उपाध्यक्ष मो मारूफ उर्फ गुड्डू,सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान,बीडीओ जयंत कुमार तिवारी, राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल के प्रभारी उपाधीक्षक डॉ उदय टुडू, उधवा प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ गुफरान आलम, थाना प्रभारी अमर मिंज,उधवा प्रखंड अध्यक्ष अयूब अली उर्फ बाबू दा सचिव विश्वजीत मंडल काजू मल्लिक,अबेदीन शेख,जिप सदस्य रानी हांसदा व भैया किस्कू सहित अन्य मौजूद थे.

चौथे दिन हुई मां कुष्मांडा पूजा, पांचवी स्वरुप स्कंदमाता की पूजा आज

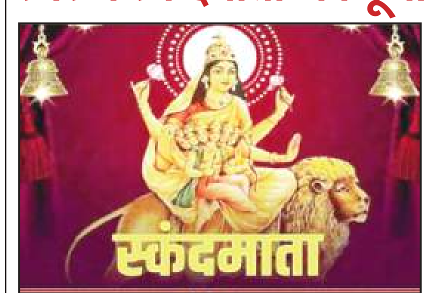

पाकुड़: नवरात्रि के चौथे दिन मां कुष्मांडा की आराधना मंत्र उच्चारण के साथ विधिवत की गई. मान्यता है कि मां कुष्मांडा पूजा अर्चना करने से धन, यश, आय की वृद्धि होती है, क्षय रोग का नाश और घर में सुख समृद्धि बनी रहती है. गुरुवार को नवरात्रि के पांचवें दिन स्कंद माता की आराधना की जाती है. स्कंदमाता सिंह पर सवार चार भुजाओ वाली देवी हैं.जिनके गोद में भगवान स्कंद (कार्तिकेय) विराजमान हैं. स्कंदमाता मां का वह स्वरूप है जो अपने पुत्र की रक्षा करती हैं और भक्तों को आशीर्वाद प्रदान करती हैं. भागवत पुराण के अनुसार जब असुरों ने स्वर्ग पर देवताओं को पराजित कर दिया था, तब देवताओं ने भगवान शिव और माता पार्वती से प्रार्थना की थी. तब माता पार्वती ने अपनी शक्ति से भगवान (कार्तिकेय) स्कंद स्वरूप संरचना की, जो युद्ध के देवता हैं. देवताओं को पुनः उनका स्वराज स्थापित करने में मदद की. भगवान स्कंद की माता होने के कारण देवी पार्वती को स्कंदमाता के नाम से पुकारा जाता है. जो मां दुर्गा की पांचवी स्वरूप है. इनकी पूजा अर्चना से भक्त परेशानियों से रहित होते हैं . उन्हें ज्ञान शांति और सुख की आशीर्वाद प्राप्त होती है. मान्यता है कि इनकी आराधना से भक्तों को सभी दुखों से मुक्ति मिलती है उन्हें सुख समृद्धि ,शांति, संतान, विशुद्धता संतोष का आशीर्वाद प्राप्त होता है.

निरसा हटिया मोड़ पर हर हफ्ते जाम का कहर, प्रशासन बेपरवाह – जनता परेशान

निरसा : निरसा के हटिया मोड़ में हर रविवार और गुरुवार को लगने वाले साप्ताहिक बाजार के कारण भीषण जाम की समस्या आम हो गई है. बाजार लगते ही जीटी रोड के दोनों लेन - दिल्ली से कोलकाता और कोलकाता से दिल्ली जाने वाली सड़क - पूरी तरह जाम हो जाती है. हालत यह हो जाती है कि लोगों का पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है और घंटों तक वाहन रेंगते रहते हैं.हैरानी की बात यह है कि जाम स्थल से महज कुछ ही दूरी पर प्रखंड कार्यालय मौजूद है, लेकिन प्रखंड स्तरीय अधिकारी इस गंभीर समस्या से पूरी तरह बेखबर नजर आते हैं. भीषण गर्मी में आम जनता जाम से जूझती रहती है, जबकि जिम्मेदार अधिकारी अपने दफ्तरों तक सीमित रह जाते है जाम की सबसे बड़ी वजह जीटी रोड के किनारे बने सर्विस रोड पर अतिक्रमण है. फुटपाथ दुकानदारों ने सड़क पर कब्जा जमा रखा है, जिससे सड़क काफी संकरी हो गई है.नतीजतन न तो वाहनों की आवाजाही सही ढंग से हो पाती है और न ही राहगीरों को चलने की जगह मिलती है.

स्थानीय लोगों के अनुसार, पूर्व में तत्कालीन अंचलाधिकारी रमेश रविदास ने जिला प्रशासन के सहयोग से हटिया मोड़ से बेलचढ़ी तक अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया था, जिससे कुछ हद तक राहत मिली थी. लेकिन वर्तमान में स्थिति फिर से पहले जैसी हो गई है. लोगों का आरोप है कि वर्तमान अंचलाधिकारी विक्रम आनंद इस समस्या को लेकर गंभीर नहीं हैं.

स्थानीय लोग पूछ रहे हैं कि आखिर वे अपनी समस्या लेकर जाएं तो कहां जाएं? लगातार जाम से परेशान जनता अब जिला प्रशासन से ठोस और सख्त कार्रवाई की मांग कर रही है.

बर्धमान दक्षिण में 'कैश फॉर वोट' विवाद

बर्धमान : बर्धमान दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में चुनावी सरगर्मी के बीच एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है. भाजपा उम्मीदवार मौमिता विश्वास मिश्रा के चुनाव प्रचार के दौरान पैसे के लेन-देन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है. तृणमूल कांग्रेस ने इसे चुनाव आचार संहिता का खुला उल्लंघन बताते हुए निर्वाचन आयोग का दरवाजा खटखटाने की चेतावनी दी है.क्या है पूरा मामला ?प्रत्याशी घोषित होने के बाद मौमिता विश्वास ने प्रसिद्ध सर्वमंगला मंदिर में पूजा-अर्चना कर अपने अभियान की शुरुआत की थी. इसी दौरान, कंटेंट क्रिएटर रूपम सिंह द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो ने विवाद को जन्म दिया. वीडियो में कथित तौर पर देखा जा सकता है कि भगवा कुर्ता पहने एक व्यक्ति उम्मीदवार के हाथ में पैसे देता है, जिसे उम्मीदवार बाद में किसी दूसरे व्यक्ति को सौंप देती हैं.

धार्मिक कथा नानी बाई रो मायरो के आयोजन हेतु बांटी गयी जिम्मेवारी

जमशेदपुर : शहर की सामाजिक एवं धार्मिक संस्था नारायणी सेवा ट्रस्ट जमशेदपुर द्वारा तीन दिवसीय धार्मिक कथा नानी बाई रो मायरो का आयोजन 31 मार्च से दो अप्रैल (मंगलवार, बुधवार, गुरूवार) तक होने जा रहा हैं. संस्था से जुड़े 101 सहयोगी परिवार द्वारा इसका आयोजन किया जा रहा हैं. कथा का प्रवचन विश्वविख्यात आध्यात्मिक प्रवक्ता पूज्या सुश्री जया किशोरी जी अपनी सुमधुर वाणी से दोपहर 3 से शाम 7 बजे तक करेगी.कथा साकची स्थित चंदूलाल अशोक कुमार भालोटिया सभागर, बोधि मंदिर मैदान, (राजेन्द्र विधालय के बगल में) होगा, जिसकी तैयारियां शुरू कर दी गयी हैं.

तैयारियों के क्रम में रविवार को मंदिर परिसर में आयोजित हुई एक बैठक में विभागों की जिम्मेदारी बांटी गयी. जिसमें महिलाओं को भी जिम्मेदारी दी गयी हैं. बैठक में अध्यक्ष राजकुमार चंदूका ने बताया कि इस धार्मिक कथा में प्रवेश निःशुल्क हैं लेकिन प्रवेश पास के माध्यम से ही होगा. उन्होंने सभी भक्तों से इस तीन दिवसीय धार्मिक कथा नानी बाई रो मायरो कार्यक्रम में उपस्थित होने का अनुरोध किया हैं.

डकैती की साजिश नाकाम

सिलीगुड़ी :गुप्त सूचना के आधार पर सिलीगुड़ी के एनजेपी (छत्रक्ष) थाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है. शनिवार देर रात सादे लिबास में की गई एक साहसिक छापेमारी के दौरान पुलिस ने सेंटर कॉलोनी के ऊंचू मैदान इलाके से तीन कुख्यात बदमाशों को गिरफ्तार करने में कामयाबी पाई है. सेंटर कॉलोनी इलाके में लगभग 8 से 10 बदमाशों का एक गिरोह डकैती की बड़ी साजिश रचने के उद्देश्य से इकट्ठा हुआ था. पुलिस को जैसे ही इस जमावड़े की सटीक जानकारी मिली,

झाड़ग्राम में चुनाव से पहले कड़ा सुरक्षा घेरा और सख्त निगरानी

झाड़ग्राम : आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर झाड़ग्राम जिले में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू कर दी गई है. चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद से ही रविवार सुबह से ही जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों में एक साथ नाका चेकिंग, गश्त और व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है.

जिला प्रशासन के अनुसार, केंद्रीय बलों की 232 नंबर महिला बटालियन और 24 नंबर बटालियन के जवानों के साथ राज्य पुलिस के अधिकारी संयुक्त रूप से यह विशेष अभियान चला रहे हैं. हर महत्वपूर्ण चौराहे और अंतरराज्यीय सीमाओं पर सीसीटीवी कैमरे और निगरानी चौकियां स्थापित की गई हैं.झाड़ग्राम की सीमाएं एक ओर ओडिशा और दूसरी ओर झारखंड से लगती हैं,

इसलिए बाहरी राज्यों से किसी भी असामाजिक तत्व की घुसपैठ रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है.

चुनाव के दौरान अवैध धन, हथियार या अन्य सामग्री की तस्करी रोकने के लिए हर वाहन का नंबर दर्ज किया जा रहा है और यात्रियों की विस्तृत जानकारी ली जा रही है.आम मतदाताओं में विश्वास बहाल करने और भयमुक्त वातावरण बनाने के लिए केंद्रीय बलों द्वारा गांव से शहर तक लगातार रूट मार्च किया जा रहा है.गौरतलब है कि एक समय माओवादी गतिविधियों से प्रभावित रहे जंगलमहल क्षेत्र की संवेदनशीलता को देखते हुए इस बार चुनाव आयोग ने सुरक्षा पर विशेष जोर दिया है

.प्रशासन किसी भी प्रकार का जोखिम उठाने के मूड में नहीं है और निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और स्वतंत्र चुनाव सुनिश्चित करना ही इस व्यापक सुरक्षा व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य है. साथ ही जिले के संवेदनशील इलाकों में ड्रोन के जरिए निगरानी की भी योजना बनाई गई है.

बालिका अंडर-23 क्रिकेट टीम देवघर के लिए रवाना

पाकुड़:जिले की बालिका अंडर -23 क्रिकेट टीम को आज झारखंड राज्य क्रिकेट संघ द्वारा देवघर में आयोजित राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लेने हेतु आवश्यक खेल सामग्री प्रदान कर हर्षोल्लास के साथ जिला क्रीड़ा पदाधिकारी राहुल कुमार, जिला क्रिकेट संघ के सचिव प्रणय तिवारी एवं टीम के प्रशिक्षक रानू सिंह ने रवाना किया. यह पहला अवसर है जब पाकुड़ जिले की बालिका टीम इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भाग ले रही है, इस अवसर पर उपायुक्त मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक सह अध्यक्ष जिलाअन्य वरीय पदाधिकारियों ने टीम को शुभकामनाएं देते हुए

टीडीएस से संबंधित मुद्दे तथा नया आयकर अधिनियम विषय पर कार्यशाला-सह-जन जागरूकता कार्यक्रम

युवा शक्ति न्यूज

टेकारी(गया) : दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के प्रबंधन संकाय के अंतर्गत वाणिज्य एवं व्यवसाय अध्ययन विभाग द्वारा आयकर विभाग (टीडीएस सर्कल, पटना) के संयुक्त तत्वावधान में टीडीएस से संबंधित मुद्दे तथा नया आयकर अधिनियम, 2025 विषय पर एक कार्यशाला-सह-जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया.कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत वाणिज्य एवं व्यवसाय अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष एवं डीन, प्रो. सुब्रमण्यम षणमुगम के स्वागत भाषण से हुई.अपने स्वागत एवं उद्घाटन भाषण में उन्होंने ऐसे कार्यक्रमों की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए अकादमिक जगत और प्रशासनिक संस्थाओं के बीच समन्वय की आवश्यकता को रेखांकित किया.जन सम्पर्क पदाधिकारी (पीआरओ) मोहम्मद मुदस्सीर आलम ने रविवार को बताया कि इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में राज गौरव, सहायक आयुक्त, आयकर (टीडीएस सर्कल, पटना) ने विवेकानन्द सभागार को संबोधित किया.उन्होंने टीडीएस के विभिन्न पहलुओं के साथ-साथ नए आयकर अधिनियम 2025 के प्रमुख प्रावधानों, लाभों एवं महत्व पर विस्तार से चर्चा की. साथ ही नज अभियान की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए करदाताओं के बीच स्वैच्छिक अनुपालन को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया.इसके पश्चात महेश कुमार राव, आयकर अधिकारी, टीडीएस वार्ड, पटना ने टीडीएस की व्यावहारिक कार्यप्रणाली को सरल एवं प्रभावी तरीके से समझाया, जिससे प्रतिभागियों को वास्तविक प्रक्रियाओं की स्पष्ट जानकारी प्राप्त हुई.कार्यक्रम के दौरान सीए अंकित कुमार ने आयकर अधिनियम के विधिक प्रावधानों पर प्रकाश डालते हुए जटिल विषयों को सरल एवं सहज रूप में प्रस्तुत किया.उन्होंने नए आयकर अधिनियम 2025 और पुराने आयकर अधिनियम 1961 के बीच के प्रमुख अंतरों को भी स्पष्ट किया.कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं संकायों के प्रतिष्ठित विभागाध्यक्ष, डीन, शिक्षकगण एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें वित्त अधिकारी रश्मि त्रिपाठी, परीक्षा नियंत्रक शांति गोपाल पाइन, प्रो. बृजेश कुमार, डॉ. राजनारायणन, प्रो. कृष्णन चालिल, प्रो. विपिन सिंह, प्रो. किरण कुमारी, डॉ. पावस कुमार, डॉ. प्रदीप राम तथा उप-कुलसचिव प्रतिश दास आदि शामिल थे.कार्यक्रम के दौरान सीयूएसबी के कर्मियों की सक्रिय सहभागिता एवं सार्थक विचार-विमर्श ने इसे अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रभावशाली बनाया.कार्यक्रम का समापन कार्यक्रम समन्वयक सहायक प्राध्यापिका श्रीमती रेनू के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने सभी अतिथियों, आयोजकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया. कार्यक्रम का सफल संचालन वाणिज्य एवं व्यवसाय अध्ययन विभाग की शोधार्थी अमृता सिंह एवं ऐश्वर्या द्वारा किया गया.साथ ही अभिषेक, पारिजात, ईशा, गौतम एवं अर्चित सहित छात्रों ने इस आयोजन की सफलता में सराहनीय योगदान दिया.

नहाए-खाए के साथ चैती छठ की शुरुआत

पाकुड़: लोक आस्था का महापर्व चैती छठ रविवार से नहाए-खाए के साथ श्रद्धा और उत्साह के बीच शुरू हो गया. चार दिवसीय इस पवित्र अनुष्ठान के पहले दिन व्रतियों ने नदी और तालाबों में स्नान कर कद्दू-भात का प्रसाद ग्रहण किया और विधिवत पूजा-अर्चना की.महापर्व के दूसरे दिन खरना के साथ ही 36 घंटे का निर्जला उपवास प्रारंभ होगा. सोमवार की शाम अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य अर्पित किया जाएगा, जबकि मंगलवार सुबह उदयगामी सूर्य को अर्घ्य देने के साथ यह पर्व संपन्न होगा. हालांकि आस्था और परंपरा के इस महापर्व के बीच नगर परिषद की लापरवाही साफ तौर पर सामने आ रही है. शहर के प्रमुख छठ घाट-शिव शीतला मंदिर घाट, टीन बांग्ला पोखर और काली भसान छठ पोखर-पर गंदगी का अंबार लगा हुआ है. कहीं कचरा फैला है तो कहीं जलभराव और अव्यवस्था से व्रतियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. गौरतलब है कि चैती छठ में व्रतियों की संख्या अपेक्षाकृत कम होती है, बावजूद इसके घाटों की साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था नहीं की गई है. इससे नगर परिषद की तैयारियों पर सवाल खड़े हो रहे हैं और श्रद्धालुओं में नाराजगी भी देखी जा रही है. व्रतियों और स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द घाटों की सफाई और आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि आस्था के इस महापर्व को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण में संपन्न किया जा सके.

संपादकीय

कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए

कोलकाता | सोमवार | 23 मार्च, 2026

सीवर में मौतें

सदियों की लाचारी और समाज की संवेदनहीनता के चलते हाथ से सीवर की सफाई की अमानवीय प्रथा बदस्तूर जारी है. जारी ही नहीं है बल्कि मजबूर सफाई कर्मियों की मौत का सबब भी बनी हुई है. निश्चय ही यह घिनौनी प्रथा किसी भी सभ्य समाज के लिये एक कलंक के समान ही है. सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि हाथ से सीवर लाइन साफ करने की प्रथा मजबूर लोगों की लगातार जान ले रही है. हाल ही में लोकसभा में पेश किए गए आंकड़े इस समस्या के भयावह पक्ष को ही उजागर करते हैं. केंद्र सरकार की ओर बीते सप्ताह लोकसभा में बताया गया कि साल 2017 से अब तक देश में सीवर और सेप्टिक टैंक साफ करते हुए 620 से अधिक सफाईकर्मियों की मौत हो चुकी है. कहना कठिन है कि ये आंकड़े वास्तविक हैं या सभी मौतों को देश में रिपोर्ट किया जा रहा है. ग्रामीण व दूरदराज के इलाकों में ठेकेदार दिहाड़ीदार सफाई कर्मियों की मौत को रफा-दफा करने का प्रयास करते हैं. कुछ चतुर-चालाक लोग परिजनों की मजबूरी को भांपते हुए छोटी-मोटी रकम देकर मामले पर पर्दा डाल देते हैं. ऐसे मामले शायद ही सामने आते हों कि सरकार के सख्त निर्देशों के बावजूद सफाईकर्मियों से सीवर व सेप्टिक टैंक की सफाई करवाने वाले ठेकेदार व स्थानीय निकाय के अधिकारियों को दंडित किया गया हो. क्या किसी लोकतांत्रिक समाज में किसी मजबूर सफाईकर्मी के जीवन का कोई मूल्य नहीं है? निस्संदेह, लोकसभा में पेश किए गए आंकड़े घोर लापरवाही को ही उजागर करते हैं. विडंबना यह भी है कि जहां सिर्फ 539 परिवारों को पूरा मुआवजा मिला है, वहीं करीब 52 परिवारों को कोई पैसा नहीं मिला. निर्विवाद रूप से किसी मृत सफाई कर्मी के परिजनों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता कोई दान नहीं है, बल्कि समाज का एक कानूनी और नैतिक दायित्व भी है. जब इस जरूरी सहायता में कोई कमी रह जाती है तो हमारी व्यवस्थागत उदासीनता ही उजागर होती है. निस्संदेह, यह कष्टकारी स्थिति साल 2047 में देश को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प पर सवालिया निशान लगाती है. वहीं सरकारी दावा है कि मैनुअल स्कैवेंजर्स के रूप में रोजगार निषेध और उनके पुनर्वास अधिनियम, 2013 में किए गए एक सर्वेक्षण में देशभर के किसी भी जिले में हाथ से मैला साफ करने वाले सफाईकर्मी नहीं पाए गए हैं. सवाल ये है कि जब हाथ से सफाई करने वाले सफाई कर्मचारी देश में नहीं हैं तो सीवर व सेप्टिक टैंक में जहरीली गैस के चपेट में आकर लोगों के मरने की खबरें कैसे आ रही हैं? यह दुखद ही है कि बीते मंगलवार को छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित एक प्रमुख अस्पताल में सेप्टिक टैंक की सफाई करते समय जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन सफाई कर्मचारी की दर्दनाक मौत हो गई. सीवर-सेप्टिक टैंक की सफाई में मशीन के उपयोग को बढ़ावा देकर मैनुअल स्कैवेंजिंग को खत्म करने के उद्देश्य से ही सरकार द्वारा साल 2023-24 में शुरू की गई राष्ट्रीय मशीनीकृत स्वच्छता पारिस्थितिकीय तंत्र यानी नमस्ते परियोजना को अभी भी लंबा रास्ता तय करना है. केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री ने पिछले दिनों स्वीकार किया था कि मशीनीकरण के कारण दक्षता या सफाई व्यवस्था में सुधार के जरूरी संकेतक अभी तक पहचान में नहीं आए हैं. राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग को पिछले वर्ष वेतन का भुगतान न होने, सुरक्षा उपकरणों की कमी और जाति आधारित भेदभाव को लेकर करीब 842 शिकायतें प्राप्त हुई थीं. जो इस बात का प्रमाण हैं कि समस्या की जड़ें बहुत गहरे रूप में विद्यमान हैं. हालांकि सरकारी दावा है कि सफाई का काम व्यवसाय पर आधारित है. लेकिन आंकड़े बताते हैं कि सदियों से हाशिये पर पड़े समुदायों के श्रमिकों के बूते ही सफाई व्यवस्था चलायी जा रही है. निस्संदेह, दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था का दावा करने वाले समाज को यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी नागरिक को अमानवीय परिस्थितियों में काम करने के लिये बाध्य नहीं किया जाना चाहिए. श्रम की गरिमा के सवाल का जवाब महज एक नारे से हासिल नहीं किया जा सकता. इसे एक जमीनी हकीकत बनाना होगा.

(शहीद दिवस/23 मार्च/ विशेष)

भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के विचार आज भी जिंदा हैं

– योगेश कुमार गोयल

देश के महान वीर सपूतों भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रतिवर्ष 23 मार्च को शहीद दिवस मनाया जाता है, जो प्रत्येक भारतवासी को गौरव का अनुभव कराता है. यह वही दिन है, जब अंग्रेजों ने भारत की आजादी के लिए लड़े भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को अंग्रेजों ने ब्रिटिश पुलिस अधिकारी जॉन सॉन्डर्स की हत्या के आरोप में फांसी पर लटका दिया था. हालांकि पहले इन वीर सपूतों को 24 मार्च 1931 को फांसी दी जानी थी लेकिन इनके बुलंद हौसलों से भयभीत ब्रिटिश सरकार ने जन आन्दोलन को कुचलने के लिए उन्हें एक दिन पहले 23 मार्च 1931 को ही फांसी दे दी थी. क्रांतिकारी राजगुरु और सुखदेव का नाम हालांकि सदैव शहीदे आजम भगत सिंह के बाद ही आता है लेकिन भगत सिंह का नाम आजादी के इन दोनों महान क्रांतिकारियों के बगैर अधूरा है क्योंकि इनका योगदान भी भगत सिंह से किसी भी मायने में कमतर नहीं है. तीनों की विचारधारा एक ही थी, इसीलिए तीनों की मित्रता बेहद सुदृढ़ और मजबूत थी. भगत सिंह और सुखदेव के परिवार लायलपुर में आसपास ही रहते थे और दोनों परिवारों में गहरी दोस्ती थी. 15 मई 1907 को पंजाब के लायलपुर में जन्मे सुखदेव भगत सिंह की ही तरह बचपन से आजादी का सपना पाले हुए थे. भगत सिंह, कामरेड रामचन्द्र और भगवती चरण बोहरा के साथ मिलकर उन्होंने लाहौर में नौजवान भारत सभा का गठन कर सॉन्डर्स हत्याकांड में भगतसिंह तथा राजगुरु का साथ दिया था. 24 अगस्त 1908 को पुणे के खेड़ा में जन्मे राजगुरु छत्रपति शिवाजी की छापामार शैली के प्रशंसक थे और लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के विचारों से काफी प्रभावित थे. अच्छे निशानेबाज रहे राजगुरु का रुझान जीवन के शुरुआती दिनों से ही क्रांतिकारी गतिविधियों की तरफ होने लगा था. वाराणसी में उनका सम्पर्क क्रांतिकारियों से हुआ और वे हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी से जुड़ गए. चन्द्रशेखर आजाद, भगत सिंह और जतिन दास राजगुरु के अभिन्न मित्र थे. पुलिस के बर्बर लाठीचार्ज के कारण स्वतंत्रता संग्राम के दिग्गज नेता लाला लाजपत राय की मौत का बदला लेने के लिए राजगुरु ने 19 दिसम्बर 1928 को भगत सिंह के साथ मिलकर लाहौर में जॉन सॉन्डर्स को गोली मारकर स्वयं को गिरफ्तार करा दिया था और भगत सिंह वेश बदलकर कलकत्ता निकल गए थे, जहां उन्होंने बम बनाने की विधि सीखी. भगत सिंह बिना कोई खून-खराबा किए ब्रिटिश शासन तक अपनी आवाज पहुंचाना चाहते थे लेकिन तीनों क्रांतिकारियों को अब यकीन हो गया था कि पराधीन भारत की बेड़ियां केवल अहिंसा की नीतियों से नहीं काटी जा सकती. इसीलिए उन्होंने अंग्रेजों की मजदूरों के प्रति शोषण की नीतियों के पारित होने के खिलाफ विरोध प्रकट करने के लिए लाहौर की केंद्रीय असेंबली में बम फेंकने की योजना बनाई. 1929 में चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में पब्लिक सेफ्टी और ट्रेड डिस्प्यूट बिल के विरोध में सेंट्रल असेंबली में बम फेंकने के लिए हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी की पहली बैठक हुई. योजनाबद्ध तरीके से भगत सिंह ने 08 अप्रैल 1929 को बटुकेश्वर दत्त के साथ केन्द्रीय असेंबली में एक खाली स्थान पर बम फेंका, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया. हालांकि वे चाहते तो भाग सकते थे लेकिन भगत सिंह का मानना था कि गिरफ्तार होकर वे बेहतर तरीके से अपना संदेश दुनिया के सामने रख पाएंगे. असेंबली में फेंके गए बम से कुछ पर्चे भी फेंके गए थे, जिनमें भगत सिंह ने लिखा था कि आदमी को मारा जा सकता है, उसके विचारों को नहीं. बड़े साम्राज्यों का पतन हो जाता है लेकिन विचार हमेशा जीवित रहते हैं और बहरे हो चुके लोगों को सुनाने के लिए ऊंची आवाज जरूरी है. हालांकि भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया गया था लेकिन पुलिस ने तीनों को जॉन सॉन्डर्स की हत्या के लिए आरोपित किया. गिरफ्तारी के बाद सॉन्डर्स की हत्या में शामिल होने के आरोप में भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव पर देशद्रोह तथा हत्या का मुकदमा चलाया गया और उन्हें मौत की सजा सुनाई गई. इसी मामले को बाद में लाहौर षड्यंत्र केस के नाम से जाना गया. भगत सिंह और उनके साथियों ने 64 दिनों तक भूख हड़ताल की. 23 मार्च 1931 की शाम भारत मां के इन तीनों महान वीर सपूतों को फांसी दे दी गई. फांसी पर जाते समय तीनों एक स्वर में गा रहे थे- *दिल से निकलेगी न मरकर भी वतन की उल्फत, मेरी मिट्टी से भी खुशबू ए वतन आएगी.* ब्रिटिश हुकूमत को उखाड़ फेंकने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले इन तीनों महान स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को देश सदैव याद रखेगा. वतन के लिए त्याग और बलिदान इनके लिए सर्वोपरि रहा. इनके विचार आज भी देश के करोड़ों युवाओं का मार्गदर्शन करते हैं. ***(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)***

होर्मुज संकटः रास्ते कई लेकिन हरेक की अपनी कीमत

– अमरेश द्विवेदी

ईरान के साथ अमेरिका-इज़राइल के सैन्य टकराव ने वैश्विक व्यापार के निर्बाध प्रवाह के लिए जलमार्गों के महत्व को उजागर किया है. आज की परस्पर जुड़ी हुई दुनिया में समुद्री मार्ग सिर्फ पानी के रास्ते नहीं हैं- ये वैश्विक अर्थव्यवस्था की धमनियां हैं. दुनिया का लगभग 80 प्रतिशत व्यापार (मात्रा के हिसाब से) और 70 प्रतिशत से अधिक (मूल्य के हिसाब से) समुद्री परिवहन पर निर्भर करता है. ऐसे में कुछ संकरे लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण जलमार्ग हैं जिन्हें चोक प्वॉइंट्स कहा जाता है और ये पूरी दुनिया की सप्लाई चेन को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं. हाल के वर्षों में विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव और इसके बंद होने की स्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया है कि ये जलमार्ग कितने संवेदनशील और महत्वपूर्ण हैं. होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रभावी रूप से बंद हो जाने के बाद जिससे दुनिया की लगभग 20 प्रतिशत तेल आपूर्ति गुजरती है- दुनिया को ऊर्जा आपूर्ति बनाए रखने में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है. इसके अलावा, स्वेज नहर, पनामा नहर और मलक्का जलसंधि जैसे महत्वपूर्ण जलमार्गों में किसी भी तरह की रुकावट से व्यापार में भारी देरी हो सकती है. इसके चलते शिपिंग कंपनियों को केप ऑफ़ गुड होप जैसे लंबे रास्तों का चुनाव करना पड़ता है, जिससे उपभोक्ताओं के लिए लागत बढ़ जाती है. आईए, जानते हैं दुनिया भर के सामानों के परिवहन के लिए 10 सबसे महत्वपूर्ण जलमार्गों को, जब ऐसे मार्ग बाधित होते हैं तो न केवल ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित होती है बल्कि वैश्विक महंगाई, आपूर्ति संकट और भू-राजनीतिक तनाव भी बढ़ जाते हैं.

होर्मुज जलडमरूमध्य : यह दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा जलमार्ग है. यह फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है और वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20% यहीं से गुजरता है. यहां से प्रतिदिन 20 से 21 मिलियन बैरल तेल निकलता है. इसकी सबसे संकरी चौड़ाई मात्र 39 किमी है, जिससे यह अत्यंत संवेदनशील बन जाता है. वैश्विक तेल और द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति के पांचवें हिस्से के लिए एकमात्र समुद्री निकास मार्ग का काम करता है. यह जलसंधि वर्तमान में ईरान और उसके पड़ोसी खाड़ी देशों के बीच तनाव का एक प्रमुख केंद्र बनी हुई है. अगर यह मार्ग बंद हो जाए तो तेल की कीमतों में भारी उछाल आना तय है.

बाब अल-मंडेब : यह लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है और स्वेज नहर के लिए प्रवेश द्वार का काम करता है. यह मार्ग वैश्विक व्यापार के लगभग 12% हिस्से को संभालता है. सबसे संकरी चौड़ाई 32 किमी है और यहां से प्रतिदिन 4 मिलियन बैरल तेल निकलता है. यमन में चल रहे संघर्ष और हूती विद्रोहियों के हमलों ने इस क्षेत्र को अस्थिर बना दिया है. यदि यह मार्ग बाधित होता है तो जहाजों को केप ऑफ गुड होप से लंबा चक्कर लगाना पड़ता है.

स्वेज नहर : सिनाई प्रायद्वीप को बाकी मिस्र से अलग करती है और भूमध्य सागर को लाल सागर से जोड़ती है. यहां से प्रति दिन 50 लाख बैरल तेल निकलता है. इसकी सबसे संकरी जगह मात्र 225 मीटर (740 फ़ीट) है. 1869 में खुली स्वेज़ नहर, एशिया और यूरोप के बीच सफ़र के लिए एक बहुत ज़रूरी छोटा रास्ता है. इससे लगभग 8,900 किमी की दूरी कम हो जाती है और अफ़्रीका के चारों ओर से घूमकर जाने की ज़रूरत नहीं पड़ती. साल 2021 में एवरग्रीन मरीन द्वारा चलाया जा रहा एक बड़ा कंटेनर जहाज नहर में फँस गया था, जिससे वैश्विक व्यापार छह दिनों तक ठप हो गया. इस घटना ने दिखाया कि एक छोटे हिस्से भी कितना बड़ा आर्थिक प्रभाव डाल सकते हैं.

तुर्की जलडमरूमध्य : यह इस्तांबुल और डार्डानेल्स से होकर गुज़रता है और काला सागर को भूमध्य सागर से जोड़ता है. अपने सबसे संकरी जगह पर 700 मीटर है और यहां से प्रतिदिन 30-40 लाख बैरल तेल निकलता है. बोस्फोरस और डार्डानेल्स से मिलकर बना तुर्की जलडमरूमध्य, काला सागर और भूमध्य सागर के बीच एकमात्र समुद्री रास्ता है. यह पूर्वी यूरोप के ज़्यादातर हिस्से को बाकी दुनिया से जोड़ता है और तेल और प्राकृतिक गैस के आने-जाने में मदद करता है, जो दुनिया भर के ऊर्जा बाज़ारों के लिए बहुत जरूरी हैं.

जिब्राल्टर जलडमरूमध्य : स्पेन-मोरक्को के बीच है जो अटलांटिक महासागर को भूमध्य सागर से जोड़ता है. इसकी चौड़ाई 13 किमी की है और यहां से प्रतिदिन 50-60 लाख बैरल तेल निकलता है. यह जलडमरूमध्य, अटलांटिक महासागर और भूमध्य सागर के बीच एकमात्र प्राकृतिक समुद्री रास्ता है. स्वेज़ नहर की ओर जाने वाले सभी जहाज़ों के लिए यह पश्चिमी प्रवेश द्वार है. इस जलडमरूमध्य का एक लंबा इतिहास रहा है, जहाँ यह धरती के सबसे ज़्यादा विवादित और घेराबंदी वाले समुद्री रास्तों में से एक रहा है.

डेनिश जलडमरूमध्य : यह डेनमार्क को स्वीडन से अलग करता है और बाल्टिक सागर को उत्तरी सागर से जोड़ता है. इसकी चौड़ाई 3.7 किमी है और यहां से प्रतिदिन 50 लाख बैरल तेल निकलता है. बाल्टिक बंदरगाहों से दुनिया भर में रूसी तेल भेजने का यह मुख्य रास्ता है. ये संकरे डेनिश जलडमरूमध्य बहुत ज़रूरी समुद्री रास्ते हैं, जो जहाज़ों के बड़े पैमाने पर आने-जाने में मदद करते हैं और उत्तरी यूरोप को दुनिया भर के बाज़ारों से जोड़ते हैं.

मलक्का जलडमरूमध्य : मलेशिया, सिंगापुर और इंडोनेशिया के बीच मौजूद यह हिंद महासागर और दक्षिण चीन सागर को जोड़ता है. इसकी चौड़ाई 2.8 किमी है और यहां से प्रति दिन 23 मिलियन बैरल तेल निकलता है. धरती के सबसे व्यस्त मार्गों में से एक, इस जलडमरूमध्य से दुनिया का लगभग 40 प्रतिशत व्यापार और चीन का 80 प्रतिशत तेल आयात गुजरता है. यह दुनिया का सबसे व्यस्त चोकप्वॉइंट है, जहां से होर्मुज जलडमरूमध्य की तुलना में अधिक मात्रा में तेल का परिवहन होता है.

ताइवान जलडमरूमध्य : दुनिया के सेमीकंडक्टर इसी महत्वपूर्ण चोकप्वॉइंट से होकर गुजरते हैं. इसकी मुख्य भूमि चीन को ताइवान से अलग करती है और दक्षिण चीन सागर को पूर्वी चीन सागर से जोड़ती है. इसकी चौड़ाई 130 किमी और मूल्य के आधार पर यह सालाना दुनिया के 20 प्रतिशत से अधिक समुद्री व्यापार को संभालता है. इस जलडमरूमध्य में ताइवान और चीन के बीच बढ़ता तनाव देखा गया है, जिसकी पहचान दोनों पक्षों द्वारा बढ़ाए जा रहे सैन्य टकरावों और नौसैनिक अभ्यासों से होती है.

पनामा नहर : यह नहर पनामा से होकर गुजरती है, जो कैरिबियन सागर को प्रशांत महासागर से जोड़ती है. इसकी सबसे संकरी चौड़ाई मात्र 222 मीटर है और यहां से प्रतिदिन 20 से 30 लाख बैरल तेल निकलता है. साल 1914 में खोली गई इस नहर में एक लॉक सिस्टम है, जो जहाज़ों को समुद्र के अलग-अलग स्तरों के बीच ऊपर-नीचे करता है. यह अमेरिका के कुल कंटेनर ट्रैफ़िक के 40 प्रतिशत हिस्से के लिए एक रास्ता है. यह ऊर्जा सुरक्षा के लिए एक अहम कड़ी का काम करती है, और अमेरिका से एशिया जाने वाले 95 प्रतिशत से ज़्यादा लिक्विफ़ाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) के निर्यात को संभालती है.

केप ऑफ गुड होप : दक्षिण अफ़्रीका में केप प्रायद्वीप के दक्षिण-पश्चिमी सिरे पर है और यहां से प्रति दिन 90 लाख बैरल तेल निकलता है. स्वेज नहर वाले रास्ते की तुलना में, यह रास्ता एशिया और यूरोप के बीच 5550 से 7400 किमी को जोड़ देता है जो यात्राओं में 10 से 14 दिन लगता है और साथ ही बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य से भी बचाता है. हाल के समय में, इस रास्ते को वैश्विक व्यापार के लिए एकमात्र व्यावहारिक गलियारे के तौर पर अहमियत मिली है, जो मध्य पूर्व को बाईपास करता है.

इन सभी जलमार्गों की एक समान विशेषता है-रणनीतिक रूप से इनका संवेदनशील होना. ये संकरे हैं लेकिन इनका महत्व अत्यधिक है. एक छोटी-सी बाधा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को बाधित कर सकती है. जिससे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, वस्तुओं की कमी होती है और आर्थिक अस्थिरता पैदा होती है. आज के भू-राजनीतिक माहौल में जहां संघर्ष और प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है, इन समुद्री मार्गों की सुरक्षा और स्थिरता पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है. दुनिया के देश अब वैकल्पिक मार्गों, ऊर्जा स्रोतों और सप्लाई चेन के विविधीकरण पर जोर दे रहे हैं. ***(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं)***

WORLD'S CRUDE SUPPLY LINES

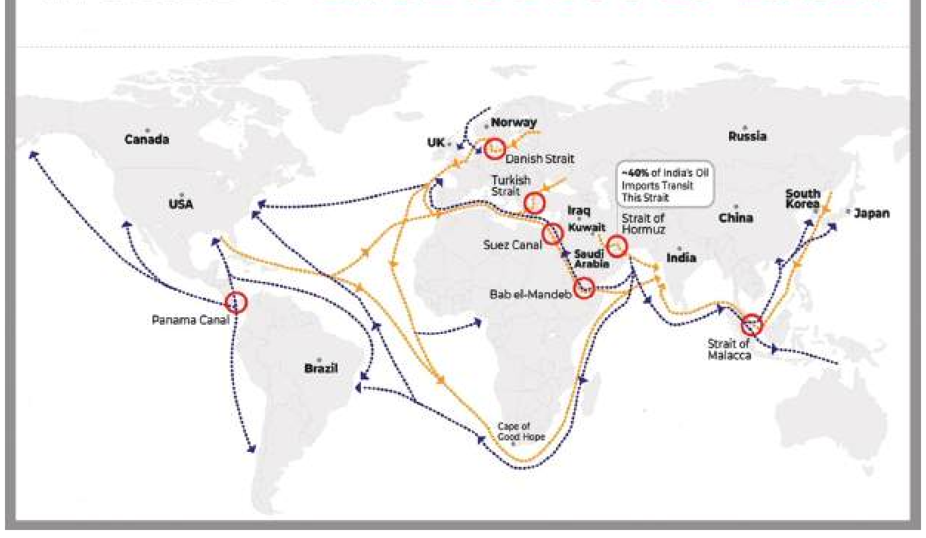

आपका जन्मदिन मंगलमय हो

23 मार्च

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ. आपका जन्मतिथि 23 मार्च है. अंक ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मतिथि का अधिष्ठाता ग्रह बुध है. इस माह का अधिपति ग्रह वृहस्पति है. आपके ऊपर वृहस्पति एवं बुध ग्रह का सम्मिलित प्रभाव आजीवन रहेगा. व्यक्तित्व आकर्षक होगा. प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी होंगे. विचारों में स्थिरता का समावेश रहेगा. व्यर्थ का समय गँवाना पसन्द नहीं करेंगे. मन मस्तिष्क में सदैव नये-नये विचार आते रहेंगे. मनो-विनोद की ओर रूझान अधिक रहेगा. तर्क शक्ति तीव्र होगी. विपरीत परिस्थिति में हताश होने की अपेक्षा दुगुने जोश के साथ कार्य करने में लगे रहेंगे. स्वार्थ गुण विशेष रूप से देखने को मिलेगा. आप अपने बातों से सबको खुश रखेंगे. जीवन में मनोरंजन व यात्रा का भरपूर अवसर मिलेगा. आत्मिक शांति के लिए जीवन में अनेकों परिवर्तन करेंगे. कला-सौन्दर्य-संगीत की ओर रुझान रहेगा. आकस्मिक लाभ का सुयोग प्राप्त होगा. सदैव जोखिम उठाने के लिए तैयार रहेंगे. कठिनाइयों की निवृत्ति हेतु आपको चाहिए कि आप नियमित रूप से देव अर्चना अवश्य करें. अपने दैनिक जीवन में सफेद एवं हरा रंग का प्रयोग अधिकतम करें. सोने का कड़ा दाहिने हाथ में पहने. अपनी परम्परा के अनुसार धर्म का पालन अवश्य करें. मुफ्त में किसी वस्तु की चाह न करें. अहिंसा का पालन करें. सफलता के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें.

आपके लिए अनुकूल :-

मन्त्र	:	ॐ बुं बुधाय नम:	मास	:	जनवरी, मई एवं दिसम्बर
व्रत	:	बुधवार	वर्ष	:	5, 14, 23, 32, 41, 50, 59, 68
दिन	:	रविवार, गुरुवार एवं शनिवार	रंग	:	सफेद एवं हरा
दिनांक	:	5, 14, 23	जन्मरत्न	:	पन्ना
अंक	:	4, 6, 8	उपरत्न	:	एक्वामैरीन

यंत्र

9	4	11
10	8	6
5	12	7

वर्ष का महत्वपूर्ण समय – 21 मई से 20 जून, 21 अगस्त से 20 सितम्बर

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित व अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद

विमल जैन एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, पंचक्रोशी मार्ग, भोजूबीर, वाराणसी-221002 मो0 : 09335414722

आपका आज का दिन 2026

मेष : आर्थिक प्रगति हेतु मित्रों से विचार-विमर्श, आशाएँ फलीभूत, मित्रों-परिजनों से विचार विमर्श, जीवन साथी से सानिध्य, बकाए धन की वसूली, विवाद का समापन.

वृषभ : पराक्रम में वृद्धि, विनियोजित धन का प्रतिफल प्राप्त, भाग्योन्नति के नवीन आयाम सुलभ, दाम्पत्य जीवन में मधुरता, उत्साह में वृद्धि, बुद्धि का विकास, खुशी भी.

मिथुन: आरोप प्रत्यारोप की स्थिति उपस्थित, किसी से विश्वासघात की आशंका, वाद-विवाद से कष्ट, जोखिम से हानि, धन की क्षति, स्वजनों से मनमुटाव, एकाग्रता भंग.

कर्क : सामयिक सिद्धि का प्रयास सार्थक, परिस्थितियों में क्रमिक सुधार, कुछेक समस्याएं हल, मनोविनोद के सुअवसर प्राप्त, योजना को मूर्तरूप में परिणित.

सिंह : वाक्पटुता से संकल्प सिद्धि, परिवार में हर्ष एवं उल्लास का वातावरण, प्रभावशाली हस्तियों से सम्पर्क, कार्य-व्यवसाय अर्थ पक्ष में उन्नति, संत समागम.

कन्या: स्वास्थ्य सुधार पर, किसी योजना की पूर्ति हेतु प्रयत्नशील, आत्मसंयम से प्रगति का सिलसिला, दाम्पत्य जीवन सुखमय, मनो-विनोद के सुअवसर प्राप्त, लाभ भी.

तुला: पारिवारिक उत्तरदायित्व की पूर्ति में व्यवधान, कार्य-क्षमता में व्यतिक्रम, व्यवहार में लापरवाही नुकसानदायक, आय की तुलना में व्यय अधिक, विवाद से अशांति.

वृश्चिक : आर्थिक उन्नति का सुयोग, आशानुकूल घटनाएँ घटित, राजकीय पक्ष से लाभान्वित, मित्रों-स्वजनों से अपेक्षित सहयोग, अध्यावसाय की ओर रुझान.

धनु : कार्य-व्यवसाय में विस्तार, आत्मसंयम से कार्य सिद्धि, परिश्रम के अनुरूप सफलता, रचनात्मक कार्यों में वृद्धि, पारिवारिक सम्बन्धों में सुधार, मान-प्रतिष्ठा.

मकर : वांछित प्रगति का प्रयास सार्थक, अपनी प्रतिभा का सदुपयोग, आमोद-प्रमोद के साधन उपलब्ध, परीक्षा प्रतियोगिता में महत्वपूर्ण सफलता, स्थान-परिवर्तन.

कुम्भ: उन्नति का मार्ग अवरुद्ध, राजकीय पक्ष से असहयोग, प्रेम सम्बन्धों में प्रतिकूलता, वाद-विवाद की आशंका, शत्रु हानि पहुँचाने की कोशिश में, आलस्य की अधिकता.

मीन: वाक्पटुता से संकल्प सिद्धि, परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण, सामाजिक गतिविधियों में अभिरुचि, आहार-विहार में नवीनता, सोचे हुए कार्य पूर्णता की ओर.

- ज्योतिषाचार्य विमल जैन, वाराणसी, मो. नं. 09335414722

मानव धर्म-शास्त्र

लेखक : लक्ष्मी नारायण मीणा

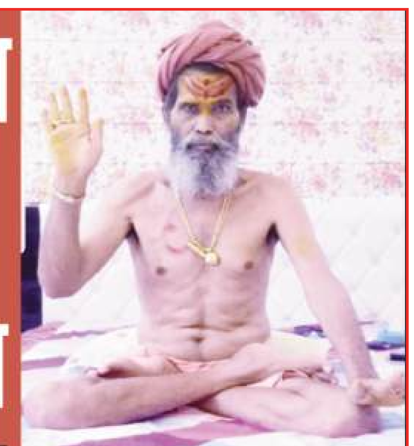

मानव धर्मशास्त्र के प्रणेता
अवधूत देवी दास जी महाराज

अष्टम स्कन्ध

जन्मत सुत रां उच्चारी । पीड़ा प्रसव विगत महतारी ।।
चहुँदिसि भयउ प्रकृति उछाहु । मंगल सुगन अनुकूल सबाहु ।।

व्याख्या - जन्म लेते ही पुत्र ने रां नाम का उच्चारण किया, जिससे माता की प्रसव पीड़ा तुरन्त दूर हो गई । चारों तरफ प्रकृति में उत्साह छा गया तथा समस्त मंगलकारी सगुन होने लग गए ।

समाचार सुनि ऋषि सब आए । देखि मुख छवि आशीष बरसाए ।।
बालक इहँ होइब ब्रम्ह ग्यानी । सकल ऋषि मुनि कहा बखानी ।।

व्याख्या - समाचार सुनकर सब ऋषि आए और बालक की छवि देखकर आर्शीवाद देने लगे । सब ऋषि - मुनियों ने कहा कि यह बालक ब्रम्हज्ञानी होगा ।

(विश्व मौसम विज्ञान दिवस विशेष 23 मार्च 2026)

बदलता मौसम जीवसृष्टी के लिए बेहद खतरनाक

–डॉ. प्रितम भि. गेडाम

पूरी दुनिया आज ग्लोबल वार्मिंग से त्रस्त है, क्योंकि इसका बुरा असर पर्यावरण के प्रत्येक घटक पर हो रहा है और मानवीय जीवन बेहद प्रभावित हुआ है, जबकि इस भयावह परिस्थिति का जिम्मेदार मनुष्य स्वयं हैं. मनुष्य ने अपने लालच, स्वार्थ और गैरजिम्मेदाराना हरकत से समस्त जीवसृष्टी को संकट में डाल दिया है, सभी ओर समस्याओं का अंबार लगा हुआ नजर आता हैं. मौसम का चक्र ऋतु अनुसार परिवर्तनशील चलता रहता है, परंतु लगातार मानवीय हस्तक्षेप से पर्यावरण का संतुलन बिगड़ता ही जा रहा है, जिस कारण मौसम में हमेशा बदलाव नजर आता हैं. कभी गर्मी में बारिश होती है, बारिश में ठंडी, ठंडी में बारिश, तो कभी बारिश में गर्मी होती है, वातावरण में लगातार बढ़ती आर्द्रता से जान घबराती हैं. कहीं बाढ़ तो कहीं अकाल पड़ जाता हैं. ऐसे अचानक मौसम में बदलाव से मानवी शरीर और फसलों, खाद्यपदार्थों पर बेहद बुरा असर होता हैं. शुद्ध वातावरण की देश में वैसे ही कमी होती है, हर ओर प्रदूषण, अशुद्ध हवा-पानी, खाद्यपदार्थों में घातक रसायनों का प्रयोग, मिलावटखोरी, प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन, जंगल कटाई, उपजाऊ भूमि का हास, यांत्रिक संसाधनों पर बढ़ती निर्भरता, हानिकारक गैसों का लगातार उत्सर्जन, खराब उत्पादों की बाजार में व्यापकता और घातक कचरे के बढ़ते पहाड़ ग्लोबल वार्मिंग के लिए जिम्मेदार हैं. पहले के मुकाबले आज लोगों की शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य समस्या तेजी से बढ़ती नजर आती है, मौसम में हल्का सा बदलाव होते ही लोगों में वायरल फैल जाता है, जल्द बीमारी जकड़ लेती है, नयी-नयी जानलेवा बीमारियों ने जन्म ले लिया है, मनुष्य की रोग प्रतिकारक क्षमता कम समय में ही कमजोर पड़ जाती हैं. इस बदलते मौसम के दुष्प्रभाव के कारण मनुष्यों के साथ-साथ असंख्य वन्य जीव, जलचर, जीवजंतु असमय जान गंवाते हैं. हर साल 23 मार्च को विश्व मौसम विज्ञान दिवस जनजागरूकता के लिए पुरे विश्व में मनाया जाता हैं. इस वर्ष की थीम है आज निरिक्षण, कल की सुरक्षा. लगातार बदलते मौसम की सटीक जानकारी प्राप्त करना बेहद महत्वपूर्ण है, ताकि उस आंकलन पर विकास और सुरक्षा हेतु योग्य प्रारूप तैयार किया जा सकें. आपदाओं के खतरे को कम करके भविष्य के लिए दढ विकास हम प्राप्त कर सकते हैं. अभी मार्च में शुरू हुई तेज गर्मी सामान्य से 4-8 सेल्सियस ज़्यादा तापमान हैं. हमारे देश में असंतुलित मौसम लगातार अपने नवनवीन रिकॉर्ड बना रहा है, जो दशकों के अपने पुराने रिकॉर्ड तोड़ रहा हैं. गर्मी में अत्यधिक गर्मी, ठंड में अत्यधिक ठंडी और बारिश के मौसम में बाढ़ की भयावह स्थिति हर ओर नजर आती हैं. इस कारण देश में अक्सर बीमारियों का साम्राज्य फला-फूला रहता हैं. लगातार बदलते मौसम से लोगों की सेहत पर गंभीर असर पड़ रहा है. 2025 की शुरुआत में खराब मौसम की घटनाओं से होने वाली मौतों में पिछले सालों के मुकाबले 48 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है. बढ़ते तापमान से ओजोन परत को बहुत नुकसान हो रहा है, जिससे सांस के विकार अधिक गंभीर हो रहे हैं. हीटस्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और दिल की बीमारियां बेतहाशा बढ़ रही हैं. उष्ण लहरों का बढ़ना, कीड़ों से होने वाली बीमारियों का बढ़ना, बाढ़ के कारण पानी से होने वाले इंफेक्शन, डायरिया, हैजा, मलेरिया, डेंगू और अशुद्ध ऑक्सीजन शामिल हैं, इसका सबसे ज्यादा बुरा असर आर्थिक रूप से कमजोर तबके पर बहुत ज़्यादा पड़ता है, जो अपने परिवार के लिए दो वक्त की रोटी-रोजी के जुगाड़ में संघर्ष करते रहते हैं. समुद्री तटीय राज्यों में अक्सर बाढ़, साइक्लोन और हीट वेव का खतरा ज्यादा रहता हैं. मौसम की खराबियों और बार-बार फसल खराब होने के कारण संबंधित व्यवसायिकों या किसानों को मानसिक समस्या जैसे चिंता, नैराश्य और आघातोत्तर तणाव विकार हो सकता हैं. हमारे देश में किसानों को बेहद परिश्रम करने के बाद, प्रकृति की मार झेलने बाद भी योग्य फल या मुआवजा नहीं मिलता, इसलिए किसान आत्महत्या की घटनाएं अत्यधिक घटती हैं. पल-पल बदलता मौसम भारतीय खेती पर गंभीर असर डाल रहा है, जिससे खाद्य सुरक्षा को खतरा है एवं पैदावार कम हो रही हैं. इन बदलावों की वजह से हीट स्ट्रेस हो रहा है, पॉलिनेशन में रुकावट आ रही है, कीड़ों का प्रकोप बढ़ रहा है, और मिट्टी की नमी कम हो रही है, जिससे 2050 तक बारिश पर निर्भर चावल, गेहूं और मक्के की पैदावार में 18-20 प्रतिशत की कमी आने की पूरी संभावना हैं. अनिश्चित, कम या अधिक बारिश से बुआई का समय बिगड़ जाता है, खासकर खरीफ़ सीज़न में, और ज़्यादा बारिश से मिट्टी का गंभीर कटाव होता हैं. फसल कटाई के समय में सूखे, बाढ़ और बेमौसम तूफानों के बढ़ने से फसलों और संसाधनों को बहुत नुकसान होता हैं. फसलों पर कीड़ों का बढ़ता आक्रमण खाद्य उत्पादकता को बुरी तरीके से तबाह करता है, बढ़ती गर्मी से दूधजन्य पशुओं के सेहत पर भी गंभीर परिणाम होते हैं. अनियमित बारिश किसानों के लिए एक अभिशाप है, देश में वैसे ही सिंचाई की स्थिति समाधनकारक नहीं है, मिट्टी की उर्वरकता लगातार गिर रही हैं. बढ़ती मानवीय गतिविधियों के कारण तापमान में लगातार वृद्धि हुई है, जिसका असर हम सभी भुगत रहे हैं. प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन, कार्बन डाइऑक्साइड जैसी घातक गैसों का बढ़ता उत्सर्जन और उन्हें रोकनेवाले जंगल, पेड़, वन्यजीवों का ह्रास हो रहा है, तो दूसरी ओर शहरों, कस्बों में सीमेंट के जंगल उग रहे है, जिससे बारिश का पानी जमीन सोख नहीं पाती और वह शुद्ध पानी ऐसे ही नालों में बह जाता है, इस कारण तापमान भी कम नहीं होता. शहरों में पेड़ों की जड़े कमजोर हो रही है, हल्की हवा चलते ही पेड़ जड़ो से टूटकर गिर पड़ते हैं. मानवी सुविधा के नाम पर पहाड़ों को भी क्षति पहुंचाई जा रही है, जिससे भूस्खलन की घटनाएं अत्यधिक बढ़ गई हैं. अगर हम प्रकृति को बर्बाद करेंगे तो प्रकृति भी बदला लेगी ही. जंगल समृद्ध होंगे तो, वन्यजीव, पशु-पक्षी समृद्ध होंगे, ये जीव ही प्रकृति के रक्षक हैं. इससे तापमान संतुलित होने में मदद मिलेगी. पर्याप्त मात्रा में वर्षा होगी, जिससे जल स्त्रोत समृद्ध होते है, मिट्टी का कटाव रुकता है, वन्यजीव और मानवी संघर्ष रुकता हैं. ओजोन परत की रक्षा होती है, शुद्ध ऑक्सीज़न-पानी मिलता हैं. जीवों में चलने वाली खाद्य श्रृंखला योग्य रूप में संचालित होती है, श्रृंखला के प्रत्येक जीव को पोषक वातावरण, बेहतर अधिवास का मौका मिलता हैं. मनुष्य के लिए सबसे आवश्यक जिस बात का असर उसके जीवन, स्वास्थ्य, दिनचर्या पर पड़ता है, वह बात सबसे अहम है, परंतु देश में हमेशा मौसम विज्ञान, प्रदूषण, वैश्विक तापमान, पर्यावरण जैसे गंभीर मुद्दों को दूर रखकर केवल वाद-विवाद, भेदभाव, राजनीती स्वार्थ, लालच, भ्रष्टाचार और अशांति के लिए भागते लोग नजर आते हैं. पर्यावरण का संतुलन बनाए तो होने वाली असंख्य घातक बीमारियां, उसके खर्चे, असमय मौत को काफी हद तक रोककर बेहतर जीवनमान दे सकते है, इससे अरबों डॉलर की संपत्ति बचाई जा सकती हैं. सबसे पहले हमने इंसान बनकर पर्यावरण के प्रत्येक घटक का महत्व जानना होगा, देश-दुनिया को बचाने के लिए प्रत्येक का सहभाग आवश्यक हैं. ग्लोबल वार्मिंग को रोकने और पर्यावरण की रक्षा के लिए बेहद कड़े कानून की आवश्यकता हैं. सबसे पहले लोगों में जागरूकता बहुत आवश्यक हैं. पर्यावरण हमारा है, इसकी रक्षा की जिम्मेदारी भी हमारी है, तभी तो हम स्वस्थ, शुद्ध और पोषक वातावरण पा सकेंगे और आनेवाली पीढ़ी को बेहतर कल दे पायेंगे.

न्यूज कॉर्नर

श्रेया पांडे ने घर-घर जाकर मांगा आशीर्वाद

कोलकाता: मानिकतला विधानसभा उपचुनाव और आगामी राजनीतिक गतिविधियों के मद्देनजर तृणमूल कांग्रेस ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है. रविवार की सुबह मानिक के वार्ड नंबर 32 में टीएमसी की युवा और प्रभावशाली नेत्री श्रेया पांडे ने एक सघन जन अभियान चलाया. अपने पिता और दिवंगत वरिष्ठ नेता साधन पांडे की विरासत को आगे बढ़ाते हुए श्रेया ने स्थानीय लोगों के साथ सीधा संवाद किया. वार्ड 32 के विभिन्न मोहल्लों और बस्तियों में पैदल यात्रा करते हुए श्रेया पांडे ने बुजुर्गों का अभिवादन किया और महिलाओं से मुलाकात की. साधन पांडे के समय से जुड़े पुराने परिवारों ने श्रेया का भव्य स्वागत किया. कई जगहों पर महिलाओं ने उन्हें तिलक लगाकर जीत की अग्रिम बधाई भी दी.प्रचार के दौरान मीडिया और स्थानीय निवासियों से बात करते हुए श्रेया पांडे ने कहा:मानिकतला मेरा परिवार है. वार्ड 32 के हर घर से मेरा आत्मिक जुड़ाव है. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बंगाल में जो विकास की लहर शुरू की है, उसे मानिकतला के हर कोने तक पहुँचाना ही मेरा लक्ष्य है. हम केवल चुनाव के लिए नहीं, बल्कि सेवा के लिए मैदान में हैं. श्रेया ने घर-घर जाकर राज्य सरकार की लक्ष्मी भंडार और स्वास्थ्य साथी जैसी योजनाओं के लाभ के बारे में चर्चा की. क्षेत्र के युवाओं के साथ रोजगार और स्थानीय क्लबों के विकास पर बात की. जल निकासी और स्ट्रीट लाइट जैसी स्थानीय समस्याओं को डायरी में नोट किया और जल्द समाधान का आश्वासन दिया. कार्यकर्ताओं में नया जोशश्रेया पांडे की सक्रियता ने वार्ड 32 के तृणमूल कार्यकर्ताओं में नया उत्साह भर दिया है. रविवार की छुट्टी के कारण बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उनके साथ पदयात्रा में शामिल हुए. जोड़ा फूल के नारों से पूरा इलाका गूंज उठा. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि श्रेया पांडे का यह व्यक्तिगत जुड़ाव मानिकतला में टीएमसी की स्थिति को और मजबूत करेगा.

पहले ही दिन अदिति मुंशी ने फूंका बिगुल

कोलकाता: विधानसभा चुनाव के प्रचार के पहले ही दिन राजारहाट-गोपालपुर निर्वाचन क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की उम्मीदवार अदिति मुंशी ने जबरदस्त उत्साह के साथ अपने अभियान की शुरुआत की. रविवार को प्रचार के दौरान उनके साथ उनके पति और टीएमसी नेता देवराज चक्रवर्ती भी मौजूद रहे. अदिति मुंशी का यह प्रचार अभियान किसी उत्सव से कम नहीं था. उनके समर्थन में सड़कों पर आदिवासी नृत्य और कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम देखने को मिली. ढोल-नगाड़ों और समर्थकों के भारी हुजूम ने पूरे क्षेत्र में चुनावी माहौल को गरमा दिया है. प्रचार के दौरान मीडिया से बात करते हुए मशहूर कीर्तन गायिका और तृणमूल प्रत्याशी अदिति मुंशी ने विरोधियों पर पलटवार करते हुए कहा, मैं किसी भी प्रकार की आलोचना पर ध्यान नहीं देती. मेरा एकमात्र ध्यान और लक्ष्य क्षेत्र का सर्वांगीण विकास है. लोग विकास चाहते हैं और हम उसी को लेकर आगे बढ़ रहे हैं.अदिति मुंशी ने यह स्पष्ट कर दिया कि वह विवादों के बजाय मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विकास कार्यों के आधार पर जनता से वोट मांगेंगी. उनके इस भव्य रोड शो ने प्रतिद्वंद्वी खेमों में हलचल पैदा कर दी है.

दिलीप घोष का ममता सरकार पर तीखा हमला

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की राजनीति में अपने बेबाक बयानों के लिए मशहूर भाजपा नेता दिलीप घोष ने आज रविवार को विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर राज्य सरकार को घेरा. इको पार्क में सुबह की सैर से लेकर दिल्ली में होने वाली हाई-प्रोफाइल बैठकों तक, घोष ने हर मोर्चे पर अपनी बात रखी. रविवार सुबह दिलीप घोष न्यू टाउन स्थित इको पार्क पहुंचे, जहां उन्होंने अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के साथ ईद मनाई. उन्होंने सभी को गले मिलकर बधाई दी और कहा कि बंगाल की संस्कृति सभी धर्मों के सम्मान की रही है, लेकिन इसे राजनीति से दूर रखा जाना चाहिए. जब उनसे पूछा गया कि वह खड़गपुर में अपना प्रचार कब से तेज करेंगे, तो उन्होंने आत्मविश्वास के साथ कहा, खड़गपुर मेरा अपना घर है. वहां के लोग मुझे जानते हैं और मैं उन्हें. मैं पहले ही मैदान में उतर चुका हूं और आने वाले दिनों में प्रचार का स्तर और भव्य होगा. जनता का समर्थन हमारे साथ है.

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा राजनीतिक भाषण के लिए इस्तेमाल किए जाने पर घोष ने कड़ा ऐतराज जताया. उन्होंने आईएसएफ (इंडियन सेक्युलर फ्रंट) की प्रतिक्रिया का समर्थन करते हुए कहा, धार्मिक मंच शांति और भाईचारे के लिए होते हैं. मुख्यमंत्री सुव्यवस्थित तरीके से एक विशेष समुदाय को राजनीतिक मोहरे की तरह इस्तेमाल कर उन्हें समाज में बदनाम कर रही हैं. यह तुष्टिकरण की राजनीति का पराकाष्ठा है. अगले सप्ताह भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारी नितिन नबीन बंगाल आ रहे हैं. इस पर घोष ने बताया कि यह जोनल स्तर की सांगठनिक बैठकें होंगी. सूत्रों के अनुसार, टिकट वितरण के बाद कार्यकर्ताओं के भीतर उपजे असंतोष को शांत करने और एकता बनाए रखने के लिए खुद केंद्रीय नेतृत्व मैदान में उतर रहा है.

टिकट को लेकर रिंकू मजूमदार द्वारा व्यक्त की गई इच्छा पर दिलीप घोष ने संक्षिप्त प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पार्टी में अपनी इच्छा रखना सबका अधिकार है, लेकिन अंतिम निर्णय केंद्रीय चुनाव समिति ही लेती है.केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और जेपी नड्डा के आवास पर होने वाली महत्वपूर्ण बैठक पर सबकी निगाहें हैं. दिलीप घोष ने संकेत दिया कि शेष 39 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम तय करते समय पार्टी की एकजुटता और कार्यकर्ताओं के फीडबैक को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि किसी भी प्रकार के 'विद्रोह' की गुंजाइश न रहे.

नोआपाड़ा सीट पर बदलते शहरी समीकरण तय करेंगे उम्मीदवारों का सियासी भविष्य

कोलकाता: उत्तर 24 परगना जिले का नोआपाड़ा विधानसभा क्षेत्र 2026 के चुनाव में एक बार फिर राजनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण सीट बन गया है. तेजी से शहरीकरण, मेट्रो कनेक्टिविटी और बदलती जनसांख्यिकी के कारण यह सीट अब सिर्फ एक सामान्य विधानसभा क्षेत्र नहीं बल्कि कोलकाता महानगर के राजनीतिक मूड का संकेतक भी मानी जा रही है. इस बार यहां सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस, भाजपा और वाम दलों के बीच त्रिकोणीय मुकाबला जरूर है, लेकिन असली लड़ाई तृणमूल और भाजपा के बीच ही मानी जा रही है.

उम्मीदवारों ने मुकाबले को बनाया हाई प्रोफाइल: इस बार तृणमूल कांग्रेस ने अपनी छात्र इकाई के प्रदेश अध्यक्ष तृणांकुर भट्टाचार्य को मैदान में उतारकर युवा चेहरे पर दांव लगाया है. दूसरी तरफ भाजपा ने बैरकपुर क्षेत्र में मजबूत पकड़ रखने वाले पूर्व सांसद अर्जुन सिंह को उम्मीदवार बनाकर मुकाबले को और दिलचस्प बना दिया है. वाम मोर्चा ने गार्गी चटर्जी को उतारकर अपने पारंपरिक वोट बैंक को मजबूत रखने की कोशिश की है.

अर्जुन सिंह ने कहा है कि वह हर हाल में इस सीट से जीत दर्ज करेंगे. इस बार भ्रष्टाचार और चोरी की वजह से तृणमूल को लोग हराएंगे.वहीं तृणांकुर ने कहा कि भाजपा की नफरत की राजनीति बंगाल में नहीं चलेगी और नोआपाड़ा में अर्जुन सिंह को हार का सामना करना पड़ेगा. वहीं वाम उम्मीदवार गार्गी चटर्जी ने कहा है कि भाजपा और तृणमूल दोनों ने जनता को बेवकूफ बनाने का काम किया है और लोग विकल्प चाहते हैं.

लंबे समय तक रहा वाम दलों का दबदबा, विगत दो दशकों से तृणमूल हावी: 1957 में अस्तित्व में आई इस सीट पर लंबे समय तक वाम दलों खासकर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी का दबदबा रहा और पार्टी ने यहां आठ बार जीत दर्ज की. तृणमूल कांग्रेस ने 2001 में पहली बार इस सीट पर जीत हासिल कर वाम दलों की लगातार जीत का सिलसिला तोड़ा था. 2006 में वाम दलों ने आखिरी बार यह सीट जीती थी. इसके बाद से यहां राजनीतिक समीकरण लगातार बदलते रहे हैं और तृणमूल तथा कांग्रेस को भी जीत मिली है.

2011 में तृणमूल की मंजू बसु ने बड़ी जीत दर्ज की थी, लेकिन 2016 में उन्हें कांग्रेस के मधुसूदन घोष से मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा. 2018 के उपचुनाव में तृणमूल ने सुनील सिंह को उतारा जिन्होंने रिकॉर्ड मतों से जीत दर्ज की. 2021 में फिर मंजू बसु को मैदान में उतारा गया और उन्होंने भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे सुनील सिंह को हराकर सीट वापस हासिल कर ली.

लोकसभा और विधानसभा चुनावों में अलग रुझान: नोआपाड़ा सीट की खास बात यह रही है कि विधानसभा चुनावों में जहां तृणमूल का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव वाला रहा है, वहीं लोकसभा चुनावों में पार्टी को लगातार बढ़त मिलती रही है. 2009 से 2024 तक हुए लोकसभा चुनावों में तृणमूल ने यहां बढ़त बनाए रखी है, हालांकि 2019 में भाजपा ने कड़ी टक्कर दी थी और अंतर बेहद कम रह गया था. 2024 में तृणमूल ने फिर अपनी बढ़त बढ़ाई.

मतदाताओं के रुख में होता रहा बदलाव: नोआपाड़ा मुख्य रूप से शहरी विधानसभा क्षेत्र है जहां लगभग 95 प्रतिशत मतदाता शहरी हैं. अनुसूचित जाति के मतदाता लगभग 18 प्रतिशत, मुस्लिम मतदाता करीब 11 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति लगभग डेढ़ प्रतिशत हैं.

यहां मतदान प्रतिशत में गिरावट का ट्रेंड भी साफ दिखता है. 2011 में जहां लगभग 83 प्रतिशत मतदान हुआ था, वहीं 2021 में यह घटकर करीब 73 प्रतिशत रह गया. विशेषज्ञ मानते हैं कि शहरी क्षेत्रों में मतदान के प्रति उदासीनता का असर यहां भी दिख रहा है.

2026 में क्या होंगे निर्णायक मुद्दे ?: इस चुनाव में शहरी सुविधाएं, ट्रैफिक, ड्रेनेज, रोजगार, स्थानीय इंफ्रास्ट्रक्चर और कानून व्यवस्था जैसे मुद्दे महत्वपूर्ण रहने वाले हैं. भाजपा एंटी इनकंबेंसी और लंबे समय से सत्ता में रही तृणमूल के खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश कर रही है, जबकि तृणमूल अपने संगठन और सरकारी योजनाओं के आधार पर बढ़त बनाए रखने की रणनीति पर काम कर रही है.

राजनीतिक विश्लेषण बताते हैं कि संगठनात्मक ताकत और पिछले चुनावों के ट्रेंड को देखते हुए तृणमूल कांग्रेस को शुरुआती बढ़त मिलती दिख रही है, लेकिन भाजपा ने जिस तरह बैरकपुर औद्योगिक बेल्ट में अपनी पकड़ मजबूत की है उससे मुकाबला कड़ा होने की संभावना है. वाम दलों का स्थिर वोट प्रतिशत भी परिणाम को प्रभावित कर सकता है. कुल मिलाकर नोआपाड़ा 2026 में उन सीटों में शामिल है जहां शहरी वोटर का मूड, उम्मीदवारों की व्यक्तिगत छवि और बूथ स्तर की रणनीति जीत-हार का फैसला करेगी. अगर भाजपा अपने वोट आधार को पूरी तरह एकजुट करने में सफल होती है तो मुकाबला बेहद करीबी हो सकता है.

निर्वाचन आयोग ने चुनाव से पहले बंगाल में निगरानी बढ़ाई

कोलकाता: पश्चिम बंगाल में निर्वाचन आयोग के चुनावी तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी बढ़ाए जाने के मद्देनजर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने रविवार से राज्य भर के थानों का दौरा शुरू कर दिया. वरिष्ठ अधिकारी इस दौरान थाना प्रभारियों को स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपायों के बारे में जानकारी दे रहे हैं. पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि आयोग के निर्देशों के अनुरूप आगामी चुनाव से पहले कानून व्यवस्था की समीक्षा के लिए पुलिस आयुक्तों और पुलिस अधीक्षकों ने थानों का दौरा शुरू कर दिया है. उन्होंने बताया, वरिष्ठ अधिकारियों को जमीनी स्तर पर आकलन करने और स्थानीय पुलिस इकाइयों को मार्गदर्शन देने के निर्देश दिए गए हैं ताकि शांतिपूर्ण, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित हो सके. अधिकारी ने बताया कि पुलिस अधिकारियों से यह भी अपेक्षा की जाती है कि वे भय और हिंसा से मुक्त वातावरण बनाए रखने के लिए कड़ा संदेश दें. उन्होंने बताया, हमारा ध्यान मतदाताओं में विश्वास जगाने और किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने पर है. पश्चिम बंगाल विधानसभा की 294 सीट के लिए मतदान 23 और 29 अप्रैल को होना है जबकि मतगणना चार मई को होगी.

बंगाल चुनाव: अदालती गलियारों से चुनावी मैदान तक

पार्टियां लगा रहीं वकीलों पर दांव

- तृणमूल, भाजपा और वाममोर्चा ने कई दिग्गज वकीलों को बनाया उम्मीदवार, कांग्रेस की सूची आने के बाद बढ़ेगी संख्या
- स्वयं मुख्यमंत्री ममता, चंद्रिमा भट्टाचार्य और मलय घटक कानून की डिग्री धारक हैं और लंबे समय से राजनीति में सक्रिय

कोलकाता: बंगाल में विधानसभा चुनाव की सरगर्मी तेज है. इस बार के चुनाव में एक बेहद दिलचस्प और प्रभावी रुझान देखने को मिल रहा है. अदालत के कमरों में जिरह करने वाले नामी वकील अब जनता की अदालत में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं. सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस, मुख्य विपक्षी दल भाजपा और वाममोर्चा ने कानून के जानकारों पर भरोसा जताया है. भाजपा ने उतारे सबसे अधिक अधिवक्ता कानूनी दिग्गजों को टिकट देने के मामले में फिलहाल भाजपा सबसे आगे नजर आ रही है. पार्टी ने अब तक 11 अधिवक्ताओं को मैदान में उतारा है. इनमें प्रमुख चेहरा प्रियंका टिबरेवाल हैं, जो कोलकाता की इंटाली विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रही हैं. टिबरेवाल वही हैं, जिन्होंने 2021 के उपचुनाव में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ चुनाव लड़ा था.

इनके अलावा बैरकपुर से कौस्तव बागची और राजारहाट गोपालपुर से तरुण ज्योति तिवारी जैसे मुखर वकील भाजपा की कमान संभाल रहे हैं. भाजपा की सूची में यह संख्या बढ़ भी सकती है क्योंकि अभी भाजपा ने 294 सीटों में से 255 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं.

वाममोर्चा ने सात वकीलों को टिकट दिया है, जिनमें सबसे बड़ा नाम वरिष्ठ अधिवक्ता बिकास रंजन भट्टाचार्य का है. वह जादवपुर क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं और कलकत्ता हाई कोर्ट व सुप्रीम कोर्ट के मंझे हुए वकील माने जाते हैं. वाममोर्चा ने अनुभव के साथ युवाओं को भी तरजीह दी है, जिसमें तमलुक से लोकसभा चुनाव लड़ चुके सायन बनर्जी (महेशतल्ला) और बिधाननगर से सौम्यजीत राहा जैसे युवा चेहरे शामिल हैं.

तृणमूल कांग्रेस ने पांच पेशेवर वकीलों को उतारा है. उत्तरपाड़ा से पार्टी ने कलकत्ता हाई कोर्ट के अधिवक्ता शीर्षन्य बंद्योपाध्याय को टिकट दिया है. वह वरिष्ठ पार्टी सांसद कल्याण बनर्जी के पुत्र हैं. इसके अलावा पूर्व राज्यसभा सांसद शुभाशीष चक्रवर्ती को बेहला पूर्व से उम्मीदवार बनाया गया है.

दिलचस्प बात यह है कि तृणमूल के कई वरिष्ठ नेता, जैसे स्वयं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, चंद्रिमा भट्टाचार्य और मलय घटक कानून की डिग्री धारक हैं और लंबे समय से राजनीति में सक्रिय हैं. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विधानसभा में कानून के जानकारों की मौजूदगी नीति-निर्धारण में सहायक होती है. अभी कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की सूची जारी नहीं की है. उम्मीद जताई जा रही है कि कांग्रेस की सूची आने के बाद मैदान में वकीलों की संख्या और बढ़ सकती है.

बंगाल में बीएलओ की दिल का दौरा पड़ने से मौत

परिवार ने एसआईआर को जिम्मेदार ठहराया

कोलकाता: पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में 54 वर्षीय बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई. वहीं बीएलओ के परिवार ने आरोप लगाया कि राज्य में जारी एसआईआर अभियान से संबंधित अत्यधिक कार्यभार के कारण उनकी मौत हुई. पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान उत्पल ठाकुर के रूप में हुई है.

परिवार के एक सदस्य ने बताया कि उत्पल ठाकुर को शनिवार रात करीब साढ़े 10 बजे दिल का दौरा पड़ा और बाद में उनकी मौत हो गई. निर्वाचन आयोग के सूत्रों के अनुसार, वह चंचल-द्वितीय ब्लॉक के चंद्रपारा ग्राम पंचायत के अंतर्गत नाडापारा में बूथ संख्या 93 पर बूथ स्तरीय अधिकारी के रूप में कार्यरत थे. ठाकुर, एक स्कूल में पैरा-टीचर भी थे.

ठाकुर की पत्नी ने कहा, मेरे पति ने एसआईआर प्रक्रिया में बहुत मेहनत की लेकिन काम के तनाव को सहन नहीं कर पाए और उन्हें दिल का दौरा पड़ गया. मुझे नहीं पता कि मैं परिवार कैसे चलाऊंगी. हमें उम्मीद है कि सरकार मेरी बेटियों की और मेरी मदद करेगी. स्थानीय लोगों ने बताया कि 'विचाराधीन' श्रेणी में शामिल या जिनके नाम हटा दिए गए थे, उनमें से कई लोगों ने आरोप लगाया कि बीएलओ ने उनके दस्तावेज आयोग की वेबसाइट पर ठीक से अपलोड नहीं किए थे.

ठाकुर के परिवार के एक पड़ोसी ने कहा, लोगों को आयोग की प्रक्रियाओं की समझ नहीं है. वे सीधे बीएलओ के पास गए और पूछा कि उनके दस्तावेज ठीक से अपलोड हुए हैं या नहीं. हटाए गए मतदाता अक्सर नाम न होने का कारण पूछते हैं. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने खुद सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया है और आरोप लगाया है कि चुनाव आयोग, जो बीजेपी की टीम बी की तरह काम करता है, ने जानबूझकर एक के बाद एक सही वोटरों के नाम हटा दिए हैं. उसके बाद, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक कलकत्ता हाई कोर्ट के जजों के दखल से पेंडिंग लिस्ट पर काम चल रहा है.सप्लीमेंट्री वोटर लिस्ट पिछले शुक्रवार को पब्लिश होनी थी, लेकिन आयोग ऐसा नहीं कर पाया.

बंगाल विधानसभा चुनाव में सितारों का जमघट

नए चेहरों का 'सरप्राइज फैक्टर' गायब

कोलकाता: पश्चिम बंगाल के आगामी विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने फिल्म और खेल जगत से कई चर्चित चेहरों को उम्मीदवार बनाया है, लेकिन इस बार कोई बड़ा नया या चौंकाने वाला नाम सामने नहीं आया है. दोनों दलों ने अधिकतर ऐसे चेहरों पर भरोसा जताया है जो पहले भी चुनावी राजनीति में सक्रिय रह चुके हैं.

राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने मनोरंजन और खेल जगत से कुछ परिचित चेहरों को टिकट दिया है, लेकिन पार्टी का मुख्य जोर पहले से राजनीतिक अनुभव रखने वाले उम्मीदवारों पर ही रहा है. अभिनेता सोहम चक्रवर्ती को करीमपुर से उम्मीदवार बनाया गया है, जबकि फिल्म निर्देशक राज चक्रवर्ती बैरकपुर से चुनाव लड़ेंगे. अभिनेत्री सायंतिका बनर्जी को एक बार फिर बारानगर से टिकट देकर पार्टी ने उन पर अपना भरोसा कायम रखा है.

इसके अलावा, पार्टी ने लोकगायिका अदिति मुंशी को राजारहाट गोपालपुर से और अभिनेत्री लवली मैत्रा को सोनारपुर दक्षिण से फिर उम्मीदवार बनाया गया है. गायक इंद्रनील सेन, जो 2016 से विधायक हैं, उन्हें चंदननगर से दोबारा टिकट दिया गया है. हालांकि, एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता स्वप्ना बर्मन को राजगंज से उम्मीदवार बनाकर तृणमूल कांग्रेस ने एक नया दांव भी खेला है. इसके अलावा फुटबॉलर विदेश बोस को सप्तग्राम से और क्रिकेटर से कोच बने शिव शंकर पाल को तुफानगंज से मैदान में उतारा गया है. वहीं, दिवंगत तृणमूल विधायक साधन पांडे की पुत्री श्रेया पांडे को मानिकतल्ला से उम्मीदवार बनाया गया है, जो उनकी पहली बड़ी राजनीतिक परीक्षा होगी.

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार तृणमूल कांग्रेस ने नए प्रयोगों की बजाय संगठनात्मक मजबूती और अनुभवी चेहरों पर अधिक भरोसा किया है.

दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी की उम्मीदवार सूची ने अधिक चर्चा बटोरी है. पार्टी ने जहां रिद्रनील घोष और हीरन चटर्जी जैसे पुराने चेहरों को मौका दिया है, वहीं पापिया अधिकारी और श्राबोनी मुखर्जी जैसे नए चेहरों को भी मैदान में उतारा है. रिद्रनील घोष को शिवपुर से और हीरन चटर्जी को श्यामपुर से उम्मीदवार बनाया गया है. चटर्जी को खड़गपुर सदर जैसी उनकी पिछली जीत वाली सीट से हटाकर श्यामपुर भेजना कुछ हद तक चौंकाने वाला माना जा रहा है, खासकर उनके निजी विवादों की पृष्ठभूमि में.

नए चेहरों में अभिनेत्री पापिया अधिकारी को टॉलीगंज से और श्राबोरी मुखर्जी को जादवपुर से टिकट दिया गया है. सोनारपुर दक्षिण सीट पर भाजपा की रूपा गांगुली और तृणमूल की लवली मैत्रा के बीच मुकाबला भी काफी चर्चित माना जा रहा है. भाजपा अब तक दो चरणों के लिए 256 सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर चुकी है, जबकि 38 सीटों पर नामों की घोषणा बाकी है. 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को दो चरणों में होगा तथा मतगणना चार मई को होगी. उल्लेखनीय है कि लगभग तीन दशक में यह पहला मौका है जब पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव दो चरणों में कराए जा रहे हैं. चुनाव प्रचार तेज होने के साथ ही इन चर्चित चेहरों की मौजूदगी से चुनावी माहौल में आकर्षण बढ़ने की उम्मीद है, हालांकि समग्र तस्वीर यह संकेत देती है कि इस बार पार्टियों ने नए प्रयोगों की बजाय भरोसेमंद और अनुभवी चेहरों को प्राथमिकता दी है.

तृणमूल उम्मीदवार नंदीग्राम आंदोलन में शामिल नहीं, लोग नहीं करेंगे स्वीकार: शुभेंदु

कोलकाता: नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को दावा किया कि नंदीग्राम विधानसभा क्षेत्र की जनता सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार को स्वीकार नहीं करेगी क्योंकि वह दो दशक पहले हुए भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलन में शामिल नहीं थे. पूर्व मेदिनीपुर जिले का नंदीग्राम 2007 में वाम मोर्चा शासन के दौरान भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलन का केंद्र रहा था. प्रस्तावित रासायनिक केंद्र के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन ने वाम मोर्चे के तीन दशक के शासन को कमजोर कर दिया और ममता बनर्जी के सत्ता में आने का मार्ग प्रशस्त किया. उस समय तृणमूल कांग्रेस के नेता के रूप में अधिकारी इस आंदोलन में अग्रणी भूमिका में थे. वह 2020 में भाजपा में शामिल हुए थे.

शुभेंदु ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों से कहा, आपने नंदीग्राम में बदलाव के लिए वोट दिया था लेकिन यह निरंकुश तृणमूल शासन नहीं बदला. अब उम्मीद करते हैं कि नंदीग्राम में भाजपा को आपका वोट राज्य में तुष्टीकरण समर्थक ममता बनर्जी सरकार को हटाने का मार्ग प्रशस्त करेगा. उन्होंने यहां दिन में चुनाव प्रचार शुरू किया था. शुभेंदु ने अपने पूर्व सहयोगी और हाल ही में तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए पबित्रा कर की उम्मीदवारी पर टिप्पणी करते हुए कहा, वह कभी नंदीग्राम आंदोलन का हिस्सा नहीं रहे और इस क्षेत्र के लोग, जिन्होंने कृषि भूमि अधिग्रहण को रोकने के लिए खून बहाया था, उन्हें कभी स्वीकार नहीं करेंगे.

भाजपा नेता शुभेंदु, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ भवानीपुर सीट से भी चुनाव लड़ रहे हैं. शुभेंदु ने हजारों समर्थकों के साथ सोनाचुरा, गोकुलनगर और टेखाली क्षेत्रों में प्रचार किया. जब रैली कर के आवास के पास से गुजरी, तो 'चोर चोर' जैसे नारे सुनाई दिए, जिसके बाद पुलिस और सुरक्षा बलों ने घर के चारों ओर सुरक्षा घेरा बना लिया. हालांकि, किसी प्रकार का कोई विवाद नहीं हुआ और शुभेंदु ने अपने समर्थकों से किसी भी ऐसे शब्द का प्रयोग न करने का आग्रह किया, जो किसी के लिए भी अपमानजनक या आपत्तिजनक हो. शुभेंदु ने बाद में नंदीग्राम से 140 किलोमीटर दूर दक्षिण कोलकाता के भवानीपुर में भी प्रचार किया और मतदाताओं से बातचीत की. उन्होंने अपनी प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार और मुख्यमंत्री के आवास से कुछ ही दूरी पर स्थित कालीघाट मंदिर में पूजा-अर्चना भी की.

श्रीरामपुर में टीएमसी का दबदबा

भाजपा का उभार और माकपा के जद्दोजहद ने मुकाबले को बनाया दिलचस्प

हुगली: पश्चिम बंगाल के श्रीरामपुर विधानसभा क्षेत्र में 2026 का दंगल दिलचस्प होने के आसार बन रहे हैं. यहां तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और माकपा (सीपीएम) के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होने की संभावना है. राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह सीट युवा बनाम अनुभव के साथ-साथ उच्च शिक्षित उम्मीदवारों के कारण भी खास चर्चा में है.

टीएमसी ने इस सीट से तन्मय घोष को मैदान में उतारा है, जो पेशे से केमिकल इंजीनियर हैं और अपेक्षाकृत युवा चेहरा माने जाते हैं. वे अपने प्रचार में विकास और राज्य सरकार की योजनाओं को प्रमुखता दे रहे हैं. वहीं माकपा ने नवनीता चक्रवर्ती को उम्मीदवार बनाया है, जो स्नातकोत्तर (पोस्टग्रेजुएट) हैं और युवा मतदाताओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही हैं. वह माकपा की पूर्ण कालीन समर्पित कार्यकर्ता हैं. उधर, भाजपा ने अनुभवी नेता भास्कर भट्टाचार्य पर दांव लगाया है, जो कलकत्ता उच्च न्यायालय के वकील हैं और लंबे समय से सक्रिय राजनीति में रहे हैं. पार्टी उन्हें एक अनुभवी और संगठित नेतृत्व के रूप में पेश कर रही है.

दिलचस्प बात यह है कि तीनों ही उम्मीदवार शिक्षित होने के साथ-साथ लंबे समय से राजनीतिक रूप से सक्रिय रहे हैं, जिससे इस सीट पर मुकाबला और अधिक संतुलित और प्रतिस्पर्धी हो गया है.

अगर पिछले चुनावी आंकड़ों पर नजर डालें तो 2021 में इस सीट पर टीएमसी ने मजबूत प्रदर्शन किया था. पार्टी के उम्मीदवार डॉ. सुदीप्तो रॉय को 93,021 वोट (करीब 49.4 प्रतिशत) मिले थे, जबकि भाजपा को 69,588 वोट (37 प्रतिशत) प्राप्त हुए थे. कांग्रेस को 19,401 वोट (10.3 प्रतिशत) मिले थे और टीएमसी ने करीब 23,433 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की थी. वर्ष 2016 में भी टीएमसी ने लगभग 43.7 प्रतिशत वोट के साथ जीत हासिल की थी, जबकि कांग्रेस 38 प्रतिशत और भाजपा 14 प्रतिशत वोट पर रही थी.

इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि 2016 से 2021 के बीच टीएमसी ने अपनी स्थिति मजबूत की, जबकि भाजपा ने भी अपने वोट शेयर में उल्लेखनीय बढ़ोतरी कर खुद को स्थापित किया. दूसरी ओर, वाम दलों का वोट आधार कमजोर हुआ, जिसे अब माकपा पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रही है.

विश्लेषकों का मानना है कि इस बार चुनाव में युवा नेतृत्व, पेशेवर पृष्ठभूमि और राजनीतिक अनुभव का मिश्रण नतीजों को प्रभावित कर सकता है. टीएमसी अपनी पिछली बढ़त और संगठनात्मक ताकत पर भरोसा कर रही है, भाजपा अनुभव और स्थिर वोट बैंक के सहारे चुनौती दे रही है, जबकि माकपा नए और शिक्षित चेहरे के जरिए अपनी खोई जमीन वापस पाने की कोशिश में है.

कुल मिलाकर, श्रीरामपुर विधानसभा सीट पर इस बार मुकाबला करीबी रहने के आसार हैं और कुछ हजार वोटों का अंतर ही जीत-हार तय कर सकता है.

न्यूज कॉर्नर

बलिया में घर से नाराज होकर निकली किशोरी का शव सरयू नदी से हुआ बरामद

बलियाः बलिया जिले में चार दिन पहले परिजनों से नाराज होकर घर से निकली एक नाबालिग किशोरी का शव रविवार को सरयू नदी में बरामद किया गया. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस के अनुसार बैरिया थाना क्षेत्र के चांद दीयर गांव में मांझी घाट पुल के नीचे सरयू नदी में किशोरी का शव मिला जिसकी सूचना राहगीरों ने पुलिस को दी. थाना प्रभारी राजेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. उन्होंने बताया कि किशोरी की पहचान दोकटी थाना क्षेत्र के करन छपरा गांव की निवासी खुशी यादव (14) के रूप में हुई है. थाना प्रभारी ने बताया कि किशोरी 19 मार्च को परिजनों से नाराज होकर घर से निकली थी और इसी दिन मांझी पुल से कूद गई थी. उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की छानबीन कर रही है और मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है.

संदिग्ध परिस्थिति में नवविवाहिता की मौत, पिता ने लगाया हत्या का आरोप

भागलपुरः जिले के औद्योगिक थाना क्षेत्र के बहादुरपुर में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है. घटना बीते देर रात की बताई जा रही है. मृतका की पहचान 20 वर्षीय अर्पणा कुमारी के रूप में हुई है, जो पटना डीएम के निजी ड्राइवर अनिल यादव की बेटी बताई जा रही है. बताया जा रहा है कि अर्पणा की शादी 22 नवंबर 2024 को बहादुरपुर निवासी सोनू कुमार से हुई थी. परिजन का आरोप है कि शादी के बाद से ही उसे दहेज के लिए लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था. ससुराल पक्ष द्वारा सोने की चेन, अंगूठी और चार पहिया वाहन की मांग की जा रही थी. बताया जा रहा है कि देर रात ससुराल के एक पड़ोसी ने फोन कर लड़की की मौत की सूचना दी. रात करीब एक बजे जब पिता को जानकारी मिली तो उन्होंने दामाद को फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुआ. इसके बाद वे तुरंत पटना से भागलपुर के लिए रवाना हुए और सुबह करीब नौ बजे ससुराल पहुंचे. परिजनों के अनुसार मौके पर पहुंचने पर अर्पणा की शव बेड पर पड़ा मिला और घर के सदस्य वहां मौजूद नहीं थे. ससुराल वालों का कहना है कि अर्पणा ने पंखे से दुपट्टे के सहारे फांसी लगाई. लेकिन पिता का आरोप है कि बेटी के गले पर रस्सी के निशान मिले हैं. जिससे मामला संदिग्ध हो गया है. मृतका के पिता ने पति, सास और अन्य ससुराल वालों पर दहेज हत्या और साजिश का गंभीर आरोप लगाते हुए औद्योगिक थाने में मामला दर्ज कराया है. उन्होंने यह भी बताया कि अर्पणा अक्सर अपनी मां को ससुराल में हो रही प्रताड़ना की बात बताया करती थी और उसका पति उसके साथ मारपीट करता था. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा.

हार्डवेयर व्यवसायी के घर पर फायरिंग मामले का सुपारी देने वाले दो गिरफ्तार

पूर्वी चंपारणः जिले के हरसिद्धि थाना क्षेत्र के उज्जैन लोहियार पंचायत निवासी हार्डवेयर व्यवसायी कामता मिश्र के घर 19 मार्च 2026 को हुई फायरिंग मामले का पुलिस ने खुलासा कर लिया है. इस घटना के पीछे पुराना मामला उठाने के लिए दहशत फैलाने की साजिश रची गई थी.रविवार को थाना परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में अरेराज डीएसपी रवि कुमार ने बताया कि इस कांड का संबंध 30 मार्च 2025 को गायघाट स्थित कामता मिश्र की दुकान पर हुए जानलेवा हमले से जुड़ा हुआ है. उस हमले में वे घायल हुए थे, हालांकि इलाज के बाद उनकी जान बच गई थी. उस मामले में चार शूटरों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है, जबकि एक अब भी फरार है. डीएसपी ने बताया कि दोनों घटनाओं के पीछे रुपए के लेनदेन का विवाद मुख्य कारण है. कामता मिश्र ने एक ठेकेदार को सड़क निर्माण सामग्री उपलब्ध कराई थी, जिसमें करीब 7 लाख रुपये जीएसटी का बकाया था,जिसे कामता मिश्र ने काट लिया था. इसी को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ और अपराधियों ने साजिश रची. पुलिस ने इस मामले में सुपारी देने वाले तीन में से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. इनमें मोतिहारी हवाई अड्डा निवासी ठेकेदार सुरेंद्र सिंह तथा कल्याणपुर थाना क्षेत्र के सिसवा खरार निवासी डब्लू दुबे शामिल हैं, जो कुख्यात अपराधी बबलू दुबे का भाई बताया जा रहा है. दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. एक अभी फरार है.डीएसपी ने बताया कि मामले में कुल 9 लोगों की पहचान की गई है. शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है और जल्द ही सभी को पकड़ लिया जाएगा.वहीं थानाध्यक्ष सह प्रशिक्षु डीएसपी ऋषभ कुमार ने बताया कि दोनों मामलों में प्राथमिकी दर्ज है और आगे की कार्रवाई तेजी से की जा रही है.

चोरी की बाईक के साथ चार गिरफ्तार,छतौनी से हुई थी चोरी

पूर्वी चंपारणः कोटवा थाना क्षेत्र में वाहन जांच के क्रम में पुलिस को एक मोटरसाइकिल संदेहास्पद अवस्था में मिली. उक्त मोटरसाइकिल का रजिस्ट्रेशन नंबर की जांच एचएचडी मशीन से करने पर चेसिस नंबर में भिन्नता पाई गई. विस्तृत जांच में यह स्पष्ट हुआ कि उक्त मोटरसाइकिल का वास्तविक विवरण दूसरा है . ऐसे में उसे जब्त कर कारवाई शुरू की गई और आरसी भी बरामद किया गया.इस मामले में कुन्दन कुमार ठाकुर, रौशन ठाकुर, दोनों जमुनिया जसौली, मो. हसन आलम, जसौली जमुनिया टोला फकीराना,मनोज महतो उर्फ भूषण महतो, बेलवा माधो चारों थाना कोटवा को गिरफ्तार किया गया. जब्त की गई चोरी की बाइक मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति की है जो वर्ष 2021 में छतौनी थाना क्षेत्र से चोरी की गई थी. इस गैंग का मास्टर माउंट डुमरियाघाट थाना क्षेत्र का एक मोटरसाइकिल मैकेनिक बताया गया है,जो फेक आरसी बनवाकर और नम्बर प्लेट बदल कर चोरी की बाइक को बेचता है. उसके विरुद्ध पुलिस की कारवाई जारी है. गिरफ्तार मो. हसन आलम चोरी की बाइक का ब्रोकर है जो आन डिमांड खरीददारो को कमीशन लेकर बाइक मुहैया कराता है. इस बाबत थानाध्यक्ष करण सिंह ने बताया है कि शीघ्र इस गैंग के मास्टर माइंड सहित अन्य सदस्यों को गिरफ्तार किया जायेगा.

सीवान में मुखिया की गाड़ी से बाइक टकराने पर बवाल, दोनों पक्षों में मारपीट व पथराव

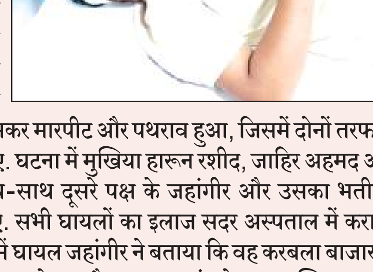

सीवानः सीवान जिले के बड़हरिया थाना क्षेत्र के कुड़वा गांव में एक मामूली विवाद ने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया. मुखिया की गाड़ी में बाइक के हल्के धक्के के बाद दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट और पथराव हुआ, जिसमें दोनों तरफ के कई लोग घायल हो गए. घटना में मुखिया हारून रशीद, जाहिर अहमद और जाकिर हुसैन के साथ-साथ दूसरे पक्ष के जहांगीर और उसका भतीजा अरमान घायल हो गए. सभी घायलों का इलाज सदर अस्पताल में कराया गया. घटना के संबंध में घायल जहांगीर ने बताया कि वह करबला बाजार से खरीदारी कर बाइक से अपने घर लौट रहा था. गांव के पास मुखिया अपनी चारपहिया वाहन सड़क किनारे खड़ी किए हुए थे. साइड लेने के लिए उसने कई बार हॉर्न बजाया, लेकिन गाड़ी नहीं हटाई गई. इसके बाद जब वह साइड से बाइक निकालने लगा तो बाइक में टंगा झोला गाड़ी से हल्का सट गया. जहांगीर का आरोप है कि इसी बात को लेकर मुखिया और उनके समर्थकों ने उसे लाठी-डंडे से बेरहमी से पीटा. इतना ही नहीं, बाद में वे लोग उसके घर पहुंचे और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ भी मारपीट की. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विवाद के दौरान दोनों पक्षों की ओर से जमकर ईंट-पत्थर भी चलाए गए, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई. वहीं, दूसरी ओर मुखिया हारून रशीद ने इन आरोपों को नकारते हुए कहा कि यह हमला पुरानी रंजिश के तहत किया गया. उन्होंने आरोप लगाया कि गांव का एक व्यक्ति हथियार लेकर अपने साथियों के साथ आया और उन पर हमला कर दिया. हमले में उनके भाई का सिर फोड़ दिया गया तथा उन्हें और एक अन्य व्यक्ति को भी गंभीर चोटें आईं. फिलहाल, दोनों पक्षों के घायलों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है. घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है.

उत्तर प्रदेश के 1228 युवा बने नर्सिंग अफसर

सीएम योगी ने वितरित किया नियुक्ति पत्र, कहा- सेवा और संवेदना का पेशा है नर्सिंग

लखनऊः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नर्सिंग को सेवा और संवेदना का पेशा बताते हुए रविवार को कहा कि जब सेवा और संवेदना मरीज के साथ जुड़ती हैं, तो उसके सकारात्मक परिणाम सामने आते हैं. उन्होंने कहा कि इसी भावना के साथ राज्य सरकार नर्सिंग अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ रही है. मुख्यमंत्री ने यहां चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित समारोह में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग से चयनित नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद कहा, नर्सिंग का पेशा सेवा और संवेदना का है. आपकी सेवा और संवेदना जब मरीज के साथ जुड़ती है, तो उसके परिणाम हम सबके सामने आते हैं. आदित्यनाथ ने कहा, नवरात्र के अवसर पर बेटियों को नियुक्ति पत्र मिलना नारी सशक्तीकरण का एक आदर्श उदाहरण है. मैं सभी अभ्यर्थियों को हृदय से बधाई देता हूं और उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को धन्यवाद देता हूं. उन्होंने कहा, वह समय बीत चुका है जब यह सोचा जाता था कि मेडिकल कॉलेज या नर्सिंग कॉलेज खोलने से क्या होगा. मेडिकल शिक्षा महंगी हो सकती है, लेकिन नर्सिंग ऐसा क्षेत्र है जिसमें डिग्री प्राप्त करने के बाद रोजगार की पूरी संभावना रहती है.

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय नर्सिंग पेशेवरों की मांग केवल देश में ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में हो रही है. उन्होंने कहा, हाल ही में मैं जापान गया था, जहां बड़ी संख्या में नर्सिंग पेशेवरों की मांग है. जर्मनी, कोरिया और यूरोप के अन्य देशों में भी भारतीय नर्सों की मांग है और उन्हें भरोसा है कि वे उत्कृष्ट कार्य करेंगी. आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य सरकार मेडिकल कॉलेजों और चिकित्सा संस्थानों में बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए नर्सिंग अधिकारियों को सेवाओं से जोड़ रही है. उन्होंने कहा, आपका चयन लोकसेवा आयोग से हुआ है और अब चिकित्सा शिक्षा विभाग के माध्यम से आपको इस अभियान को आगे बढ़ाना है. पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश का स्वास्थ्य ढांचा कमजोर था. उन्होंने कहा, 1947 से 2017 तक 70 वर्षों में प्रदेश में केवल 17 सरकारी मेडिकल कॉलेज थे और निजी क्षेत्र सहित कुल संख्या 40 थी. आज सरकारी और निजी क्षेत्र मिलाकर इनकी संख्या बढ़कर 81 हो गई है. यह उपलब्धि नौ वर्षों में हासिल की गई है.

मुख्यमंत्री ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष है तथा समाज के हर वर्ग को बिना भेदभाव के अवसर दिया जा रहा है. उन्होंने बताया कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश सरकार ने नौ लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी हैं, जो देश में किसी भी राज्य द्वारा दी गई सबसे बड़ी संख्या मानी जा रही है. अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए उन्होंने कहा कि वर्षों से बंद पड़े एएनएम और जीएनएम प्रशिक्षण संस्थानों को पुनः शुरू किया गया है. प्रदेश में 35 बंद एएनएम प्रशिक्षण केंद्रों को फिर से संचालित किया गया है, जबकि 31 नए नर्सिंग कॉलेजों का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है. मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटलीकरण की दिशा में भी प्रदेश ने महत्वपूर्ण प्रगति की है. उन्होंने नर्सिंग क्षेत्र से जुड़ी छात्राओं से आह्वान किया कि वे बीएससी नर्सिंग और जीएनएम पाठ्यक्रम के साथ मराठी, तेलुगु, मलयालम, तमिल और बांग्ला जैसी भारतीय भाषाओं का भी ज्ञान प्राप्त करें, ताकि देश-विदेश में सेवा के अवसरों का लाभ उठा सकें.

इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग का दायित्व संभाल रहे उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए नर्सिंग अधिकारियों को सेवा भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित किया. पाठक ने कहा कि किसी भी प्रकार की कठिनाई होने पर वे उनसे सीधे संपर्क कर सकते हैं. इस समारोह को चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने भी संबोधित किया. एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार इस अवसर पर 1,228 नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिए गए, जिनमें 1,097 महिलाएं और 131 पुरुष शामिल हैं.

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार दिवस पर नीतीश कुमार को पत्र लिखा

पटनाः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर बिहार दिवस के अवसर पर उन्हें और राज्य की जनता को बधाई दी. बिहार को 1912 में तत्कालीन बंगाल प्रेसीडेंसी से अलग करके 22 मार्च को राज्य बनाया गया था. राज्य के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार ने इस तीन पन्नों के पत्र का स्क्रीनशॉट अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किया.

प्रधानमंत्री ने केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सहयोगी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) अध्यक्ष नीतीश कुमार की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने समाज के सभी वर्गों के कल्याण के प्रति व्यक्तिगत प्रतिबद्धता दिखाई है. मोदी ने लिखा, आपके नेतृत्व में बिहार ने व्यापक परिवर्तन देखा है और मुझे गर्व है कि मेरी सरकार को राज्य के विकास को गति देने में योगदान करने का अवसर मिला.

प्रधानमंत्री ने अपने पत्र की शुरुआत मुख्यमंत्री और राज्य के मेरे भाइयों और बहनों को बिहार दिवस की शुभकामनाएं देते हुए की. उन्होंने बिहार के समृद्ध इतिहास का उल्लेख करते हुए गौतम बुद्ध द्वारा स्थापित नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों तथा चंद्रगुप्त मौर्य और उनके गुरु चाणक्य की कूटनीति और शासन-कौशल की विरासत का जिक्र किया, जो आज भी भारत का मार्गदर्शन करती है.

मोदी ने चम्पारण सत्याग्रह का भी उल्लेख किया, जिसकी शुरुआत महात्मा गांधी ने की थी. उन्होंने संविधान सभा के अध्यक्ष रहे सच्चिदानंद सिन्हा, स्वतंत्र भारत के पहले राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद और दलित नेता जगजीवन राम जैसे महान व्यक्तित्वों का भी जिक्र किया. उन्होंने जयप्रकाश नारायण के आंदोलन का भी उल्लेख किया, जिसने आपातकाल के खिलाफ संघर्ष की दिशा तय की थी. मोदी ने कहा, हाल ही में राजग सरकार को कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने का अवसर मिला, जिसकी सभी ने सराहना की है.

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कुशल नीतियों से बिहार ने अपना खोया हुआ गौरव पुनः प्राप्त किया : उमेश सिंह कुशवाहा

पटनाः बिहार में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने रविवार को बिहार दिवस के अवसर पर जारी बयान में कहा कि वर्ष 2005 के बाद बीते 21 वर्षों के सुशासन में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कुशल नीतियों और राज्य के विकास के प्रति प्रतिबद्धता के कारण बिहार ने अपना खोया हुआ गौरव और सम्मान पुनः प्राप्त किया है.

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राज्य सरकार की दूरदर्शी योजनाओं और ईमानदार सोच का परिणाम है कि बिहार आज हर क्षेत्र में प्रगति के नए आयाम स्थापित कर रहा है. नालंदा में नया विश्वविद्यालय, राजगीर में खेल परिसर, पटना में मेट्रो परियोजना और विश्वस्तरीय जेपी गंगा पथ जैसे बड़े बुनियादी ढांचा प्रोजेक्ट राज्य की बदलती तस्वीर को दर्शाते हैं. इसके साथ ही गांव-गांव तक सड़कों का विस्तार भी विकास की गति को मजबूत कर रहा है.

उन्होंने कहा कि बिहार ने वह समय भी देखा है जब अपराध के डर से लोगों को पलायन करना पड़ता था, जबकि आज राज्य अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों का सफल मंच बन रहा है. दुनिया भर के खिलाड़ी यहां के खेल इंफ्रास्ट्रक्चर की सराहना कर रहे हैं, जो मुख्यमंत्री की दृढ़ इच्छाशक्ति और सुशासन का परिणाम है.

जदयू प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बिहार अब 'बीमारू राज्य' की छवि से बाहर निकलकर विकास के नए मानक स्थापित कर रहा है. पहले जहां बेटियों को शिक्षा में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, वहीं आज बिहार, महिला पुलिस बल के मामले में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है. साथ ही उद्योग-धंधों के विकास और रोजगार के अवसरों में भी लगातार वृद्धि हो रही है. उन्होंने कहा कि सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्रों में भी बिहार का मॉडल देश के लिए प्रेरणास्रोत बन चुका है.

जदयू प्रदेश अध्यक्ष ने अंत में कहा कि बिहार दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि राज्य के गौरवशाली इतिहास को याद करते हुए विकास के लिए नए संकल्प लेने का अवसर भी है. यह दिन सभी को एक समृद्ध, सशक्त और विकसित बिहार के निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करता है.

मॉर्निंग वॉक पर निकले प्रोपर्टी डीलर पर फायरिंग

बदमाशों ने सीने में मारी गोली

नालंदा: बिहार के नालंदा में पोकलेन चालक के हत्या की गुत्थी सुलझी भी नहीं थी कि मॉर्निंग वॉक पर निकले प्रॉपर्टी डीलर को बेखौफ बदमाशों ने गोलियों से छलनी कर दिया. जिसे गंभीर हालात में बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर पटना रेफर कर दिया गया है. जिसकी हालात चिंताजनक बनी हुई है. घटना हिलसा थाना क्षेत्र पश्चिमी बाईपास की है. मॉर्निंग वॉक के दौरान मारी गोली: घायल व्यक्ति की पहचान बेलवा बाग निवासी नंदलाल यादव के 40 वर्षीय पुत्र भूषण यादव के रुप में हुई है. घटना के संबंध में बताया जाता है कि सुबह करीब साढ़े छह बजे भूषण चिकसौरा मोड़ के पास से गुजर रहे थे, तभी पहले से घात लगाए 3 नकाबपोश बदमाशों ने उनके सीने में गोली मार दी. घटना के संबंध में हिलसा थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि एक युवक को गोली लगने की सूचना मिली थी. जिसके बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और छानबीन में जुट गई है. उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच के क्रम में गोलीबारी की घटना दो पक्षों के बीच पूर्व से चले आ रहे जमीनी विवाद के कारण घटित होने की बात प्रकाश में आ रही है. सभी बिंदुओं पर जांच चल रही है.

इससे पहले शनिवार को हिलसा थाना क्षेत्र में 32 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई. मृतक की पहचान झारखंड के चतरा जिले के पथरी गांव निवासी कुलदीप यादव के रूप में हुई थी. मृतक हिलसा के पूर्वी बाईपास निर्माण कार्य के पोकलेन चालक था. वहीं, हिलसा रेलवे स्टेशन के निकट देवनगर मोहल्ला स्थित झाड़ीनुमा चाहरदीवारी में शव मिला है. मृतक की पहचान दबौल गांव निवासी राजकुमार शर्मा के 27 वर्षीय पुत्र राहुल कुमार के तौर पर किया गया है. प्रथम दृष्टया युवक की मौत नशे के ओवरडोज से हुई है.

जद (यू) के पूर्व नेता के सी त्यागी रालोद में शामिल हुए

नई दिल्लीः जनता दल (यूनाइटेड) के पूर्व नेता के सी त्यागी रविवार को राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) में शामिल हो गए. त्यागी ने रालोद अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी की मौजूदगी में सदस्यता ग्रहण की. त्यागी ने मंगलवार को जद (यू) छोड़ने की घोषणा की थी. हालांकि उन्होंने इसके लिए कोई कारण नहीं बताया था. त्यागी अक्टूबर 2003 में समता पार्टी और जनता दल के विलय से बनी जद(यू) से जुड़े रहे. उन्होंने जद (यू) में मुख्य महासचिव, मुख्य प्रवक्ता और राजनीतिक सलाहकार सहित विभिन्न पदों पर कार्य किया.

फरसा वाले बाबा की मौत के विरोध में हंगामा और तोड़फोड़ करने के आरोप में 19 लोग हुए गिरफ्तार

मथुराः उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में शुक्रवार की रात फरसा वाले बाबा के नाम से विख्यात गौसेवक बाबा चंद्रशेखर दास की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर हंगामा करने और रास्ता जाम करने के आरोप में पुलिस ने एक शातिर अपराधी समेत 19 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी. पुलिस सूत्रों ने बताया कि शनिवार की सुबह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जब मथुरा के तीन दिवसीय दौरे के बीच गोवर्धन में दर्शन-पूजन व परिक्रमा कर रही थीं, तभी बड़ी संख्या में बाबा चंद्रशेखर के समर्थक एवं शिष्य दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर एकत्र हो गये और रास्ता जाम कर हंगामा किया था.

पुलिस की रिपोर्ट के मुताबिक आरोपियों ने न केवल अनावश्यक तौर पर राजमार्ग जाम किया, बल्कि पुलिस जब उन्हें वहां से हटाने पहुंची तो उन्होंने पथराव कर दिया जिसमें कई पुलिसकर्मी जख्मी हो गये और करीब 25 अन्य लोगों को भी चोटें आयीं. सूत्रों के मुताबिक उपद्रवियों ने पुलिस चौकी और सरकारी गाड़ियों पर भी पथराव करके उन्हें क्षतिग्रस्त कर दिया. सूत्रों ने बताया कि इस मामले में शनिवार देर शाम तक आरोपी दक्ष चौधरी व उसके साथियों के खिलाफ कोसीकलां थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया और चौधरी तथा उसके 18 अन्य साथियों को गिरफ्तार भी कर लिया गया है. उन्होंने बताया कि चौधरी गाजियाबाद का शातिर अपराधी है जिस पर प्रदर्शन की आड़ में सरकारी और निजी गाड़ियों पर हमले, लूट, तोड़फोड़ करने के आरोप हैं.

सूत्रों ने बताया कि शनिवार को हिरासत में लिए गए अभियुक्तों का रविवार को मेडिकल परीक्षण कराने के बाद मजिस्ट्रेट के समक्ष उन्हें पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया. उन्होंने बताया कि इनमें बाबा के करीबी चेले भूरा व उसके साथियों के साथ गाजियाबाद के शातिर अभियुक्त दक्ष चौधरी और उसके साथी भी शामिल हैं. उन्होंने बताया कि बाबा के शिष्य हंगामा कर कथित गोकशों पर गोभक्त चंद्रशेखर दास (57) की हत्या किए जाने का आरोप लगा रहे थे. पुलिस के मुताबिक यह हत्या नहीं बल्कि दुर्घटना है और जिस ट्रक की चपेट में आकर बाबा की मौत हुई है, उसके चालक की भी मृत्यु हो गई है.

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने बताया कि बाबा के शिष्यों द्वारा पोस्टमॉर्टम न कराए जाने की मांग पर शनिवार को ही पुलिस की मौजूदगी में विधिवत अंतिम संस्कार कर दिया गया. जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश ने लोगों को आश्वासन दिया है कि अजनौंख स्थित गौशाला में बाबा की स्मृति में समाधि स्थल बनाया जाएगा और सुरक्षा के लिए पुलिस चौकी भी स्थापित की जाएगी. गौशाला की करीब 400 गायों के पालन-पोषण के सवाल पर जिलाधिकारी ने आश्वस्त किया है कि उन गायों के चारे-पानी आदि की व्यवस्था फिलहाल प्रशासन करेगा. उन्होंने कहा कि इसके लिए उन्होंने क्षेत्रीय उप जिलाधिकारी व खण्ड विकास अधिकारी को निर्देश दे दिए हैं.

बसपा जब-जब मजबूत हुई तो बहुजनों का भला हुआ: मायावती

लखनऊः बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को कहा कि जब-जब और जहां-जहां बसपा मजबूत हुई है, वहां दलित, आदिवासी, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) एवं अल्पसंख्यक समाज का भरपूर भला हुआ है. मायावती यहां मध्यप्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ राज्य इकाइयों के पदाधिकारियों की एक विशेष बैठक को संबोधित कर रही थीं. पार्टी द्वारा जारी बयान के अनुसार, इन राज्यों के लिए मुख्य सेक्टर प्रभारी एवं पूर्व सांसद राजाराम के नेतृत्व में आए पदाधिकारियों से उन्होंने संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी ली. समीक्षा के आधार पर उन्होंने पाया कि निर्देशों के अनुपालन के मामले में तीनों राज्यों में कुछ प्रगति हुई है.

बसपा प्रमुख ने पदाधिकारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि बहुजनों की सुरक्षा, सम्मान और अस्मिता के मिशनरी उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए पूरी मुस्तैदी से कार्य करते हुए चुनावी सफलता हासिल करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है. उन्होंने कहा, जब-जब और जहां-जहां बसपा मजबूत हुई है, वहां दलितों, आदिवासियों, ओबीसी और अल्पसंख्यक समाज के लोगों का भरपूर भला हुआ है.

मायावती ने भीमराव आंबेडकर और पार्टी संस्थापक कांशीराम को याद करते हुए कहा, देशभर में बहुजनों के हित, कल्याण और उत्थान के लिए तथा उन्हें आत्मसम्मान के साथ समतामूलक समाज में जीवन जीने का अधिकार दिलाने हेतु बाबा साहेब ने जो अनेक कानूनी और संवैधानिक अधिकार दिए, उन्हें सही ढंग से लागू कराने के लिए सत्ता की मास्टर चाबी स्वयं के हाथ में लेना आवश्यक है. उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य से कांशीराम ने अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया और उनके अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए पार्टी पूरी प्रतिबद्धता के साथ प्रयासरत है.

मायावती ने तीनों राज्यों में कार्यकर्ताओं द्वारा लगन और निष्ठा के साथ आंबेडकरवादी आंदोलन को आगे बढ़ाने और शासक वर्ग बनने के लक्ष्य के लिए संघर्षरत रहने की सराहना की. बसपा प्रमुख ने कार्यकर्ताओं को आगाह करते हुए कहा कि ऐसे समय में, जब सत्ताधारी दल समाज और सत्ता में अपना वर्चस्व बनाए रखने के लिए सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग सहित साम, दाम, दंड और भेद जैसे सभी हथकंडे अपनाने पर आमादा हैं, तब विशेष रूप से दलित और ओबीसी सहित बहुजन समाज के प्रत्येक वर्ग को चुनावी सफलता के लिए पूरी ताकत से जुटना होगा.

उन्होंने 15 मार्च को देशभर में कांशीराम की जयंती मनाए जाने पर कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया तथा 14 अप्रैल को बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती व बसपा के स्थापना दिवस को मिशनरी उद्देश्यों के साथ मनाने की अपील की.

सुपौल में महिला सिपाही की बंद पड़े वॉशरूम में लटकी मिली लाश

सुपौल: बिहार के सुपौल में एक प्रशिक्षु महिला सिपाही की वॉशरूम में लटकी हुई लाश बरामद हुई. सुपौल में रामनवमी और ईद के मौके पर 19 मार्च को महिला सिपाही को किशनपुर थाने में तैनाती दी गई थी. महिला सिपाही की मौत की खबर से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया.

ईद के मौके पर किशनपुर थाना में प्रतिनियुक्त एक 22 वर्षीया महिला प्रशिक्षु पुलिस ने शनिवार की रात फांसी लगा आत्महत्या कर ली. महिला कांस्टेबल की सुसाइड की खबर मिलते ही पुलिस महकमा में हड़कंप मच गया. मौके पर पहुंची पुलिस ने किशनपुर थाना परिसर में स्थित एक अनुपयोगी वॉशरूम में दुपट्टे के सहारे लटक रही महिला कांस्टेबल को देख दंग रह गई. वॉशरूम का दरवाजा तोड़ उसके शव को नीचे उतारा गया.

पुलिस महकमे में मचा हड़कंप

सूचना पर रात्रि में ही कोसी रेंज के डीआईजी कुमार आशीष और एसपी शरथ आरएस ने पहुंचकर मामले की जांच की. वहीं पुलिस पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिया. मौके पर पहुंची एफएसएल की टीम भी जांच में जुट गई है. जबकि पुलिस द्वारा मृतका के परिजन को भी सूचना दी गई. मृतका कॉन्सटेबल आरा जिले की रहने वाली थी. वह मुजफ्फरपुर जिला बल में तैनात थीं और फिलहाल सुपौल के भीमनगर में ट्रेनिंग कर रही थीं.

किशनपुर थानाध्यक्ष ज्ञान रंजन कुमार का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है. उसके परिजन भी पहुंच गए हैं. शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है. मौके से कुछ लिखित नोट्स भी बरामद किए गए हैं, जिस पर खुलासा होना अभी बाकी है. मृत महिला सिपाही का मोबाइल फोन उनकी जेब से बरामद हुआ है. मृतका की शादी नहीं हुई थी. बताया जा रहा है कि शनिवार के दिन घटना से पहले वह अपने कमरे के बाहर बहुत देर तक गाना गाई थी. वह मानसिक रूप से तनाव में दिख रही थी. फिलहाल उसने ये कदम क्यों उठाया उसको लेकर डिपार्टमेंट में चर्चा है. देखने वाली बात है कि इस मामले में क्या कुछ निकलकर आता है.

जनसुराज का काम केवल चुनाव लड़ना नही बल्कि विकास की सोच को जनजन तक पहुंचाना हैः पीके

नवादाः नवादा. जन सुराज अभियान के तहत चल रहे बिहार नवनिर्माण कार्यक्रम के दौरान रविवार को नवादा में आयोजित कार्यकर्ता बैठक में पार्टी के मुखिया प्रशांत किशोर ने संगठन को मजबूत करने और राज्य के ज्वलंत मुद्दों पर जोरदार भाषण दिया. इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद करते हुए उन्हें आगामी राजनीतिक लड़ाई के लिए तैयार रहने का आह्वान किया.

बैठक को संबोधित करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार में वास्तविक बदलाव केवल नीतियों से नहीं, बल्कि मजबूत जनसंगठन और जागरूक जनता से संभव है. उन्होंने कहा कि जन सुराज का उद्देश्य सिर्फ चुनाव लड़ना नहीं, बल्कि बिहार के हर गांव और हर परिवार तक विकास की सोच पहुंचाना है.

रोजगार के मुद्दे पर उन्होंने राज्य सरकार को घेरते हुए कहा कि आज भी लाखों युवा रोजगार के लिए पलायन करने को मजबूर हैं. जब तक बिहार में स्थानीय स्तर पर उद्योग और रोजगार के अवसर नहीं बनेंगे, तब तक विकास की बात अधूरी रहेगी, उन्होंने कहा. उन्होंने प्रत्येक प्रखंड स्तर पर छोटे उद्योग स्थापित करने की जरूरत बताई.

भ्रष्टाचार के सवाल पर भी उन्होंने तीखा हमला करते हुए कहा कि व्यवस्था में पारदर्शिता लाना जरूरी है. उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे गांव-गांव जाकर लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करें और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाएं.

महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर बोलते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि सरकार द्वारा किए गए आर्थिक वादों को पूरी पारदर्शिता के साथ लागू किया जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि अगर वादे पूरे नहीं होते हैं, तो जन आंदोलन खड़ा किया जाएगा.

बैठक के अंत में उन्होंने कार्यकर्ताओं को संगठन विस्तार का मंत्र देते हुए कहा कि आने वाले समय में जन सुराज को एक मजबूत राजनीतिक विकल्प के रूप में स्थापित करना है. इसके लिए हर कार्यकर्ता को अपने क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभानी होगी. पार्टी के नवादा प्रत्याशी वरिष्ठ नेता शिक्षाविद डॉक्टर अनुज सिंह ने कहा कि संघर्ष से ही दल की मजबूती संभव है. जिसके लिए काम करना चाहिए.

न्यूज कॉर्नर

जून से शिपकी ला के जरिए फिर शुरू होगा भारत-तिब्बत व्यापार

शिमला: हिमाचल प्रदेश के जनजातीय विकास एवं राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने रविवार को कहा कि किन्नौर स्थित शिपकी ला दर्रे के जरिए भारत-तिब्बत व्यापार इस साल जून से फिर शुरू होने के लिए तैयार है. इसे कोविड महामारी के कारण 2020 में स्थगित कर दिया गया था.उन्होंने कहा कि सुरक्षा चिंताओं और अन्य कारकों के चलते पहले कई प्रतिबंध लागू थे, जिससे पर्यटक और व्यापारी इन क्षेत्रों तक नहीं पहुंच पा रहे थे. उन्होंने कहा कि पाबंदियों में ढील और व्यापार फिर से शुरू होने से किन्नौर और आसपास के क्षेत्रों में वाणिज्य को बढ़ावा मिलने और रोजगार सृजन की उम्मीद है.नेगी ने 'पीटीआई वीडियो' को बताया कि पारंपरिक व्यापार कई वर्षों से अधर में लटका हुआ था और स्थानीय व्यापारिक संघ व संगठन इसे फिर से शुरू करने की मांग कर रहे थे. उन्होंने उम्मीद जताई कि मौसम की स्थिति में सुधार होते ही जून में व्यापारिक गतिविधियां फिर से शुरू हो जाएंगी.नेगी ने केंद्र सरकार से कैलाश-मानसरोवर यात्रा की सुविधा के लिए शिपकी ला दर्रे की सड़क को विकसित करने का भी आग्रह किया. उन्होंने कहा कि केवल 3-4 किलोमीटर का संपर्क बनाने से यात्रा आसान और छोटी हो जाएगी.उन्होंने कहा कि कैलाश-मानसरोवर हिंदू, बौद्ध और जैन धर्म के अनुयायियों के लिए बहुत महत्व रखता है और इस मार्ग को खोलने से साहसिक पर्यटन तथा पर्यटकों की संख्या में भी वृद्धि होगी.

गोदरेज प्रॉपर्टीज, लोढा डेवलपर्स ने चालू वित्त वर्ष में 25 से अधिक भूखंडों का अधिग्रहण किया

नयी दिल्ली: गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड और लोढ़ा डेवलपर्स लिमिटेड भारत में आवास की मांग को लेकर आशावादी हैं, क्योंकि दोनों रियल एस्टेट कंपनियों ने चालू वित्त वर्ष में अब तक 25 से अधिक भूखंडों का अधिग्रहण किया है ताकि एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की संयुक्त राजस्व क्षमता वाली आवासीय परियोजनाओं का विकास किया जा सके. निवेशकों के सामने प्रस्तुत एक जानकारी के अनुसार, लोढ़ा डेवलपर्स ने चालू वित्त के पहले नौ महीनों के दौरान मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), दिल्ली-एनसीआर, पुणे और बेंगलुरु में आवास परियोजनाओं को विकसित करने के लिए 11 भूखंडों का अधिग्रहण किया है.लोढ़ा समूह द्वारा अधिग्रहित इन 11 भूखंडों का अनुमानित विक्रय योग्य क्षेत्रफल दो करोड़ वर्ग फुट है और अनुमानित विक्रय मूल्य 58,800 करोड़ रुपये है.इसी तरह, गोदरेज प्रॉपर्टीज भी समूह आवास और आवासीय भूखंड विकास परियोजनाओं के लिए प्रथम और द्वितीय श्रेणी के शहरों में आक्रामक रूप से भूमि के टुकड़े अधिग्रहित कर रही है.गोदरेज प्रॉपर्टीज ने चालू वित्त वर्ष में अब तक 42,000 करोड़ रुपये की आवासीय परियोजनाओं को विकसित करने के लिए लगभग 20 भूखंडों का अधिग्रहण किया है.निवेशकों को दी गई प्रस्तुति के अनुसार, गोदरेज प्रॉपर्टीज ने चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में आवास परियोजनाओं को विकसित करने के लिए 12 भूखंडों का अधिग्रहण किया है, जिनका अनुमानित विक्रय योग्य क्षेत्रफल 2.23 करोड़ वर्ग फुट और अपेक्षित बुकिंग मूल्य 24,650 करोड़ रुपये है.

सेबी बोर्ड सोमवार को एफपीआई निपटान नियमों में ढील, मध्यस्थ सुधारों पर विचार करेगा

नयी दिल्ली: शेयर बाजार नियामक सेबी का निदेशक मंडल सोमवार को एक व्यापक एजेंडा पर चर्चा करने के लिए बैठक करने वाला है. मामले से परिचित लोगों के अनुसार, इसमें विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिए कोष निपटान नियमों को आसान बनाने और बाजार मध्यस्थों के लिए नियामकीय ढांचे में बदलाव के प्रस्ताव शामिल हैं.एजेंडा का एक प्रमुख हिस्सा एफपीआई को उसी दिन के नकद बाजार व्यापार के लिए 'फंड नेटिंग' की अनुमति देने का प्रस्ताव है. मौजूदा ढांचे के तहत, एक एफपीआई को इक्विटी नकद बाजार सौदों का निपटान सकल आधार पर करना होता है. यानी प्रत्येक खरीद लेनदेन के लिए अलग से फंड देना होता है, भले ही उसी दिन कोई बिक्री लेनदेन भी हुआ हो.सेबी ने 'फंड नेटिंग' की अनुमति देने का प्रस्ताव दिया है, जिससे एफपीआई उसी दिन की बिक्री से प्राप्त राशि का उपयोग खरीद देनदारियों को चुकाने के लिए कर सकेंगे. इससे उन्हें केवल शुद्ध देय राशि ही चुकानी होगी.

वेदांता पहुंची एनसीएलएटी, जयप्रकाश एसोसिएट्स के अधिग्रहण के लिए अदाणी की बोली को दी चुनौती

नयी दिल्ली: दिग्गज कारोबारी समूह वेदांता ग्रुप ने जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के अधिग्रहण के मामले में एनसीएलएटी का रुख किया है. कंपनी ने जेएएल को 14,535 करोड़ रुपये में अधिग्रहित करने के लिए अदाणी समूह की बोली को मिली राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मंजूरी को चुनौती दी है. अनिल अग्रवाल के नेतृत्व वाला वेदांता समूह दिवाला प्रक्रिया के जरिये जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड को हासिल करने की दौड़ में शामिल था, लेकिन कर्जदाताओं ने पिछले साल नवंबर में अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की समाधान योजना या बोली को मंजूरी दे दी थी.एनसीएलटी की इलाहाबाद पीठ ने 17 मार्च को दिवाला प्रक्रिया के जरिए जेपी एसोसिएट्स के अधिग्रहण के लिए अदाणी एंटरप्राइजेज की 14,535 करोड़ रुपये की बोली को मंजूरी दी थी. जेपी एसोसिएट्स ने शेयर बाजार को बताया था कि एनसीएलटी ने 17 मार्च, 2026 को मौखिक रूप से आदेश सुनाते हुए अदाणी की योजना को मंजूरी दी है.खनन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वेदांता ने अब उक्त एनसीएलटी आदेश के खिलाफ राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) में अपील दायर की है. यह मामला सोमवार को चेयरपर्सन न्यायमूर्ति अशोक भूषण और सदस्य (तकनीकी) बरुण मित्रा की दो सदस्यीय पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है.पिछले साल नवंबर में कर्जदाताओं की समिति (सीओसी) ने जेपी एसोसिएट्स के अधिग्रहण के लिए गौतम अदाणी की समाधान योजना को मंजूरी दी थी. अदाणी एंटरप्राइजेज ने इस बोली को जीतने के लिए वेदांता और डालमिया भारत को पीछे छोड़ दिया था. अदाणी को कर्जदाताओं से सर्वाधिक 89 प्रतिशत वोट मिले थे, जिसके बाद डालमिया सीमेंट (भारत) और वेदांता समूह का स्थान था.जेपी एसोसिएट्स के पास रियल एस्टेट, सीमेंट विनिर्माण, आतिथ्य, बिजली और इंजीनियरिंग तथा निर्माण क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाली संपत्तियां हैं. कंपनी कुल 57,185 करोड़ रुपये के ऋण भुगतान में चूक कर गई थी.

सरकार आईडीबीआई बैंक में सार्वजनिक हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए ओएफएस पर कर सकती है विचार

नयी दिल्ली: सरकार आईडीबीआई बैंक में सार्वजनिक हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए बिक्री पेशकश (ओएफएस) के माध्यम से शेयर बेचने पर विचार कर सकती है.यह कदम उस कोशिश के बाद उठाया जा रहा है, जिसमें एलआईसी-नियंत्रित बैंक में हिस्सेदारी बेचने का प्रयास असफल रहा.वर्तमान में आईडीबीआई बैंक में सार्वजनिक हिस्सेदारी केवल 5.29 प्रतिशत है, जिससे बैंक का सही मूल्यांकन करना मुश्किल हो जाता है.बाकी के शेयर बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के पास हैं, जिसके पास 49.24 प्रतिशत हिस्सेदारी और बैंक पर नियंत्रण है. वहीं, भारत सरकार की हिस्सेदारी 45.48 प्रतिशत है.इस महीने की शुरुआत में सरकार और एलआईसी द्वारा संयुक्त रूप से धारित 60.72 प्रतिशत बहुमत हिस्सेदारी की प्रस्तावित बिक्री को रद्द कर दिया गया था, क्योंकि कथित तौर पर दो संभावित खरीदारों की वित्तीय बोलियां आरक्षित मूल्य से कम थीं.सूत्रों के अनुसार, आईडीबीआई बैंक में कम फ्री फ्लोट यानी सार्वजनिक हिस्सेदारी होने के कारण शेयर का सही मूल्य तय करना मुश्किल है. अगर इसे 10-15 प्रतिशत तक बढ़ाया जाए तो शेयर का मूल्य निर्धारण अधिक भरोसेमंद और पारदर्शी हो जाएगा. उन्होंने यह भी कहा कि रणनीतिक बिक्री (ओएफएस) के एक या दो चरणों के बाद भी की जा सकेगी.

साप्ताहिक समीक्षा- जोरदार उतार -चढ़ाव के बीच मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

नई दिल्ली: पश्चिम एशिया में जारी जंग की वजह से पिछले सप्ताह के कारोबार में घरेलू शेयर बाजार जोरदार उतार-चढ़ाव का गवाह बना. इस सप्ताह के पांच कारोबारी दिन में से चार दिन खरीदारी का जोर बना रहा, वहीं सिर्फ एक कारोबारी दिन बिकवाली की आंधी ने बाजार को पूरी तरह से झकझोर दिया. सिर्फ इस एक दिन की बिकवाली की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक साप्ताहिक आधार पर मामूली गिरावट के साथ बंद हुए.

सोमवार से लेकर बुधवार तक घरेलू शेयर बाजार मजबूती के साथ कारोबार करता रहा. इन तीन दिनों में सेंसेक्स 2,140.21 अंक उछल गया, वहीं निफ्टी 626.70 अंक की छलांग लगाने में सफल रहा. इसके बाद गुरुवार को चौतरफा बिकवाली शुरू हो जाने पर सेंसेक्स एक ही दिन में 2,496.89 अंक टूट कर बंद हुआ. इसी तरह निफ्टी 775.65 अंक की बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ.

सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन एक बार फिर बाजार में तेजी का रुख बना, लेकिन दूसरे सत्र में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक सीमित बढ़त के साथ बंद हुए. इस उतार-चढ़ाव की वजह से पूरे सप्ताह के कारोबार के बाद बीएसई का सेंसेक्स 30.96 अंक यानी 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,532.96 अंक के स्तर पर बंद हुआ. इसी तरह निफ्टी ने साप्ताहिक आधार पर 36.60 अंक यानी 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,114.50 अंक के स्तर पर पिछले सप्ताह के कारोबार का अंत किया.

सोमवार से शुक्रवार के कारोबार के दौरान बीएसई का लार्जकैप इंडेक्स साप्ताहिक आधार पर 0.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ. इस इंडेक्स में शामिल भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन, सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया, आईडीबीआई बैंक, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, मैनकाइंड फार्मा, लोढ़ा डेवलपर्स, हिंदुस्तान जिंक और श्रीराम फाइनेंस के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए. दूसरी ओर, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, वारी एनर्जीज, लेंसकार्ट सॉल्यूशंस, मीशो,

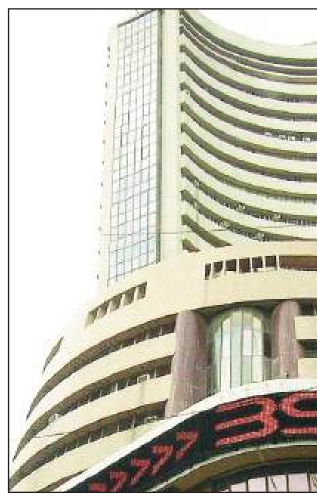

टीवीएस मोटर कंपनी और एटरनल के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए.

शुक्रवार को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह में बीएसई का मिडकैप इंडेक्स साप्ताहिक आधार पर 0.02 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ बंद हुआ. इस इंडेक्स में शामिल ब्रेन बीज सॉल्यूशंस, प्रीमियर एनर्जीज, वन 97 कम्युनिकेशंस (पेटीएम), एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस, लॉयड मेटल एंड एनर्जी, भारती हेक्साकॉम और स्कैफलर इंडिया के शेयर साप्ताहिक आधार पर 7 से लेकर 12 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे. दूसरी ओर, बंधन बैंक, प्रॉक्टर एंड गैंबल हाइजीन एंड हेल्थ केयर, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन, पेट्रोनेट एलएनजी, कंसाई नैरोलैक पेंट्स और एजीस वोपैक टर्मिनल्स के शेयर साप्ताहिक आधार पर 7 से लेकर 10 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए.

20 मार्च को खत्म हुआ कारोबारी सप्ताह के बाद बीएसई का स्मॉलकैप इंडेक्स 0.01प्रतिशत की सांकेतिक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा. इस इंडेक्स में शामिल वेबसोल एनर्जी सिस्टम, गुजरात अल्कलाइज एंड केमिकल्स, वेलिएंट ऑर्गेनिक्स, बोडल केमिकल्स, दीप इंडस्ट्रीज, नेटवर्क पीपुल सर्विसेज टेक्नोलॉजीज, निटको, शैली इंजीनियरिंग प्लास्टिक्स, ऑलेक्ट्रा ग्रीनटेक और उत्तम शुगर मिल्स के शेयर 20 से 21 प्रतिशत तक की साप्ताहिक बढ़त के साथ बंद हुए.

दूसरी ओर, टीटीके प्रेस्टीज, इकॉज इंडिया मोबिलिटी एंड हॉस्पिटैलिटी, एक्विलॉल नेक्सस, साधना नाइट्रोकेम, राजेश एक्सपोर्ट्स, कैमलिन फाइन साइंसेज, वीएल ई-गवर्नेंस एंड आईटी सॉल्यूशंस, स्पाइस जेट, हिंदुस्तान ऑयल एक्सप्लोरेशन कंपनी, फाइनो पेमेंट्स बैंक, फिलेटेक्स फैशंस, एस्टेक लाइफ साइंसेज,डीईई डेवलपमेंट इंजीनियर्स, डिश टीवी इंडिया, एवरेस्ट इंडस्ट्रीज और शिवालिक रसायन के शेयर 10 से 20 प्रतिशत तक की साप्ताहिक गिरावट के साथ बंद हुए.

पिछले सप्ताह के कारोबार में स्टॉक मार्केट का सेक्टोरल परफॉर्मेंस मिला-जुला रहा. इस सप्ताह के कारोबार में निफ्टी का प्राइवेट बैंक इंडेक्स, एफएमसीजी, फार्मास्यूटिकल, हेल्थकेयर, रियल्टी, डिफेंस और ऑयल एंड गैस इंडेक्स में साप्ताहिक आधार पर एक प्रतिशत से लेकर 2.4 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई. दूसरी ओर, निफ्टी का पीएसयू बैंक इंडेक्स, ऑटो इंडेक्स, मेटल इंडेक्स और आईटी इंडेक्स 0.40 प्रतिशत से लेकर दो प्रतिशत तक की साप्ताहिक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे. 16 से 20 मार्च तक के कारोबारी सप्ताह के दौरान विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) लगातार पांचवें सप्ताह शुद्ध बिकवाल (नेट सेलर) बने रहे. इस सप्ताह के पांच कारोबारी दिन के दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शेयर बाजार में 29,897.67 करोड़ रुपये की बिकवाली की. दूसरी ओर, घरेलू शेयर बाजार को सहारा देने के लिए घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने पूरे सप्ताह के कारोबार के दौरान 30,641.90 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीदारी की.

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

एक सप्ताह में 13,690 रुपये तक सस्ता हुआ सोना, चांदी में 30 हजार रुपये की गिरावट

नई दिल्ली: घरेलू सर्राफा बाजार में कमजोरी का रुख लगातार जारी है. आज रविवार के कारोबार में हाजिर सोना 2,740 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,930 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया. इसी तरह चांदी के भाव में आज 9,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है. कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,45,970 रुपये से लेकर 1,46,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. वहीं, 22 कैरेट सोना आज 1,33,800 रुपये से लेकर 1,33,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है. चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,45,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है.

साप्ताहिक आधार पर देखें तो पिछले सप्ताह के कारोबार में सोना और चांदी की कीमत में बड़ी कमजोरी दर्ज की गई है. पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोने की कीमत में 13,690 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट आई है. इसी तरह 22 कैरेट सोना साप्ताहिक आधार पर 12,550 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है. चांदी के भाव में भी पूरे सप्ताह की कारोबार में जबरदस्त दबाव बना रहा, जिसकी वजह से ये चमकीली धातु 30 हजार रुपये प्रति किलोग्राम सस्ती हो गई है.दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,46,120 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,45,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,46,020 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है.इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,45,970 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,33,800 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है. इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,45,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है.

टॉप 10 में शामिल 5 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.02 लाख करोड़ की गिरावट

एचडीएफसी बैंक को सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली: घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल पांच कंपनियों के मार्केट कैप में गिरावट आ गई, जबकि पांच कंपनियों के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हो गई. शीर्ष स्थान पर मौजूद इन दस कंपनियों में से पांच के मार्केट कैप में सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार के बाद 1.02 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई. इनमें सबसे अधिक नुकसान एचडीएफसी बैंक को हुआ, जबकि नुकसान उठाने के मामले में हिंदुस्तान यूनिलीवर दूसरे स्थान पर रहा.दूसरी ओर, टॉप 10 में शामिल कंपनियों में शेष बची पांच कंपनियों के मार्केट कैप में पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद 86 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई. इनमें सबसे अधिक फायदा रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ, जबकि भारती एयरटेल मुनाफा कमाने के मामले में दूसरे स्थान पर रहा.

इस सप्ताह के कारोबार के दौरान एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फाइनेंस, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और आईसीआईसीआई बैंक के मार्केट कैप में 1,02,771.87 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई. दूसरी ओर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और इंफोसिस के मार्केट कैप में 86,210.97 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई.16 मार्च से 20 मार्च के बीच हुए कारोबार के दौरान एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 56,124.48 करोड़ रुपये गिर कर 12,01,267.28 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया. इसी तरह हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 18,009.62 करोड़ रुपये घट कर 4,89,631.32 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया.

इसके अलावा, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 15,338.42 करोड़ रुपये की कमजोरी के साथ 5,16,715.12 करोड़ रुपये के स्तर पर, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 7,127.63 करोड़ रुपये की कमी के साथ 8,64,940 करोड़ रुपये के स्तर पर और आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 6,171.72 करोड़ रुपये कम होकर 8,91,673.06 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया.

दूसरी ओर, रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 45,942.75 करोड़ रुपये बढ़ कर 19,14,235.92 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया. इसी तरह भारती एयरटेल का मार्केट कैप 24,462.03 करोड़ रुपये उछल कर 10,52,893.75 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया. इसके अलावा, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 10,707.52 करोड़ रुपये की तेजी के साथ 9,76,968.57 करोड़ रुपये के स्तर पर, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 2,624.88 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 4,91,610.45 करोड़ रुपये के स्तर पर और इंफोसिस का मार्केट कैप 2,473.79 करोड़ रुपये की उछाल के साथ 5,08,789.37 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया.

मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 19,14,235.92 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही. इसके बाद एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 12,01,267.28 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 10,52,893.75 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 9,76,968.57 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 8,91,673.06 करोड़ रुपये), टीसीएस (कुल मार्केट कैप 8,64,940 करोड़ रुपये), बजाज फाइनेंस (कुल मार्केट कैप 5,16,715.12 करोड़ रुपये), इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 5,08,789.37 करोड़ रुपये), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) (कुल मार्केट कैप 4,91,610.45 करोड़ रुपये) और हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 4,89,631.32 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे.

सरकार ने शहरों में गैस परियोजनाओं की तेजी से मंजूरी के निर्देश दिए

नयी दिल्ली: सरकार ने गैस वितरण को सुव्यवस्थित करने और आपूर्ति दबाव को कम करने के लिए कदम तेज कर दिए हैं. इसके तहत शहरों में पाइपलाइन गैस परियोजनाओं (सीएनजी/पीएनजी) के आवेदन तेजी से निपटाने और प्रमुख क्षेत्रों को वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति बढ़ाने का निर्देश दिया गया है, ताकि चुनौतीपूर्ण वैश्विक भू-राजनीतिक हालात के बीच घरेलू और व्यावसायिक जरूरतों को पूरा किया जा सके. एक आधिकारिक बयान के अनुसार पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) ने अपने कार्यालयों को निर्देश दिया है कि वे शहर गैस वितरण (सीजीडी) के सभी आवेदन केवल 10 दिनों में निपटाएं. इसका उद्देश्य पाइपलाइन के माध्यम से प्राकृतिक गैस की व्यवस्था को तेजी से शुरू करना है.बड़े शहरों और शहरी क्षेत्रों में व्यावसायिक एलपीजी उपभोक्ताओं को भी एलपीजी पर निर्भरता कम करने की व्यापक रणनीति के तहत पाइप के जरिये आपूर्ति की जाने वाली रसोई गैस (पीएनजी) की ओर स्थानांतरित होने की सलाह दी गई है.बयान के अनुसार, घरेलू एलपीजी की आपूर्ति स्थिर बनी हुई है, वितरकों के पास गैस की कमी की कोई सूचना नहीं है और देशभर में वितरण सामान्य रूप से हो रहा है. साथ ही, अधिकांश आपूर्ति वितरण प्रमाणीकरण कोड (डीएसी) के माध्यम से की जा रही है और पहले जैसी अचानक खरीदारी की स्थिति अब कम हो गई है.

मार्च में सेलर की भूमिका में बने रहे विदेशी निवेशक, तीन सप्ताह में बेचे 88,180 करोड़ के शेयर

नई दिल्ली: पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) लगातार बिकवाल (सेलर) की भूमिका में बने हुए हैं. मार्च में अभी तक विदेशी निवेशक बिकवाली कर भारतीय शेयर बाजार से 88,180 करोड़ रुपये यानी लगभग 9.60 अरब डॉलर की निकासी कर चुके हैं. मार्च के तीसरे सप्ताह तक हुई बिकवाली के आंकड़ों को मिला कर साल 2026 में विदेशी निवेशक अभी तक घरेलू शेयर बाजार से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की निकासी कर चुके हैं.इससे पहले फरवरी के महीने में विदेशी निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में 22,615 करोड़ रुपये की खरीदारी की थी, जबकि जनवरी के महीने में विदेशी निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार से 35,962 करोड़ रुपये की निकासी की थी. इस तरह विदेशी निवेशक जनवरी 2026 से लेकर मार्च 2025 की तीसरे सप्ताह के अंत यानी 20 मार्च 2025 तक भारतीय शेयर बाजार से कुल 1,01,527 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं.

नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार मार्च 2025 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक घरेलू शेयर बाजार के हर कारोबारी सत्र में बिकवाल की भूमिका निभाते रहे. राहत की बात यही रही कि विदेशी निवेशकों ने जहां लगातार बिकवाली का दबाव बनाया, वहीं घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) बाजार को सहारा देने की कोशिश में लगातार खरीददारी करते रहे. मार्च में पहले तीन सप्ताह के दौरान घरेलू संस्थागत निवेशक अभी तक शेयर बाजार में कुल 1,01,168.60 करोड़ रुपये की खरीदारी कर चुके हैं.मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा घरेलू शेयर बाजार में जमकर की जा रही बिकवाली की सबसे बड़ी वजह पश्चिम एशिया में जारी जंग को माना जा सकता है. इस जंग के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल होने की आशंका बन गई है. इसी तरह हॉर्मुज स्ट्रेट के रास्ते मालवाहक जहाजों की आवाजाही ठप हो जाने की वजह से कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गई है. इसी तरह डॉलर इंडेक्स में आई तेजी के कारण रुपये ऐतिहासिक गिरावट का शिकार हो गया है. वहीं, अमेरिकी बॉन्ड पर बढ़ती यील्ड के कारण डॉलर बेस्ड असेट्स के प्रति निवेशकों का रुझान बढ़ गया है. इस वजह से भी विदेशी निवेशक भारत जैसे देशों के बाजार से पैसा निकालने में जुटे हुए हैं.

अगले सप्ताह खुलेंगे सात नए आईपीओ, चार कंपनियों की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली: कल सोमवार यानी 23 मार्च से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में सात कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं. इनमें से तीन कंपनियों के आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि चार आईपीओ एसएमई सेगमेंट का है. इन नई लॉन्चिंग के अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए खुले दो आईपीओ में भी इस सप्ताह 24 मार्च तक निवेशक बोली लगा सकेंगे. जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो इस सप्ताह चार कंपनियां स्टॉक मार्केट में एंट्री करने वाली हैं. इनमें तीन कंपनियां मेनबोर्ड सेगमेंट की हैं.सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 23 मार्च को टिपको इंजीनियरिंग का 60.55 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है. इस इश्यू में 25 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है. आईपीओ में बोली लगाने के लिए 84 रुपये से लेकर 89 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है. आईपीओ की क्लोजिंग के बाद एक अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है.

इसके अगले दिन 24 मार्च को साई पैरेंटेरल्स का 408.79 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है. इस इश्यू में 27 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है. आईपीओ में बोली लगाने के लिए 372 रुपये से लेकर 392 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 38 शेयर का है. आईपीओ की क्लोजिंग के बाद दो अप्रैल को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है.

इसी दिन अमीर चंद जगदीश कुमार का 440 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है. इस इश्यू में भी 27 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है. आईपीओ में बोली लगाने के लिए 201 रुपये से लेकर 212 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 70 शेयर का है. आईपीओ की क्लोजिंग के बाद दो अप्रैल को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है.सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन ही पावरिका लिमिटेड का 1,100 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है. इस इश्यू में भी 27 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है. आईपीओ में बोली लगाने के लिए 375 रुपये से लेकर 395 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 37 शेयर का है. आईपीओ की क्लोजिंग के बाद दो अप्रैल को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है.

इसके अलावा 24 मार्च को ही हाईनेस

माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड का 21.67 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है. इस इश्यू में भी 27 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है. आईपीओ में बोली लगाने के लिए 114 रुपये से लेकर 112 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है. आईपीओ की क्लोजिंग के बाद दो अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है.

इसके अगले दिन 25 मार्च को विविड इलेक्ट्रोमेक का 130.54 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है. इस इश्यू में 30 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है. आईपीओ में बोली लगाने के लिए 528 रुपये से लेकर 555 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 240 शेयर का है. आईपीओ की क्लोजिंग के बाद छह अप्रैल को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है. सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 27 मार्च को एमिएक टेक्नोलॉजीज का आईपीओ सबस्क्रिप्शन के लिए खुल रहा है. है. इस इश्यू में आठ अप्रैल तक बोली लगाई जा सकेगी.

इस इश्यू के लिए अभी प्राइस बैंड और लॉट साइज का ऐलान नहीं किया गया है. आईपीओ की क्लोजिंग के बाद कंपनी के शेयर 13 अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं.इन नए आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए खुले स्पेशियलिटी मेडिसिन्स के 29.14 करोड़ रुपये के आईपीओ में 24 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है. आईपीओ में बोली लगाने के लिए 117 रुपये से लेकर 124 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है. आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 30 मार्च को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है. इस आईपीओ को अभी तक 84 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिला है.

इसी तरह 20 मार्च को ही सब्सक्रिप्शन के लिए खुले सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआईएल) के 1,842.12 करोड़ रुपये के आईपीओ में भी 24 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है. आईपीओ में बोली लगाने के लिए 163 रुपये से लेकर 172 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 80 शेयर का है. आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 30 मार्च को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है. इस आईपीओ को अभी तक सिर्फ सात प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिला है.जहां तक शेयर बाजार में लिस्टिंग की बात है, तो इस सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 23 मार्च को ही इनोविजन के शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हों सकते हैं.

इसी तरह 24 मार्च को जीएसपी क्रॉप साइंसेज और राजमार्ग इंफ्रा इनवेस्टमेंट ट्रस्ट के शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्टिंग के जरिये स्टॉक मार्केट में अपने कारोबार की शुरुआत कर सकते हैं. इसके अलावा बुधवार 25 मार्च को नोवस लॉयल्टी के शेयरों की बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग हो सकती है.

न्यूज कॉर्नर

डुप्लांटिस ने नए रिकॉर्ड के साथ लगातार चौथी बार विश्व इंडोर पोल वॉल्ट खिताब जीता

टोरुन (पोलैंड): आर्मंड डुप्लांटिस ने यूनान के एम्मानौइल करालिस से कड़ी टक्कर मिलने के बावजूद अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए पोल वॉल्ट में एक और विश्व खिताब जीता. डुप्लांटिस ने 6.25 मीटर की कूद लगाकर लगातार चौथी बार विश्व इंडोर चैंपियनशिप जीती, जो कि एक साल पहले नानजिंग में उनके पिछले रिकॉर्ड से 10 सेंटीमीटर अधिक है. इन दोनों के अलावा अन्य खिलाड़ी 6.05 मीटर तक ही पहुंच पाए. डुप्लांटिस ने 6.10, 6.15 और फिर 6.25 मीटर कूद लगाई. करालिस ने 6.10 और 6.15 मीटर की लंबाई सफलतापूर्वक पार की, लेकिन 6.25 पर अपने प्रयास में चूक गए, और लगातार दूसरे वर्ष उपविजेता रहे. डुप्लांटिस ने अपना पोल एक तरफ रख दिया और अपने 6.31 मीटर के उस विश्व रिकॉर्ड को तोड़ने का प्रयास नहीं किया, जो उन्होंने पिछले सप्ताह स्वीडन में उनके नाम पर आयोजित मोंडो क्लासिक प्रतियोगिता में बनाया था.

26 मार्च से दर्शकों के बिना होगा पीएसएल : पीसीबी प्रमुख नकवी

लाहौर: पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को कहा कि ईरान-अमेरिका-इस्राइल युद्ध के कारण क्षेत्र में तनाव को देखते हुए पाकिस्तान सुपर लीग का पहला चरण दर्शकों के बिना होगा. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी ने कहा कि पीएसएल का यह सत्र कराची और लाहौर में ही खेला जायेगा. उन्होंने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''पीएसएल अंतरराष्ट्रीय ब्रांड और हमारा गौरव है. यह लीग 26 मार्च से ही होगी लेकिन दर्शकों को अनुमति नहीं रहेगी.'' पीएसएल के सीईओ सलमान नसीर ने पाकिस्तान में पीएसएल के आयोजन को लेकर किसी तरह की सुरक्षा आशंकाओं को खारिज किया. नकवी ने कहा, ''क्षेत्र के हालात को देखते हुए मितव्ययिता की दृष्टि से यह कदम उठाया गया है. विदेशी खिलाड़ी आज रात से यहां पहुंच रहे हैं.'' नकवी ने यह भी कहा कि पीसीबी का कानूनी विभाग उन क्रिकेटरों के मामले देख रहा है जिन्होंने आईपीएल खेलने के लिये पीएसएल अनुबंध रद्द किये.

पीएसएल को एक और झटका, कुरेन के विकल्प के तौर पर राजस्थान रॉयल्स से जुड़ेंगे शनाका

नयी दिल्ली: पाकिस्तान सुपर लीग को एक और करारा झटका लगा जब श्रीलंका के कप्तान और हरफनमौला दासुन शनाका ने आगामी इंडियन प्रीमियर लीग में चोटिल सैम कुरेन की जगह राजस्थान रॉयल्स से जुड़ने का फैसला किया. इससे पहले जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी ने मुस्ताफिजूर रहमान की जगह कोलकाता नाइट राइडर्स का हिस्सा बनने के लिये इस्लामाबाद युनाइटेड के साथ करार तोड़ा था. टीम के एक सूत्र ने बताया, ''पीएसएल के साथ औपचारिकतायें पूरी होने के बाद दासुन आईपीएल करार पर हस्ताक्षर करेंगे. यह औपचारिकता मात्र है. वह गुवाहाटी में टीम से जुड़ेंगे.'' रॉयल्स को गुवाहाटी में पहला मैच चेन्नई सुपर किंग्स के साथ खेलना है. शनाका की कप्तानी में सह मेजबान श्रीलंका टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण से बाहर हो गई थी. आईपीएल की दिसंबर में हुई मिनी नीलामी में शनाका को किसी ने खरीदा नहीं था. पीएसएल में वह लाहौर कलंदर्स टीम से जुड़े थे. रॉयल्स के मुख्य कोच श्रीलंका के पूर्व धुरंधर कुमार संगकारा हैं जबकि भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ सहायक कोच हैं. राठौड़ टी20 विश्व कप में श्रीलंका के बल्लेबाजी सलाहकार कोच थे.

केन ने फिर गोल किया, बायर्न बुंडेसलीगा खिताब के और करीब पहुंचा

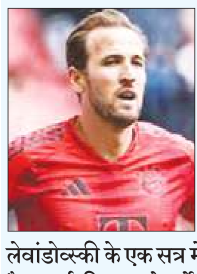

बर्लिन: इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ी हैरी केन ने एक बार फिर गोल किया जिससे बायर्न म्यूनिख ने यूनियन बर्लिन को 4-0 से हराकर 14 वर्षों में अपना 13वां बुंडेसलीगा फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीतने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ाया. केन ने हाफ टाइम के बाद जर्मनी की इस लीग के वर्तमान सत्र में अपना 31वां गोल दागा. अभी इस लीग में सात दौर का खेल होना बाकी है और ऐसे में केन के पास रॉबर्ट लेवांडोव्स्की के एक सत्र में सर्वाधिक 41 गोल करने का रिकॉर्ड तोड़ने का मौका है. बायर्न की तरफ से सर्गे ग्नाब्री ने दो गोल किए और माइकल ओलिस ने भी एक गोल दागा. इस तरह से उसके इस सत्र में 97 गोल हो गए हैं और वह 1971-72 में बनाए गए 101 गोल के अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ने के करीब पहुंच गया है. बायर्न के इस जीत से 27 मैच में 70 अंक हो गए हैं और वह दूसरे नंबर पर काबिज डॉर्टमंड से नौ अंक आगे हो गया है.

लिवरपूल और चेल्सी पर चैंपियंस लीग में जगह बनाने की दौड़ से बाहर होने का खतरा

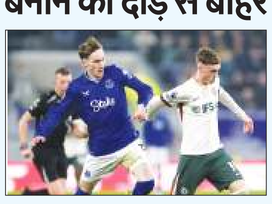

लिवरपूल: लगातार खराब प्रदर्शन के कारण लिवरपूल और चेल्सी के लिए प्रीमियर लीग फुटबाल टूर्नामेंट का खिताब तो दूर की कौड़ी बनता ही जा रहा है, बल्कि उन पर अब चैंपियंस लीग में जगह बनाने की दौड़ से बाहर होने का खतरा भी मंडरा रहा है. लिवरपूल को इस सत्र में प्रीमियर लीग में 10वीं जबकि चेल्सी को 10 दिनों में लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा है. शनिवार को ब्राइटन के हाथों 2-1 से मिली हार से लिवरपूल का अपने खिताब का बचाव करने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है. मौजूदा चैंपियन टीम पिछले तीन मैच में जीत हासिल नहीं कर पाई है. इसके कुछ घंटों बाद चेल्सी को एवर्टन ने 3-0 से हरा दिया. लिवरपूल लीग में पांचवें स्थान पर बना हुआ है. वह चेल्सी से एक अंक और एक स्थान आगे है. प्रीमियर लीग में शीर्ष पांच में रहने वाली टीम ही अगले सत्र के लिए चैंपियंस लीग में जगह बनाएंगी.

स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन से दक्षिण अफ्रीका ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ श्रृंखला बराबर की

वेलिंगटन: कॉनर एस्टरहुइज़न के करियर के पहले अर्धशतक और स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन से दक्षिण अफ्रीका ने रविवार को यहां चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में न्यूजीलैंड को 19 रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली. एस्टरहुइज़न ने 33 गेंदों में अपना पहला अर्धशतक बनाया और वह आखिर में 57 रन बनाकर आउट हुए. उनकी इस पारी ने दोनों टीमों के बीच निर्णायक अंतर पैदा किया क्योंकि दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 164 रन बनाए. इसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 18.5 ओवर में 145 रन पर आउट हो गई. न्यूजीलैंड ने पावर प्ले में दो विकेट पर 63 रन बनाए थे जिसमें टिम रॉबिंसन के 22 गेंद पर बनाए गए 32 रन शामिल हैं. लेकिन इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के स्पिनरों ने शिकंजा कस दिया. उसकी तरफ से प्रेनेलन सुब्रायन ने अपने पहले मैच में 13 रन देकर दो जबकि केशव महाराज ने 22 रन देकर दो विकेट लिए. लगभग तीन साल बाद न्यूजीलैंड की टीम में वापसी करने वाले डेन क्लीवर ने 16 गेंदों में 26 रन बनाकर अपनी टीम की उम्मीद बरकरार रखी लेकिन उनके आउट होने के बाद दक्षिण अफ्रीका की जीत सुनिश्चित हो गई. न्यूजीलैंड के कप्तान जिमी नीशम ने कहा, ''मुझे लगता है कि 165 रन का लक्ष्य हासिल किया जा सकता था. मुझे नहीं लगता कि यह बहुत बड़ा लक्ष्य था. हमारे कुछ खिलाड़ी अनुभवहीन है जिसका हमें नुकसान हुआ.'' न्यूजीलैंड की पहले से ही कमजोर टीम टॉम लैथम के चोटिल होने और श्रृंखला के आखिरी दो मैचों के लिए डेवोन कॉनवे, मिचेल सेंटनर और लॉकी फर्ग्यूसन के बाहर होने से और कमजोर पड़ गई. इससे पहले एस्टरहुइज़ेन ने दक्षिण अफ्रीका को तब संभाला जब उसने अपनी पारी की दूसरी ही गेंद पर वियान मुल्डर का विकेट खो दिया था. दाएं हाथ के बल्लेबाज ने तीसरे ओवर में एक छक्का और एक चौका, तथा चौथे ओवर में एक छक्का और एक चौका लगाया. इसके बाद उन्होंने पांचवें ओवर में एक छक्का और दो चौके लगाकर 17 रन बनाए, जिससे दक्षिण अफ्रीका पावर प्ले में एक विकेट पर 50 रन बनाने में सफल रहा. टोनी डी ज़ोर्ज़ी (23) ने एस्टरहुइज़न के साथ दूसरे विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी की. रुबिन हरमन (26) और डियान फॉरेस्टर (19) ने चौथे विकेट के लिए 38 रन की साझेदारी की. इनके अलावा जेसन स्मिथ ने 15 गेंदों में 19 रन और जॉर्ज लिंडे ने आठ गेंदों में 14 रन बनाए. पांचवा और अंतिम मैच बुधवार को क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा.

बिहार में अब खेल प्राथमिकता बन गए हैं : ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा

पटना: ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा ने रविवार को कहा कि बिहार में अब खेल प्राथमिकता बन गए हैं और उन्होंने प्रदेश में बुनियादी ढांचा बनाने के लिये राज्य सरकार की तारीफ की. प्रदेश सरकार और स्पोटर्स स्टार द्वारा आयोजित बिहार खेल कांक्लेव से इतर पत्रकारों से बातचीत में बिंद्रा ने कहा, ''बिहार में जिस तरह खेलों का विकास हो रहा है, वह काबिले तारीफ है. बिहार की खेलमंत्री (श्रेयसी सिंह) निशानेबाजी में मेरी साथी थी. वह खेलों के विकास के लिये प्रतिबद्ध है.'' बीजिंग ओलंपिक 2008 में 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीतने वाले बिंद्रा ओलंपिक की व्यक्तिगत स्पर्धा में पीला तमगा जीतने वाले पहले भारतीय हैं . उन्होंने कहा, ''मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि बिहार में अब खेल प्राथमिकता बन गए हैं . मैं प्रदेश में और देश में खेलों के विकास के सफर के लिये सभी को शुभकामना देता हूं.'' केंद्रीय खेल और युवा कार्य राज्यमंत्री रक्षा खडसे ने कहा, ''पिछले पांच छह साल में बिहार में खेलों के क्षेत्र में हुआ विकास कोई छोटी उपलब्धि नहीं है. प्रदेश सरकार ने मनरेगा योजना की मदद से ग्रामीण इलाकों में छोटे मैदान और स्टेडियम बनाये. उससे सीखते हुए हमने वीबी जी राम जी अधिनियम के तहत देश भर में उसी तर्ज पर स्टेडियम और छोटे मैदान बनाने के लिये बजटीय आवंटन किया है.'' उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों को खेलों के विकास के लिये मिलकर काम करना चाहिये. उन्होंने कहा,''खेल राज्य का विषय है और केंद्र सक्रिय रूप से पूरा साथ दे रहा है. खेलो भारत मिशन के तहत प्रदेशों से मशविरा करके खेलों के पूरे इकोसिस्टम में बदलाव किया जा रहा है.''

सही दिशा में आगे बढ़ रही है पंजाब किंग्स की टीम: इरफान पठान

नयी दिल्ली: भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का कहना है कि नीलामी में समझदारी भरे और साहसिक फैसले लेने के बाद पंजाब किंग्स अब ''सही दिशा में आगे बढ़ रही है'' जिससे इंडियन प्रीमियर लीग खिताब के लिए उसका लंबा इंतजार खत्म होने की उम्मीदें बढ़ गई हैं. पठान ने 'आईपीएल टुडे लाइव' पर कहा कि नेतृत्व में स्पष्टता और अच्छी टीम का चयन करने से पंजाब बेहतर प्रदर्शन करने लग गया है. श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली यह टीम पिछले साल उपविजेता रही थी. उन्होंने कहा, ''पंजाब के लिए टीम को नया स्वरूप देने में उसके नेतृत्व ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई है. आप आईपीएल के आधे मैच नीलामी में जीतते हैं. बड़ी रकम का मतलब यह नहीं है कि आपको हमेशा वही मिलेगा जो आप चाहते हैं, लेकिन उन्हें वही मिला और वे फाइनल तक पहुंचे.'' पठान ने कहा कि पंजाब किंग्स ने ग्लेन मैक्सवेल जैसे खराब प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को बाहर करने का कड़ा फैसला किया और अपनी बेंच स्ट्रेंथ भी मजबूत की. उन्होंने कहा, ''पंजाब किंग्स ने कुछ साहसिक लेकिन महत्वपूर्ण फैसले किए. अब उसके पास अजमतुल्लाह उमरज़ई, मार्को यानसेन और मार्कस स्टोइनिस जैसे ऑलराउंडर तथा अच्छे युवा भारतीय बल्लेबाज हैं. श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाने का फैसला करने के बाद उन्होंने उन पर पूरा भरोसा जताया. टीम में स्पष्टता है और मुझे लगता है कि पंजाब सही दिशा में आगे बढ़ रहा है.'' एक अन्य विशेषज्ञ आकाश चोपड़ा ने कहा कि पूर्व में टीमों में लगातार बदलाव के कारण पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स दोनों को नुकसान हुआ. उन्होंने कहा, ''जहां सफलता नहीं मिलती, वहां टीमें लगातार फेरबदल करती रहती हैं. एक टीम के 15 तो दूसरी के 17 कप्तान हो चुके हैं. अगर आप अपनी वर्तमान स्थिति को बदलना चाहते हैं, तो स्थिरता अनिवार्य है.'' चोपड़ा ने हालांकि कहा कि दिल्ली ने हाल के समय में अपनी टीम में स्थिरता प्रदान करने की कोशिश की है जिसका उसे फायदा भी मिला है. उन्होंने कहा, ''दिल्ली ने 2019 से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और उसकी टीम 2020 में फाइनल में पहुंची थी. इस बार मुझे लगता है कि उसके पास काफी मजबूत टीम है.''

ऑस्ट्रेलिया ने 2026-27 के लिए कार्यक्रम जारी किया, भारत के खिलाफ खेलेगा पांच टेस्ट

मेलबर्न: क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को अपना 2026-27 का अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर जारी किया, जिसमें उसका कार्यक्रम काफी व्यस्त है और इसलिए उसे जनवरी से मार्च तक भारत में होने वाली पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला की प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले तैयारी के लिए बहुत कम समय मिलेगा. अगले साल भारत के खिलाफ होने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला पैट कमिंस की उम्रदराज टीम के लिए निर्णायक साबित हो सकती है. उसको इसके लिए तैयारी का बहुत कम समय मिलेगा क्योंकि ऑस्ट्रेलिया को दिसंबर और मार्च के बीच 14 सप्ताह के अंदर 10 टेस्ट मैच खेलने हैं. ऑस्ट्रेलिया अपने घरेलू सत्र की शुरुआत अगस्त 2026 में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच से करेगा और इसका समापन मार्च 2027 में एमसीजी में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर खेले जाने वाले दिन रात्रि टेस्ट मैच से होगा. ऑस्ट्रेलिया की इस व्यस्त कार्यक्रम में भारत के खिलाफ उसकी धरती पर होने वाली टेस्ट श्रृंखला में असली परीक्षा होगी. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा, ''बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का वह दौरा कमिंस, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, जोश हेज़लवुड और नाथन लियोन जैसे खिलाड़ियों के लिए आखरी चुनौती होगी क्योंकि उन्होंने अभी तक भारत में कभी कोई श्रृंखला नहीं जीती है.''

ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट कार्यक्रम इस प्रकार है: अगस्त: बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच (घरेलू मैदान पर). **अक्टूबर:** दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन टेस्ट मैच (विदेश में). **दिसंबर-जनवरी:** न्यूजीलैंड के खिलाफ चार टेस्ट मैच (घरेलू मैदान पर) **जनवरी-मार्च:** भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैच (विदेश में). 11-15 मार्च: इंग्लैंड के खिलाफ 150वीं वर्षगांठ का टेस्ट मैच (घरेलू मैदान पर). **जून:** विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल (क्वालीफाई करने की स्थिति में जो इंग्लैंड में खेला जाएगा). **जून-अगस्त:** इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच (विदेश में).

न्यूजीलैंड महिला टीम ने चौथे टी-20 में दक्षिण अफ्रीका को 6 विकेट से हराया, सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड): न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम ने पांच मैचों की टी-20 सीरीज के चौथे मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका महिला टीम को छह विकेट से हरा दिया. इस जीत के साथ मेजबान टीम ने सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना ली है. सीरीज का आखिरी मैच 25 मार्च को क्राइस्टचर्च के हैगली ओवल में खेला जाएगा. वेलिंगटन में रविवार को खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवर में छह विकेट पर 159 रन बनाए. टीम के लिए सबसे ज्यादा रन एनेरी डर्कसेन ने बनाए. उन्होंने 32 गेंदों में नाबाद 55 रन की पारी खेली. उनकी इस पारी में आठ चौके और एक छक्का शामिल था. डर्कसेन के अलावा सलामी बल्लेबाज सुने लूस ने 29 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 30 रन बनाए. इनके अलावा नादिन डी क्लर्क 20 रन, क्लो ट्रायोन ने 14 रन, कायला रेनेके ने 13 रन और कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट ने 10 रन का योगदान दिया. न्यूज़ीलैंड की ओर से जेस केर ने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट झटके. कप्तान अमेलिया केर और सोफी डिवाइन को एक-एक सफलता मिली. 160 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूज़ीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही. विकेटकीपर बल्लेबाज इसाबेला गेज 6 रन बनाकर आउट हुईं. इसके बाद जॉर्जिया प्लिमर और कप्तान अमेलिया केर ने पारी को आगे बढ़ाया. जॉर्जिया ने जहां 22 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 29 रन बनाए, वहीं कप्तान केर ने 29 गेंदों में चार चौकों की मदद से 31 रन की पारी खेली. इन दोनों का विकेट गिरने के बाद अनुभवी सोफी डिवाइन ने एक बार फिर शानदार बल्लेबाजी कर टीम को जीत दिला दी. उन्होंने 34 गेंदों पर चार छक्कों और छह चौकों की मदद से 64 रनों की विस्फोटक पारी खेली. ब्रूक हैलिडे 16 और मैडी ग्रीन 09 रन बनाकर नाबाद रहीं. डिवाइन की पारी के दम पर न्यूज़ीलैंड ने यह लक्ष्य 18.3 ओवर में हासिल कर लिया. दक्षिण अफ्रीका की ओर से क्लो ट्रायोन ने दो विकेट लिए, जबकि डर्कसेन और एन म्लाबा को एक-एक विकेट मिला.

भारत की अंडर-20 महिला टीम में काफी सुधार हुआ है: कोच एलेक्जेंडर्सन

नयी दिल्ली: मुख्य कोच जोआकिम एलेक्जेंडर्सन ने कहा कि एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करने के बाद से भारतीय अंडर-20 महिला टीम ने काफी सुधार किया है और उन्होंने भरोसा जताया कि थाइलैंड में होने वाले टूर्नामेंट में उनकी टीम एशिया की मजबूत टीमों के सामने कड़ी चुनौती पेश करेगी. भारतीय टीम टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए पहले ही बैंकॉक पहुंच चुकी है. ग्रुप सी में उसका पहला मैच दो अप्रैल को जापान के खिलाफ होगा. इसके बाद वह पांच अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया और आठ अप्रैल को चीनी ताइपे का सामना करेगी. प्रत्येक ग्रुप से दो टीमें, साथ ही तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी. सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीमें इस वर्ष के अंत में पोलैंड में होने वाले फीफा अंडर-20 महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी. एलेक्जेंडर्सन ने कहा कि अगस्त में क्वालीफाई करने के बाद टीम ने सभी विभागों में काफी सुधार किया है. उन्होंने कहा, ''काफी सुधार हुआ है. मैंने उन्हें अच्छे मूव बनाते हुए देखा है. मैंने तेज पासिंग और अंतिम छोर पर अधिक स्पष्टता देखी है. रक्षा पंक्ति में भी हमने बहुत सुधार किया है. विशेष कर गोलकीपिंग में काफी सुधार हुआ है. हमने सुधार करने के लिए जिन क्षेत्रों की पहचान की थी उन सभी में अच्छी प्रगति हुई है.'' भारत को चुनौती पूर्ण ग्रुप में रखा गया है लेकिन कोच को विश्वास है कि उनकी टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होगी. उन्होंने कहा, ''यह वाकई एक कठिन ग्रुप है. जापान इस स्तर पर दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है और ऑस्ट्रेलिया भी बहुत मजबूत और शारीरिक रूप से सक्षम है.

विदेशी खिलाड़ियों की चोट और अनुपस्थिति से कुछ आईपीएल टीमों के समीकरण गड़बड़ाए

नयी दिल्ली: कुछ प्रमुख विदेशी खिलाड़ियों के चोटिल होने या देर से टीम में शामिल होने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र में कुछ टीमों के समीकरण गड़बड़ा गए हैं. कुछ प्रमुख विदेशी खिलाड़ी चोटिल होने के कारण पहले ही पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं जबकि कुछ खिलाड़ी विभिन्न कारणों से टूर्नामेंट के शुरुआती मैचों में नहीं खेल पाएंगे. अगर केवल चोट की बात करें तो कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम सबसे ज्यादा प्रभावित हुई है. उसके भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आकाशदीप चोटिल होने के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं जबकि श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीसा पथिराना भी पिंडली में लगी चोट के कारण केकेआर के शुरुआती मैचों में नहीं खेल पाएंगे. सनराइजर्स हैदराबाद को भी शुरू के कुछ मैच में अपने नियमित कप्तान पैट कमिंस के बिना मैदान पर उतरना होगा जो पीठ में खिंचाव की समस्या से उबर रहे हैं. कमिंस की अनुपस्थिति में ईशान किशन सनराइजर्स की अगुवाई करेंगे. सनराइजर्स के एक अन्य ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स पैर में चोट लगने के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं. ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेज़लवुड भी चोटिल होने के कारण रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की तरफ से शुरू के कुछ मैच में नहीं खेल पाएंगे. चेन्नई सुपर किंग्स को ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज नाथन एलिस की सेवाएं नहीं मिल पाएंगी क्योंकि वह हैमस्ट्रिंग की चोट के और बढ़ जाने के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं. दिल्ली कैपिटल्स के प्रमुख गेंदबाज मिचेल स्टार्क का भी शुरू के कुछ मैचों में खेलना संदिग्ध है क्योंकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया आगामी व्यस्त अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कैलेंडर को देखते हुए उनके कार्यभार पर नजर रख रहा है. न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन भी पंजाब किंग्स की तरफ से शुरुआती दौर के मैचों में नहीं खेल पाएंगे क्योंकि वह अपने परिवार और नवजात बेटे के साथ कुछ समय बिताना चाहते हैं. राजस्थान रॉयल्स को भी इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम कुरेन के चोटिल होने के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो जाने से झटका लगा है. वह टी20 विश्व कप के दौरान चोटिल हो गए थे.

अंतर प्रांत सब जूनियर और कैडेट राष्ट्रीय टेबल टेनिस में बंगाल प्रबल दावेदार

गांधीधाम: यहां सोमवार से शुरू हो रही 87वीं अंतर प्रांत सब जूनियर और कैडेट राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में लड़कों के अंडर 15 वर्ग में 32 टीमें भाग लेंगी. पश्चिम बंगाल खिताब का प्रबल दावेदार है जबकि गत चैम्पियन पीएसपीबी अकादमी की टीम में कई नये खिलाड़ी हैं. बंगाल की टीम में आदित्य दास, रिषभ चटोपाध्याय, हिमोन कुमार मंडल और रूद्रनील जना हैं. तमिलनाडु और महाराष्ट्र से भी कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद है. गुजरात 182 अंक के साथ चौथे स्थान पर है. प्रतियोगिता में सभी 32 टीमों को आठ समूहों में बांटा जायेगा. इनकी वरीयता हर टीम के शीर्ष दो खिलाड़ियों के राष्ट्रीय रैंकिंग अंकों के आधार पर तय हुई है. अंडर 11 और अंडर 15 युवा लड़कों के मुकाबले भी साथ में होंगे.

आईपीएल में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे ऋषभ पंत

नयी दिल्ली: भारत की टी20 टीम में वापसी करने की कवायद में लगे ऋषभ पंत 28 मार्च से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए तैयार हैं. लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान के रूप में पंत के लिए यह सत्र निर्णायक साबित हो सकता है. उनके लिए काफी कुछ दांव पर लगा है क्योंकि फ्रेंचाइजी ने 2025 की मेगा नीलामी में उन्हें रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपए में अपनी टीम से जोड़ा था. पिछले साल के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अगर पंत इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो वह भविष्य में भारत की टी20 योजनाओं का हिस्सा बन सकते हैं. पंत खेल के तीनों प्रारूप में से केवल भारतीय टेस्ट टीम के ही अभिन्न सदस्य हैं जबकि वनडे में वह केएल राहुल के बैकअप विकेटकीपर हैं. इस 28 वर्षीय खिलाड़ी ने 2024 में भारत की विश्व कप जीत के बाद टी20 टीम में अपनी जगह गंवा दी थी. संजू सैमसन और ईशान किशन के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए टीम में वापसी करने के लिए उन्हें कुछ खास प्रदर्शन करना होगा, क्योंकि इन दोनों खिलाड़ियों ने अपने दमदार प्रदर्शन से टीम में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली है. इसलिए पंत के लिए आईपीएल का आगामी सत्र काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें वह अपनी कीमत को जायज ठहराने के अलावा खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने की भी कोशिश करेंगे. पंत ने पिछले सत्र में अधिकतर समय चौथे नंबर पर बल्लेबाजी की थी लेकिन तब वह आखिर के कुछ मैचों में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे थे. उस समय तक हालांकि लखनऊ की वापसी की संभावना समाप्त हो गई थी. पंत के तीसरे नंबर पर उतरने का मतलब होगा कि निकोलस पूरन को बल्लेबाजी क्रम में नीचे आना पड़ेगा. एलएसजी की टीम अभी लखनऊ में अपने घरेलू मैदान पर अभ्यास कर रही है. उसका पहला मैच एक अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होगा. मुख्य कोच जस्टिन लैंगर और उनके सहयोगी स्टाफ अपने कप्तान के बल्लेबाजी क्रम को लेकर एकमत हैं. आईपीएल सूत्रों के अनुसार, ''टीम प्रबंधन और पंत दोनों इस बात से सहमत हैं कि उनके लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करना उपयुक्त होगा. इस साल उनके शीर्ष क्रम में एडन मार्क्रम, मिचेल मार्श और पंत शामिल होंगे.'' पंत ने पिछले साल 133.17 के निराशाजनक स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और उन्होंने केवल 269 रन बनाए जिसमें नाबाद 118 रन की एक पारी भी शामिल है. लखनऊ की टीम के मध्य क्रम में पूरन, आयुष बडोनी, अब्दुल समद और शाहबाज अहमद शामिल हैं. पिछले सत्र में लखनऊ की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी गेंदबाजी रही थी क्योंकि मयंक यादव और मोहसिन खान जैसे तेज गेंदबाज चोटों के कारण उपलब्ध नहीं थे. अन्य तेज गेंदबाजी विकल्पों में आवेश खान और एनरिच नार्किया शामिल थे. सूत्र ने कहा, ''लखनऊ की बल्लेबाजी अच्छी है और गेंदबाजी पिछले साल की तुलना में काफी बेहतर दिख रही है, लेकिन अभी भी संयोजन तय करने बाकी हैं. मयंक फिट हैं, लेकिन उन्हें नेट पर और अधिक गेंदबाजी करने की जरूरत है. उम्मीद है कि वह टीम की उम्मीद पर खरा उतरेंगे.'' दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डुप्लेसी का मानना है कि आईपीएल के इस सत्र में ऋषभ पंत पर सर्वाधिक दबाव रहेगा. उन्होंने जिओ स्टार से कहा, ''मुझे लगता है कि आईपीएल की इस सत्र में ऋषभ पंत पर संभवत: सबसे अधिक दबाव रहेगा. कुछ खिलाड़ी कीमत के दबाव में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, जबकि कुछ नहीं कर पाते. मुझे लगता है कि पिछला सत्र उनके लिए काफी मुश्किल रहा. टीम संघर्ष कर रही थी और एक बल्लेबाज के रूप में उन्हें भी संघर्ष करना पड़ा था.''

न्यूज कॉर्नर

सडक़ हादसे में मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत, मामला दर्ज

रोहतक : महम थाना के अंतर्गत गांव बलंभा मोड़ के पास हुए सडक़ हादसे में मोटरसाइकिल सवार एक युवक की मौत हो गई. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पुलिस के अनुसार गांव भैणीसुरजन निवासी रमेश ने बताया कि उसका बेटा निंकू अपने दोस्त की मोटरसाइकिल लेकर रोहतक किसी काम से गया था और जब वह शाम को वापिस गांव आ रहा था तभी जीटी रोड पर गांव बलंभा मोड पर पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार चालक ने लापरवाही से चलाते हुए मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी. घटना के बाद काफी संख्या में राहगीर मौके पर एकत्रित हो गए कार चालक मौके से भाग गया. राहगीरों ने गंभीर हालत में युवक को उपचार के लिए पीजीआई के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया, जहां ईलाज के दौरान निंकू की मौत हो गई. सूचना मिलने पर पुलिस पीजीआई पहुंची और इस बारे में पता किया. पुलिस ने इस संबंध में रमेश की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

पानीपत:सड़क हादसे में घायल की मौत

पानीपत: पानीपत में राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर घने कोहरे और धुंध के कारण हुए भीषण सड़क हादसे में घायल व्यक्ति की रविवार को इलाज के दौरान मौत हो गई. सिवाह बस स्टैंड के पास 15 से ज्यादा वाहनों के आपस में टकराने की घटना में गंभीर रूप से घायल हुए मंडी पंजाब निवासी 55 वर्षीय जोगिंदर पाल की मौत हो गई. शव को सिविल अस्पताल लाया गया. जहां उसका पंचनामा भरवा कर शवगृह में रखवा दिया गया है. परिवार के अनुसार जोगिंदर पाल अपनी इनोवा गाड़ी में परिवार के सात अन्य सदस्यों के साथ पंजाब से वृंदावन दर्शन के लिए जा रहे थे. शनिवार सुबह जब उनकी गाड़ी पानीपत के सिवाह के पास पहुंची, तो भारी धुंध के कारण आगे चल रहे वाहनों से उनकी टक्कर हो गई. देखते ही देखते पीछे से आ रहे ट्रक और अन्य वाहन भी एक-दूसरे में जा भिड़े, जिसमें जोगिंद्र पाल गंभीर रूप से घायल हो गए थे. इस हादसे में उनके परिवार के अन्य सदस्य जिनमें ज्योति, गुरनायत,गुरसाज, नायसा, दामिनी, कोमल, पराबदीप थे. जिसके बाद उन्हें नजदीक के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था. लेकिन रविवार को इलाज के दौरान जोगिंद्र पाल ने अंतिम सांस ली.

बोलेरो से टक्कर मारकर पशु चिकित्सक की हत्या का प्रयास, फिर रॉड से वार, आरोपी फरार

कैथल: जिले के सीवन क्षेत्र में चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां पुरानी रंजिश के चलते एक व्यक्ति ने पशु चिकित्सक की जान लेने की कोशिश की. आरोपी ने पहले बोलेरो गाड़ी से जोरदार टक्कर मारी और फिर लोहे की रॉड से हमला कर दिया. घटना का वीडियो भी सामने आया है.गांव हिम्मतपुरा निवासी पशु चिकित्सक हरपाल सिंह, ने रविवार को सीवन थाने में शिकायत दर्ज कराई. उन्होंने बताया कि 20 मार्च की शाम वह मनविंद्र के डेरे में पशुओं को दवाई देने गए थे. अपनी बाइक सड़क किनारे खड़ी कर वे पास के मेडिकल स्टोर से दवाई लेने लगे. इसी दौरान उन्हें एक कॉल आई, जिसमें कॉल करने वाले ने खुद को दवा कंपनी का कर्मचारी बताया और पाबसर रोड पर मिलने के लिए कहा. हरपाल सिंह जैसे ही सड़क पार कर रहे थे, तभी अचानक गांव का ही गैहल सिंह अपनी बोलेरो गाड़ी से तेज रफ्तार में आया और उन्हें जोरदार टक्कर मार दी.टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि हरपाल सिंह कई फीट हवा में उछलकर सड़क पर जा गिरे. इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि कैसे आरोपी ने जानबूझकर उन्हें निशाना बनाया.टक्कर मारने के बाद आरोपी गाड़ी से उतरा और पीछे की सीट पर रखी लोहे की रॉड उठाकर हरपाल सिंह की ओर दौड़ा. उसने उनके सिर पर वार भी किया. हालांकि मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव किया और आरोपी को रोकने की कोशिश की. जैसे ही आसपास के लोग इकट्ठा होने लगे और विरोध शुरू हुआ, आरोपी मौके से गाड़ी लेकर फरार हो गया. लोगों ने पीड़ित को संभाला और पुलिस को सूचना दी.पीड़ित हरपाल सिंह के अनुसार, आरोपी गैहल सिंह के साथ उनका पहले भी झगड़ा हो चुका था. इसी रंजिश के चलते आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया.

उल्फा के हमले की मुख्यमंत्री ने की निंदा, संयुक्त अभियान जारी; चुनाव में 104 सीट जीतने का लक्ष्य

गुवाहाटी: असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने प्रतिबंधित संगठन उल्फा द्वारा किए गए हालिया हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे अस्वीकार्य बताया और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया.मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में सेना और राज्य पुलिस द्वारा संयुक्त अभियान चलाया जा रहा है. उन्होंने कहा कि सुरक्षा बल आपसी समन्वय के साथ काम कर रहे हैं ताकि उग्रवादियों का पता लगाकर क्षेत्र में शांति बहाल की जा सके और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके.ाजनीतिक मोर्चे पर उन्होंने कहा कि आसन्न असम विधानसभा चुनाव में भाजपा नेतृत्व वाला गठबंधन 104 सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर चल रहा है. उन्होंने पार्टी की संभावनाओं को लेकर विश्वास जताया.मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि चुनाव प्रचार अभियान मंगलवार से शुरू होगा, जिसके तहत राज्यभर में व्यापक जनसंपर्क कार्यक्रम चलाया जाएगा.

छत्तीसगढ़ के खल्लारी मंदिर में रोप-वे दुर्घटना , एक महिला की मौत , 17 घायल

महासमुंद : छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के प्रसिद्ध पर्यटन एवं धार्मिक स्थल खल्लारी मंदिर क्षेत्र में रविवार को सुबह लगभग 11 बजे रोप-वे दुर्घटना की घटना सामने आई, जिसमें 17 लोग घायल हो गए. दुर्भाग्यवश एक 28 वर्षीय महिला आयुषी (राजा तालाब, रायपुर) की मृत्यु हो गई. घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया. प्रशासन एवं स्थानीय नागरिकों की सहायता से घायलों को तत्काल सुरक्षित बाहर निकालकर उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बागबाहरा में भर्ती कराया गया. गंभीर रूप से घायल 4 लोगों को बेहतर इलाज हेतु जिला अस्पताल रेफर किया गया.मौके पर अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) नमिता मारकोले, तहसीलदार नितिन ठाकुर सहित पुलिस एवं राजस्व विभाग की टीम तत्काल पहुंची और राहत कार्यों का समन्वय करते हुए घायलों को शीघ्र चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई.कलेक्टर विनय लंगेह ने घटना को गंभीरता से लेते हुए कहा है कि घायलों का उपचार हमारी प्राथमिकता है ,साथ ही घटना की बारीकी से जांच कराई जाएगी ताकि दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा सके. साथ ही, निर्देश दिया गया है कि वर्तमान में घायलों के उपचार, समुचित देखभाल एवं आवश्यक सहायता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है.अनुविभागीय अधिकारी नमिता मारकोले के अनुसार घायलों में गोविंद स्वामी, नमिता स्वामी, अंशुका स्वामी (महासमुंद), हेमलाल नागेश्वर, रतन नागेश्वर, हेमिन, हुलसी, पूर्वी, टिया, अमलेश (टिकरापारा, रायपुर), टोमेश्वरी साहू, कुमेश साहू, हर्ष साहू (दलदल सिवनी, रायपुर) ऋषभ धावरे, छ्यांश, मनस्वी (राजा तालाब, रायपुर) है. राजा तालाब निवासी एक महिला आयुषी की मौत हो गई है.जिला प्रशासन द्वारा लगातार स्थिति की निगरानी की जा रही है और सभी घायलों को बेहतर उपचार एवं आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है. खल्लारी माता मंदिर के पहाड़ी पर हुए रोपवे हादसा मामले में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गहरा दुख जताया है. उन्होंने कहा कि, यह बहुत ही दर्दनाक घटना है. दोषियों को बख्सा नहीं जाएगा. जो भी मामले में दोषी पाए जाएंगे उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी

तिनसुकिया में असम पुलिस कमांडो कैंप पर ग्रेनेड हमला, चार जवान घायल

तिनसुकिया: तिनसुकिया जिला अंतर्गत जागुन के दस माइल इलाके में स्थित असम पुलिस कमांडो के कैंप पर आज तड़के लगभग दो बजे हुए ग्रेनेड हमले में चार जवान घायल हो गए. कैंप पर पांच ग्रेनेड फेंके गए और उसके बाद भारी गोलीबारी हुई. पुलिस सूत्रों के अनुसार, किसी भी समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है. यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट आफ असम, इंडिपेंडेंट (उल्फा-आई) की इसमें संभावित भूमिका होने का शक है.बताया गया है कि कमांडो ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की. अरुणाचल प्रदेश के पास स्थित इस तनावपूर्ण चाय बागान क्षेत्र जिले में 30 मिनट तक जोरदार मुठभेड़ चली. चार जवान घायल हो गए, तीन को मामूली चोटें आईं और एक गंभीर रूप से घायल हुआ. सभी को पास के एक अस्पताल में तुरंत मेडिकल सहायता दी गई.घायल कमांडो में जोरहाट के चित्रंजन मिली, देवाशीष बोरा और चाबुआ के रवि गर एवं एक अन्य शामिल हैं.

देश की सुरक्षा केवल सैनिकों की जिम्मेदारी नहीं : नायब सैनी

गुरुग्राम के लेजरवेली पार्क में शहीद भगत सिंह की प्रतिमा लगाने की सीएम ने की घोषणा

गुरुग्राम: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार आतंकवाद और नक्सलवाद को जड़मूल से समाप्त करने की दिशा में निरन्तर आगे बढ़ रही है. दंतेवाड़ा जैसी घटनाएं हमें यह याद दिलाती हैं कि यह लड़ाई अभी जारी है, लेकिन हमारे बहादूर जवान हर चुनौती का सामना करने के लिए सदैव तैयार हैं. हरियाणा वीरों की भूमि है, यहां के युवाओं में देश सेवा का जज्बा कूट-कूट कर भरा हुआ है.

मुख्यमंत्री रविवार को गुरुग्राम में होम डेवलपर्स एसोसिएशन द्वारा शहीदी दिवस समारोह में छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में सीआरपीएफ के शहीद जवानों के सम्मान में आयोजित समारोह में बोल रहे थे. इस दौरान शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. मुख्यमंत्री ने लेजरवली पार्क में शहीद भगत सिंह की प्रतिमा लगाने की घोषणा की. उन्होंने सीआरपीएफ जवानों के कल्याण स्वरूप सीआरपीएफ के डीआईजी परम् शिवम को 38.25 लाख रुपये की राशि का चेक प्रदान किया. गुरुग्राम होम डेवलपर्स द्वारा एकत्रित यह धनराशि सीआरपीएफ के शहीद जवानों के परिवार कल्याण में इस्तेमाल की जाएगी. मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सच्चा देशभक्त वही है, जो राष्ट्र के लिए सर्वस्व न्यौछावर कर दे. उन्होंने संगठन की सेवा करते हुए छत्तीसगढ़ से जुड़े अपने अनुभव सांझा किए और बताया कि वे दंतेवाड़ा की सामाजिक व भौगोलिक परिस्थितियों से वाकिफ हैं. अब पीएम नरेन्द्र मोदी ने संकल्प लिया है कि वहां आतंकवाद अंतिम सांसे गिन रहा है. उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा केवल सैनिकों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सांझा दायित्व है. हमें अपने-अपने क्षेत्र में ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करते हुए राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना चाहिए. यही शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी. मुख्यमंत्री ने हरियाणा को वीरों की भूमि बताते हुए कहा कि प्रदेश का हर घर देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत है और देश की सेनाओं में हर दसवा जवान हरियाणा से है. आज भी अनगिनत युवा बड़ी सेना व अर्धसैनिक बलों में सेवा दे रहे हैं. उन्होंने कहा महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव की प्रेरणा से ओतप्रोत यह देश भक्ति कार्यक्रम युवाओं में जोश भरने वाला है. उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार शहीदों के परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है तथा उनके बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है.

लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर बिलाल की ईद के दिन हत्या

इस्लामाबाद: पाकिस्तान के मुरीदके में शुक्रवार को ईद की नमाज के बाद आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर बिलाल आरिफ सराफी की गोली मार कर हत्या कर दी गई. घटना 'मरकज तैयबा' परिसर में हुई, जिसे पाकिस्तान के अशांत पंजाब प्रांत स्थित आतंकवादी समूहों के सबसे सुरक्षित ठिकानों में गिना जाता है.मीडिया रिपोर्टस के अनुसार, आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के शीर्ष कमांडरों में से एक बिलाल आरिफ सराफी को मुरीदके में ईद की नमाज़ के बाद गोली मारकर और कई बार चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई. उसकी हत्या 'मरकज तैयबा' परिसर के अंदर की गई, जिसे लश्कर-ए-तैयबा का मुख्यालय माना जाता है. यह घटना शुक्रवार को ईद की सामूहिक नमाज़ के बाद हुई. उसे बहुत करीब से गोली मारी गई और कई बार चाकू से वार किए गए, जिससे उसकी मौत हो गई.मरकज तैयबा, लश्कर-ए-तैयबा का वही मुख्यालय है जिसे मई 2025 में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों ने नष्ट कर दिया था. हमले के बाद के महीनों में 1.09 एकड़ के इस परिसर का दोबारा निर्माण किया गया.मीडिया से बातचीत में चश्मदीदों ने बताया कि यह हत्या सुनियोजित थी और इसे बहुत पेशेवर तरीके से अंजाम दिया गया. लोगों ने दावा किया कि दो हमलावरों में एक बंदूकधारी ने सराफी को गोली मारी, जबकि दूसरे हमलावर ने उसपर कई बार चाकू से वार किए.

घटना के बाद उसे अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.एक खुफिया सूत्र ने बताया कि उसके ईद की नमाज़ अदा करने के ठीक बाद लश्कर-ए-तैयबा मुख्यालय परिसर के अंदर उसे निशाना बनाया. इससे पता चलता है कि हमलावर सराफी की गतिविधियों से अच्छी तरह वाकिफ थे और उनकी लश्कर-ए-तैयबा मुख्यालय तक पहुँच थी.फिलहाल, हमलावरों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है. शुरुआती रिपोर्ट से पता चलता है कि सराफी पर हमला करने वाले उसके अपने ही आतंकवादी समूह के हो सकते हैं. इसके साथ ही यह भी दावा किया जा रहा है कि सराफ़ी की हत्या के पीछे निजी दुश्मनी का भी कोई पहलू हो सकता है.

अर्थव्यवस्था पर राहुल गांधी की समझ पर प्रश्नचिह्न : शेखावत

जोधपुर: केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा. शेखावत ने कहा कि राहुल गांधी को अर्थव्यवस्था की कितनी समझ है, इस पर ही प्रश्नचिह्न लगा हुआ है.केंद्रीय मंत्री शेखावत रविवार को अपने आवास पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे. इस दौरान जब केंद्रीय मंत्री से राहुल गांधी के रुपया के डॉलर के मुकाबले कमजोर होने और महंगाई बढने से जुड़े ट्वीट के विषय में पूछा गया, तब उन्होंने कहा कि जिस तरह की परिस्थितियां हैं. ग्लोबल सिनेरियो है. अभी जिस तरह का जिओ टर्बुलेंस विश्व में है. जिस तरह की उथल-पुथल वर्तमान परिस्थिति में मिडिल ईस्ट युद्ध से बनी है. सोना की कीमतें लगातार कम हो रही हैं. उन्होंने कहा कि थोड़े से दिन पहले राहुल गांधी सोने को लेकर चिंता व्यक्त कर रहे थे. अभी रुपया को लेकर चिंता व्यक्त कर रहे हैं. राहुल गांधी को पहले अपने गिरेबां में झांक करके देखना चाहिए.

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत में थोक महंगाई की दर दुनिया में सबसे कम है. राहुल गांधी के अदृश्य नेतृत्व में जब सरकार काम करती थी, जब वो कैबिनेट के फैसलों को फाड़कर फेंका करते थे. संवैधानिक व्यवस्थाओं का अपमान करते थे. उस 10 साल के कालखंड में सात साल महंगाई की दर डबल डिजिट में थी. शेखावत ने कहा कि जब डबल डिजिट वाले दो प्रतिशत की महंगाई पर प्रश्न चिन्ह खड़े करें, तब उनकी बुद्धिमता पर प्रश्नचिह्न जनता खड़ा करेगी.लोगों की समस्याएं सुनने से संबंधित सवाल पर केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि मुझमें विश्वास रखते हुए, मुझ पर भरोसा करके इतने सारे लोग अपने छोटे-बड़े विषयों को लेकर चर्चा करते हैं.

नासिक दुष्कर्म मामले में किसी को बक्शा नहीं जाएगा: देवेंद्र फडणवीस

मुंबई: महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि नासिक दुष्कर्म मामले में किसी भी आरोपित को बकशा नहीं जाएगा. इस मामले की गहन छानबीन की जा रही है. मुख्यमंत्री फडणवीस ने आज पत्रकारों को बताया कि नासिक दुष्कर्म मामला बहुत ही गंभीर है. इस मामले की जांच वरिष्ठ स्तर पर हो रही है. इसमें एक एसआईटी बनाई गई है. नासिक पुलिस और एसआईटी मिलकर जांच कर रही है. इस केस में किसी भी हालत में किसी को बक्शा नहीं जाएगा. उन्होंने कहा कि अगर किसी के पास कोई सबूत है तो वह सामने आए. इस केस को राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए. इस केस के बारे में सबसे ज्यादा सबूत मेरे पास हैं. इसका कारण इस मामले को हमने ही उजागर किया है.

मुख्यमंत्री ने कहा, 'मुझे पता है कि कौन सी विपक्षी पार्टी वहां गई है. मेरे पास खरात के किस-किस से रिश्ते हैं, इसकी पूरी जानकारी है.

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में वैश्विक मंच पर हर क्षेत्र में देश की प्रतिष्ठा बढ़ी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रधानमंत्री मोदी के देश में सर्वाधिक समय तक सेवा का कीर्तिमान बनने पर मुख्यमंत्री ने दी बधाई

भोपाल: मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आज भारत में सर्वाधिक समय तक शासन प्रमुख के रूप में सेवा का कीर्तिमान स्थापित करने पर बधाई दी है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत के नागरिक प्रधानमंत्री मोदी के प्रति निरंतर स्नेह, विश्वास और समर्थन की भावना को अभिव्यक्त कर रहे हैं.उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग के 8,930 दिनों के शासन करने के रिकार्ड को पीछे छोड़ा है. उनके सार्वजनिक जीवन के 8931 दिन गुजरात के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के रूप में दर्शाते हैं कि उन्होंने राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर कार्य करते हुए अपनी भूमिका को यादगार बनाया है.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के ध्येय के साथ गरीब कल्याण से लेकर वैश्विक मंच पर हर क्षेत्र में देश की प्रतिष्ठा बढ़ी है. प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व ने देश को विकास और सुशासन की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया है कि मां भगवती प्रधानमंत्री मोदी को ऊर्जावान बनाए रखें. संपूर्ण विश्व में भारत की साख बढ़ाने वाले हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में हमारा राष्ट्र निरंतर प्रगति, समृद्धि और वैभव के पथ पर अग्रसर बना रहेगा.

प्रधानमंत्री मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री पद के दायित्व की वर्षवार अवधि की चर्चा करें तो वे वर्ष 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे. वर्ष 2002 में गुजरात विधानसभा के निर्वाचन के बाद वे दूसरी बार, वर्ष 2007 में तीसरी बार और वर्ष 2012 में चौथी बार गुजरात के मुख्यमंत्री बने. मोदी वर्ष 2014 के लोक सभा चुनाव में पूर्ण बहुमत प्राप्त कर प्रधानमंत्री बने. वर्ष 2019 में पहले से भी बड़े जनादेश के साथ उनकी वापसी हुई और वे दूसरी बार प्रधानमंत्री बने. मोदी ने वर्ष 2024 में तीसरी बार प्रधानमंत्री बन कर इतिहास रचा.

शिव व शक्ति के संगम से बढ़ा आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मानसरोवर में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा एवं महामृत्युंजय रूद्र महायज्ञ में सपत्नीक भाग लिया. शर्मा ने शिव महापुराण कथा का श्रवण किया तथा भगवान शिव की आरती कर प्रदेश की खुशहाली एवं आमजन की सुख-समृद्धि की कामना की. इससे पहले शर्मा ने कथावाचक पंडित श्री प्रदीप मिश्रा का दुपट्टा ओढ़ाकर अभिनंदन किया.

शर्मा ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में कथाएं, उत्सव और त्योहार समाज को सशक्त करने का काम करते हैं. नवरात्र और नववर्ष के पावन अवसर पर शिव महापुराण कथा का आयोजन शिव और शक्ति के अद्भुत संगम का प्रतीक है. मां दुर्गा की आराधना से जीवन में शक्ति का संचार होता है. वहीं, शिव महापुराण कथा की अमृतवर्षा से मन में शांति और मोक्ष का बोध होता है.

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान शिव मृत्युंजय हैं और उनकी आराधना से मनुष्य अकाल मृत्यु पर विजय प्राप्त कर सकता है. शिव भक्ति से बढ़कर कोई कवच नहीं है. उन्होंने कहा कि भगवान शिव साधना, आराधना, उपासना और संयम के प्रतीक हैं तथा वे हमें सिखाते हैं कि माया और मोह से परे रहकर मानवता की रक्षा करना हमारा धर्म है.

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सनातन संस्कृति को मजबूती देने के अनेक कार्य हुए हैं. सदियों की प्रतीक्षा के बाद अयोध्या में श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा हुई. इसी तरह काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, उज्जैन में महाकाल कॉरिडोर के साथ केदारनाथ एवं बद्रीनाथ जैसे आस्था धामों का अभूतपूर्व विकास हुआ है. हमारी सरकार धर्म, संस्कृति और आस्था को जनजीवन का अभिन्न अंग मानते हुए मंदिरों, तीर्थ स्थलों के समुचित विकास के लिए कार्य कर रही है.मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित प्रदीप मिश्रा की सरल भाषा, गहन शास्त्र ज्ञान और भक्ति-रस से परिपूर्ण कथा शैली ने युवा पीढ़ी को सनातन संस्कृति से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. उनके श्रीमुख से प्रवाहित कथा जीवन के कष्ट, भय और संताप को उसी प्रकार दूर करती है, जैसे भगवान शिव ने विषपान कर सृष्टि की रक्षा की थी.शर्मा ने कहा कि शिव पुराण, राम कथा, गीता और भागवत कथा से ज्ञान की गंगा प्रवाहित होती है, जो जीवन को सार्थकता प्रदान करती है. हमारे ऋषि, मुनि, संत-महात्मा हम सभी को जीवन में सही मार्ग दिखाते हैं.

अमृतसर में रंधावा आत्महत्या प्रकरण पर रातभर हंगाम

पूर्वमंत्री भुल्लर, पिता, निजी सचिव के खिलाफ मामला दर्ज

चंडीगढ़: पंजाब वेयर हाउस के जिला प्रबंधक आत्महत्या प्रकरण में शनिवार को रातभर अमृतसर में हंगामा हुआ. विवाद बढ़ता देख पंजाब पुलिस ने रविवार तड़के पूर्व परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर, उनके पिता और निजी सचिव के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया.इससे पहले मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मुख्य सचिव और डीजीपी से इस मामले में रिपोर्ट ली. विपक्षी दल कांग्रेस, अकाली दल और भाजपा ने रविवार को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने का ऐलान किया है.पंजाब वेयर हाउसिंग के जिला प्रबंधक गगनदीप सिंह रंधावा ने लालजीत सिंह भुल्लर पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए आत्महत्या कर ली थी. रंधावा की मौत के बाद पंजाब की राजनीति गरमा गई. अकाली दल प्रधान सुखबीर बादल, नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा, भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ अमृतसर पहुंचे और सरकार के खिलाफ आंदोलन का ऐलान कर दिया.

सक्ति जिले में 610 धर्मांतरित लोगों ने की मूल हिंदू धर्म में वापसी

सक्ति/रायपुर: छत्तीसगढ़ के सक्ति जिले में रविवार को एक बड़ा धार्मिक आयोजन किया गया, जिसमें 610 धर्मांतरित लोगों ने मूल हिंदू धर्म में वापसी की. धर्म जागरण समन्वय के तत्वावधान में सिद्ध हनुमान मंदिर परिसर में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय घर वापसी अभियान के प्रमुख प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने स्वयं उपस्थित रहकर परिवारों के चरण पखारकर उनकी पुनर्वापसी कराई.आयोजकों के अनुसार, यह कार्यक्रम केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सनातन धर्म की समावेशी परंपरा और सांस्कृतिक जागरण का प्रतीक है. इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया कि राष्ट्र की सुरक्षा और सनातन धर्म के संरक्षण के लिए इस अभियान को आगे भी जारी रखा जाएगा.कार्यक्रम को सफल बनाने में पूज्य प्रेमा साईं महाराज, सुधीर गौतम, राजकुमार चंद्रा, अंजू गबेल, अवतार अग्रवाल, टिकेश्वर गबेल, अन्नपूर्णा राठौर, राजेंद्र राठौड़, आयुष शर्मा, महेश साहू, रूपेंद्र गबेल, संतोषी सिंह, कुंती जांगड़े, पूजा राठौर, विजय जायसवाल और सभी संतजन, धर्मप्रेमी नागरिकों और आयोजन समिति का आभार किया गया.

सुडोकू-12

1	8	7				9		
	2	9				4		
	3				5	8		7
		4	1				2	9
			7		4			
8	9				6	7		
3		5	4				9	
		2				5	4	
		8				3	7	6

9X9 के उपरोक्त खानों में एक से नौ तक के अंक ऐसे भरें ताकि हर कॉलम और उसके हर छोटे खाने में एक नंबर ही आयें.
उत्तर अगले अंक में

सूडोकू -11 का उत्तर

5	1	3	8	6	4	9	2	7
4	6	8	7	2	9	5	3	1
7	9	2	5	1	3	4	8	6
8	7	5	3	4	2	6	1	9
6	2	9	1	5	8	3	7	4
1	3	4	6	9	7	8	5	2
2	8	6	4	7	5	1	9	3
3	4	7	9	8	1	2	6	5
9	5	1	2	3	6	7	4	8

युवा शक्ति माथापच्ची- 33

1	2	■	■	3		4	■	5
■	6	7			■	8	9	
10	■		■	11	12	■		■
13			14	■	15			16
	■	■	17			■	■	
18	19			■	20	21		
■		■	22	23	■		■	
24		25	■	26			27	■
	■	28			■	■	29	

● **बाएं से दाएं**

1. एक पक्षी, खिल, लाई, ज्वालामुखी फटने पर निकलनेवाला गरम जल, 3. वात प्रकोप से या किसी रोग से शरीर का अंग फूलना, 6. समर्थन करनेवाला, 8. किंसुक वृक्ष, टेसू, 11. दिनकर, 13. बार-बार लगातार, 15. ज्ञान, पहचान, 17. थाली जैसा लेकिन छोटा हल्का बर्तन, 18. बातें करना, बातचीत, 20. किस्मत, भाग्य, 22. खाक, भस्म, 24. प्राण निकलना, जलना, ईर्ष्या करना, 26. भिड़त, टक्कर, आमना- सामना, 28. मिट्टी का बड़ा घड़ा, 29. मर्द, पुरुष.

● **उपर से नीचे**

2. रहना, निवास, घर, मकान, सुगंध, 3. सूअर, सफेद धान, 4. परिमाण, माप, 5. ख्याति, कीर्ति, 7. टूटी, खराब, ईंटों- पत्थरों का ढेर, 9. लोभ, अनुचित इच्छा, 10. छलकता हुआ, उपर तक भरा हुआ, 12. प्रतिकूल, विरुद्ध, उल्टा, 14. लाल सुर्खी लिये हुए, 16. भैंसा, 19. अंधकार, 21. भैंस का बच्चा, छोटा चौकोर बच्चा, 23. भय, चिन्ता, किवांड़ का सिटकनी, खटखट, 24. आनंद, हंसी- दिल्लगी, 25. वस्तु, व्यक्ति को दर्शानेवाली संज्ञा, 27. जंगल.

उत्तर कल के अंक में

माथापच्ची- 32 का हल

त	नि	क	■	र	स	गं	ध	■
ना	क	■	ब	सा	■	गा	■	र
■	ट	■	द	■	ग	ज	रा	ज
अं	त	र	त	म	■	ल	■	नी
त	म	■	र	ह	ना	■	स	च
विं	■	नि	■	ल	च	क	दा	र
का	र	खा	ना	■	घ	■	च	■
र	■	र	■	न	र	■	र	त
■	ब	ना	व	ट	■	ग	ण	क

युवा शक्ति : चुनावी दंगल – विशेष साक्षात्कार

जोरासांको में कोई टक्कर में नहीं, मैं खुद अपना प्रतिद्वंदी हूँ : विजय उपाध्याय

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 का शंखनाद हो चुका है. कोलकाता की महत्वपूर्ण जोरासांको सीट पर इस बार मुकाबला बेहद दिलचस्प है. तृणमूल कांग्रेस ने यहाँ से अपने अनुभवी सिपाही और वार्ड नंबर 20 के पूर्व पार्षद विजय उपाध्याय को मैदान में उतारा है. ममता बनर्जी के संघर्षों के साथी रहे विजय उपाध्याय खुद को इस मिट्टी का 'भूमि पुत्र' बताते हैं. 'युवा शक्ति' के विशेष कार्यक्रम 'चुनावी दंगल' में युवा शक्ति के प्रधान संपादक सुधांशु शेखर ने विजय उपाध्याय से उनके विजन, चुनौतियों और क्षेत्रीय मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की.

युवा शक्ति : जोरासांको से आपको उम्मीदवार बनाया गया है, इस नई जिम्मेदारी को आप कैसे देखते हैं?

विजय उपाध्याय : यह मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और हमारे सेनापति अभिषेक बंदोपाध्याय का मुझ पर विश्वास है. मैं पिछले 69 वर्षों से इसी जोरासांको क्षेत्र का निवासी हूँ, यहाँ का भूमि पुत्र हूँ. पार्टी ने जो भरोसा जताया है, मैं चुनाव जीतकर वह जीत का सर्टिफिकेट दीदी के चरणों में अर्पित करूँगा.

युवा शक्ति : चुनावी मैदान में आपके सामने सबसे बड़ी चुनौती क्या है?

विजय उपाध्याय : मेरे लिए कोई चुनौती नहीं है. विपक्ष में कोई टक्कर में ही नहीं है. मैं खुद को ही अपना प्रतिद्वंदी मानता हूँ क्योंकि मेरा लक्ष्य केवल जीत नहीं, बल्कि क्षेत्र का विकास है.

युवा शक्ति : जोरासांको एक बड़ा व्यापारिक केंद्र है, यहाँ की मुख्य समस्याओं को आप कैसे दूर करेंगे?

विजय उपाध्याय : जोरासांको का कोना-कोना मेरा जाना-पहचाना है. यहाँ एशिया की सबसे बड़ी फल मंडी, मसाला मंडी और पोस्ता जैसे व्यापारिक क्षेत्र हैं. यहाँ हर भाषा और धर्म के लोग मिलजुल कर रहते हैं. पिछले विधायकों के जो काम अधूरे रह गए हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूरा करना मेरा संकल्प है.

युवा शक्ति : बड़ा बाजार इलाके में अक्सर मकान मालिक और किरायेदारों के बीच विवाद रहता है, आपका इस पर क्या रुख है?

विजय उपाध्याय : मैं हमेशा अधिकारों की रक्षा के लिए खड़ा रहा हूँ. किसी का भी अधिकार छीना जाएगा, तो विजय उपाध्याय उसके साथ खड़ा होगा. विधायक बनने के बाद मेरी जिम्मेदारी और बढ़ जाएगी और मैं सुनिश्चित करूँगा कि किसी भी व्यक्ति के साथ अन्याय न हो.

युवा शक्ति : मतदाता सूची से नाम कटने और पहचान से जुड़े मुद्दों पर आपका क्या कहना है?

विजय उपाध्याय : यह बहुत गंभीर मुद्दा है. विशेष रूप से हिंदी भाषी और उत्तर भारतीय लोग इससे परेशान हुए हैं. स्पेलिंग की छोटी गलतियों के कारण लोगों को लाइनों में लगना पड़ा. ममता बनर्जी ही एकमात्र ऐसी नेता हैं जो लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट तक लड़ीं. हम सुनिश्चित कर रहे हैं कि किसी भी असली वोटर का अधिकार न छीना जाए.

युवा शक्ति : भाजपा ने विजय ओझा को आपके सामने उतारा है, इस मुकाबले को आप कैसे देखते हैं?

विजय उपाध्याय : वे मेरे छोटे भाई जैसे हैं. भाजपा ने उन्हें उम्मीदवार बनाया है, मेरी उन्हें शुभकामनाएँ हैं. राजनीति में शुचिता और गरिमा बनी रहनी चाहिए, मैं इसी सिद्धांत पर विश्वास करता हूँ.

युवा शक्ति : अगर जनता आपको मौका देती है, तो विकास का क्या खाका है?

विजय उपाध्याय : हमारे पास 11 वार्डों की टीम है. मैं सभी पार्षदों, स्थानीय कार्यकर्ताओं, क्लबों और शिक्षण संस्थानों के साथ बैठकर चर्चा करूँगा. जहाँ भी विकास की जरूरत है, उसके लिए सरकार से फंड लाकर काम किया जाएगा. वार्ड नंबर 20 में मेरे 11 साल के कार्यकाल का काम बोलता है, वही विकास अब पूरे जोरासांको में दिखेगा.

विजय उपाध्याय का आत्मविश्वास उनके दशकों के जमीनी कार्य और जनता से सीधे जुड़ाव पर टिका है. धार्मिक प्रवृत्ति के होने के साथ-साथ वे सर्वधर्म समभाव की राजनीति में विश्वास रखते हैं. जोरासांको की जनता इस भूमि पुत्र' पर कितना भरोसा जताती है, यह तो चुनाव के नतीजे ही बताएंगे, लेकिन 'चुनावी दंगल' में विजय उपाध्याय ने अपनी जीत का हुंकार भर दिया है.

प्रकाश पारख एंड संस और प्रेम मिलन कोलकाता की पहल

एसआईसीएस प्रणाली से 81 लोगों का नि:शुल्क चक्षु ऑपरेशन

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता : प्रकाश पारख एंड संस और प्रेम मिलन कोलकाता की पहल पर 22 मार्च को बड़ाबाजार स्थित प्रेम मिलन कार्यालय में एसआईसीएस प्रणाली से 81 लोगों का नि:शुल्क चक्षु ऑपरेशन किया गया. मंच पर उपस्थित लोगों में प्रकाश पारख, प्रदीप धेडिया, रोहित पारख, मोहित पारख, सुरेश खंडेलवाल, आनंद धेडिया, रेणु सिंह, प्रमुख रूप से उपस्थित थे. सर्वप्रथम कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर की गई और सभी अतिथियों का सम्मान किया गया. इस अवसर पर प्रकाश पारख चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रकाश पारख ने कहा कि यह एक आम धारणा बन गई है कि आंखों की चिकित्सा के लिए मदद चाहिए तो चलो प्रेम मिलन तो है ही. उन्होंने चंद्रकांत जी की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सेवा भावना और साख से ही सब कुछ हो रहा है, हालांकि वे अभी अस्वस्थ चल रहे हैं, यह चिंता की बात है, पर प्रेम मिलन की सेवा और उसके विस्तार में दिन-रात लगे रहते हैं. उन्होंने कहा कि रोगियों की चिकित्सा व आपरेशन तो किये ही जाते हैं, पर संस्था के इतने सारे लोगों की दुआएं भी साथ होती हैं. प्रदीप धेडिया जी ने कहा कि आज सारे रोगी कोलकाता से हैं और इतने सारे रोगी प्रेम मिलन कोलकाता में आते हैं कि यह पूरे महानगर की एक ऐसी संस्था बन गई है, जो निस्वार्थ भाव से सेवा कर रही है. उन्होंने कहा कि इतने रोगी कोलकाता के किसी भी अस्पताल में नहीं जाते. डॉ. रेनू सिंह ने कहा आज के प्रेम मिलन में 81 नेत्र ऑपरेशन एसआईसीएस प्रणाली द्वारा किये गये. उन्होंने बताया कि प्रेम मिलन 42 हजार से ज्यादा आपरेशन का कीर्तिमान स्थापित कर चुकी है. उन्होंने बताया कि प्रेम मिलन की ओर की बहुत सारी यूनिट चलती हैं, जिनमें हाइड्रोसील व हर्निया आपरेशन के बाद डायलिसिस सेवा भी है. प्रेगनेंसी के दौरान महिलाओं की सोनोग्राफी के लिए भी मशीन लगने वाली है. प्रेम मिलन के जॉइंट सेक्रेटरी विकास सराफ ने कहा कि बहुत भाग्यशाली हैं हमारी 6 सेंटर है वहां से पेशेंट हमारे यहां आते हैं और उनका इलाज हम नि:शुल्क करते हैं. संस्था पूरी ईमानदारी के साथ, बिना शुल्क लिए काम कर रही है, यह प्रशंसनीय है. उन्होंने आज के प्रोग्राम को मानवता की सेवा कहा. आज के ऑपरेशन डॉ. शुभ्रो घोषाल और सुप्रतिम विश्वास ने किये और डॉक्टर रेनू सिंह और प्रसनजीत सेन का सहयोग रहा. प्रेम मिलन के कार्यकर्ता महेंद्र तिबरेवाल, दिलीप सराफ, कृष्णा कुमार मुंद्रा, निधिश अग्रवाल, नीतीश चौधरी, आकाश सिंह, कल्याण घोष जैसे कार्यकर्ताओं का सहयोग रहा सफल बनाने में.

आदरणीय श्री चंद्रकांत सराफ जी,
सादर प्रणाम.

आप वास्तव में इस समाज के उन दिव्य व्यक्तित्वों में से हैं, जो केवल सेवा नहीं करते, बल्कि अनगिनत जीवनों में प्रकाश भरने का संकल्प जीते हैं. बड़ा बाजार स्थित प्रेम मिलन चक्षु अस्पताल के माध्यम से आपने अब तक लाखों लोगों को ज्योति प्रदान कर मानवता के प्रति जो अद्वितीय, अनुपम और प्रेरणास्पद कार्य किया है, वह शब्दों से परे है. आज आपके द्वारा आयोजित नि:शुल्क चक्षु जांच शिविर में बतौर अतिथि उपस्थित होने का सौभाग्य मिला. वहाँ का सेवा-भाव, सुव्यवस्थित आयोजन और मरीजों के चेहरों पर लौटती रोशनी की आशा ने मन को गहराई तक स्पर्श किया. सच कहूँ तो यह केवल एक चिकित्सा शिविर नहीं था, बल्कि करुणा, संवेदना और समर्पण का एक पावन संगम था, जहाँ हर प्रयास मानवता के उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित दिखा. आपका यह अथक प्रयास न केवल दृष्टिहीनों को दृष्टि देता है, बल्कि उनके जीवन में नई उम्मीद, आत्मविश्वास और जीने का उत्साह भी भरता है. ऐसे पुण्य कार्य विरले ही देखने को मिलते हैं, और आप इस युग में सेवा, दया और समर्पण की सजीव मिसाल बनकर उभरे हैं. ईश्वर से प्रार्थना है कि आपको उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर सेवा-पथ पर अग्रसर रहने की असीम शक्ति प्रदान करें, ताकि आपकी यह ज्योति यूँ ही अनवरत लाखों जीवनों को प्रकाशित करती रहे. **(सादर, प्रदीप ढेडिया)**

आस्ट्रेलिया में बनेगा विश्व का सबसे बड़ा राम मंदिर संगोष्ठी का आयोजन

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता : कोलकाता स्थित विवेकानंद योग अनुसंधान केंद्र में कल एक विशिष्ट संगोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें पर्थ, ऑस्ट्रेलिया में प्रस्तावित विशाल श्री राम मंदिर की परिकल्पना का परिचय कराया गया. इस अवसर पर पर्थ से पधारे अंतर्राष्ट्रीय श्रीराम वैदिक एवं सांस्कृतिक संघ (इक्ष्वाकु) के अध्यक्ष डॉ. दिलावर सिंह का हार्दिक स्वागत किया गया. युवा शक्ति के प्रधान संपादक सुधांशु शेखर विशेष अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे. संगोष्ठी की अध्यक्षता श्री परमेश्वर लाल शाह ने की. मुख्य अतिथि के रूप में श्री मुकेश पारेख और श्री ओ. पी. रावत उपस्थित रहे. संचालन का दायित्व श्री सुरेन्द्र सिंह राजपूत ने निभाया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती रेवा जाजोदिया ने प्रस्तुत किया. अपने उद्बोधन में डॉ. दिलावर सिंह ने कहा कि विशाल श्री राम मंदिर केवल एक स्थापत्य नहीं, बल्कि एक युगांतकारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर होगी. 721 फीट ऊँचा यह मंदिर विश्व का सबसे ऊँचा मंदिर बनेगा. अयोध्या के बाद यह मंदिर विश्व का दूसरा सबसे लोकप्रिय तीर्थस्थल होगा, जो प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित करेगा. पर्थ, जिसे इंडियन ओशन कैपिटल कहा जाता है, इस मंदिर के माध्यम से वैश्विक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में प्रतिष्ठित होगा.

परियोजना की प्रमुख विशेषताएँ : **धाम** - गुरु गोविंद सिंह, छत्रपति शिवाजी महाराज और महाराणा प्रताप को समर्पित. **मंदिर** - गणेश, दुर्गा, कृष्ण, महावीर, बुद्ध और स्वामीनारायण के विग्रह. **संस्थान** - वैदिक विश्वविद्यालय, योग एवं वेलनेस केंद्र, और सांस्कृतिक हब. **पर्यावरणीय उत्तरदायित्व** - शून्य कार्बन फुटप्रिंट (सौर ऊर्जा व बैटरी भंडारण) तथा शून्य नगरपालिका अपशिष्ट (जैव-सीवेज उपचार). **वैश्विक पर्यटन स्थल** - भारत और ऑस्ट्रेलिया ही नहीं, बल्कि समस्त विश्व के राष्ट्रों के बीच सांस्कृतिक सेतु. निर्धारित योजना के अनुसार मंदिर का निर्माण वर्ष 2030-31 तक पूर्ण होगा और इसकी अनुमानित लागत लगभग 2,500 करोड़ होगी.

चुनावी रण से पहले मां काली की शरण में शोभनदेव चट्टोपाध्याय

कालीघाट मंदिर में की विशेष पूजा-अर्चना

कोलकाता : बालीगंज विधानसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस के दिग्गज उम्मीदवार और राज्य के वरिष्ठ नेता शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने रविवार को अपने चुनावी अभियान की औपचारिक शुरुआत से पहले शक्तिपीठ कालीघाट मंदिर में मत्था टेका. उन्होंने मां काली की विशेष पूजा-अर्चना कर अपनी जीत और क्षेत्र की सुख-शांति के लिए आशीर्वाद मांगा.श्रद्धा और संकल्प का संगम रविवार सुबह समर्थकों और परिवार के सदस्यों के साथ कालीघाट पहुंचे शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने मंदिर के गर्भगृह में जाकर विधिवत पूजा की. उन्होंने मां काली को लाल चुनरी और पुष्प अर्पित किए. मंदिर से बाहर निकलने के बाद उनके माथे पर लगा सिंदूर का तिलक उनके अटूट विश्वास और संकल्प को दर्शा रहा था.जनता की सेवा ही असली पूजामीडिया कर्मियों से बात करते हुए शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने कहा:मैं जब भी किसी बड़े कार्य की शुरुआत करता हूँ, मां का आशीर्वाद जरूर लेता हूँ. बालीगंज की जनता ने हमेशा मुझ पर भरोसा जताया है. आज मां काली से यही प्रार्थना की है कि मुझे इतनी शक्ति दें कि मैं अंतिम सांस तक लोगों की सेवा कर सकूँ.

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा–प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट– सलप, थाना–डोमजूर, जिला–हावड़ा–711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : **सुधांशु शेखर,**
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई–मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन